THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

कठुआ में एनकाउंटर, 1 आतंकी मारा गया

श्रीनगर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में पंजतीर्थी मंदिर के पास सोमवार रात से चल रही मुठभेड़ में एक आतंकी मारा गया है। हालांकि, सुरक्षाबलों ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की है।

सेना के राइजिंग स्टार कॉर्प्स के मुताबिक 31 मार्च की रात इलाके में संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिली, जिसके बाद सेना ने राजबाग के रुई, जुथाना, घाटी और सान्याल के जंगली इलाकों के साथ-साथ बिलावर के कुछ हिस्सों में सर्च ऑपरेशन अभियान चलाया। पंजतीर्थी में आतंकियों की तरफ से फायरिंग के बाद एनकाउंटर शुरू हो गया।

वर्ष-30 अंक : 5 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.5 2082 बुधवार, 2 अप्रैल-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ❊ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

हैदराबाद विश्वविद्यालय में कक्षाओं के बहिष्कार का ऐलान

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ (यूओएचएसयू) ने विश्वविद्यालय परिसर से पुलिसकर्मियों और जेसीबी मशीनों को हटाने की मांग करते हुए मंगलवार से अनिश्चितकालीन विरोध-प्रदर्शन और कक्षाओं के बहिष्कार का ऐलान किया। यूओएचएसयू के उपाध्यक्ष आकाश ने कहा कि छात्रों और शिक्षकों से परिसर में विरोध-प्रदर्शन में शामिल होने और कक्षाओं का बहिष्कार करने का आग्रह किया गया है।

यूओएचएसयू और अन्य छात्र संघों ने एक संयुक्त बयान में विश्वविद्यालय प्रशासन पर संस्थान से सटे कांचा गच्चीबोवली में 400 एकड़ जमीन पर राज्य सरकार की परियोजनाओं के लिए भूमि समाशोधन गतिविधियों की अनुमति देकर छात्रों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। बयान में शांतिपूर्ण ढंग से विरोध-प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस की बर्बर कार्रवाई की भी निंदा की गई है।

प्रदर्शनकारी छात्रों ने इस संबंध में लिखित आश्वासन देने की मांग की है कि भूमि को औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय के तहत पंजीकृत किया जाएगा। उन्होंने विश्वविद्यालय की ओर से इस मुद्दे पर आयोजित कार्यकारी समिति की बैठक के प्रमुख निष्कर्षों को सार्वजनिक करने और भूमि से संबंधित दस्तावेजों में अधिक पारदर्शिता बरतने की भी मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधानमंडल दल के नेता ए महेश्वर रेड्डी के नेतृत्व में पार्टी विधायकों और नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल के मंगलवार को विवादित स्थल का दौरा करने की संभावना है। यहां विधायकों के आवासों के पास बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी तैनात किए गए हैं। रेड्डी ने बताया कि पुलिस ने उन्हें उनके आवास से बाहर नहीं निकलने दिया।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने उन्हें घर से बाहर नहीं निकलने के संबंध में कोई नोटिस जारी नहीं किया है। रेड्डी के मुताबिक, पुलिस ने भाजपा के अन्य विधायकों और नेताओं को भी उनके घरों से बाहर निकलने से रोक दिया। तेलंगाना सरकार विवादित जमीन पर सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रतिष्ठान और अन्य परियोजनाएं विकसित करना चाहती है।

सरकार ने सोमवार को दावा किया कि यह जमीन उसकी है, विश्वविद्यालय की नहीं, जिसके बाद हैदराबाद विश्वविद्यालय के छात्रों का विरोध-प्रदर्शन और उग्र हो गया।

हालांकि, विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने एक बयान जारी कर कहा कि विवादित भूमि के सीमांकन को अंतिम रूप दे दिया गया है, जो सरकार के दावे के विपरीत है।

भूमि विवाद पर विस्तृत जानकारी देते हुए सरकार ने आरोप लगाया कि कुछ नेता और रियल इस्टेट समूह छात्रों को गुमराह कर रहे हैं। छात्र संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण संबंधी चिंताओं का हवाला देते हुए उक्त भूमि पर प्रस्तावित विकास परियोजनाओं का विरोध किया है। >14

एचसीयू की जमीन का मामला संसद तक पहुंचा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद डॉ.के. लक्ष्मण ने कहा कि कांचा गच्चीबावली भूमि की रक्षा होनी चाहिए। राज्यसभा सदस्य डॉ.के. लक्ष्मण ने कांग्रेस सरकार द्वारा हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की 400 एकड़ जमीन बेचने की प्रक्रिया की कड़ी निंदा की। उन्होंने आज राज्यसभा में इस अहम मुद्दे पर बात की। उन्होंने कहा कि यह 400 एकड़ भूमि 1974 में शिक्षा और अनुसंधान उद्देश्यों के लिए हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय को आवंटित की गई थी। हालांकि, हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय छात्र संघ ने आरोप लगाया है कि सरकार ने कई मौकों पर अन्य परियोजनाओं के लिए विश्वविद्यालय की ज़मीनें ले ली हैं। लक्ष्मण ने खुलासा किया कि विश्वविद्यालय की जमीन आईआईआईटी परिसर, गच्चीबावली स्टेडियम, एचसीयू बस डिपो, पावर स्टेशन, स्कूल और शूटिंग रेंज जैसी परियोजनाओं के लिए ली गई है। छात्रों और शोधकर्ताओं द्वारा उपयोग की जाने वाली 400 एकड़ भूमि पारिस्थितिक संपदा के लिए महत्वपूर्ण है। फिर भी छात्र संगठन छात्रों के भविष्य के लिए इस जमीन को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस जमीन को बेचने की प्रक्रिया तुरंत रोकने की मांग की। डॉ. लक्ष्मण ने छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मामले में शीघ्र निर्णय लेने का आह्वान किया। इस भूमि को बेचने से छात्रों के लिए एक अपरिहार्य संसाधन का नुकसान होगा। यह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। डॉ. लक्ष्मण ने कहा कि न केवल इस भूमि को छात्रों के लिए संरक्षित किया जाना चाहिए, बल्कि राज्य के सभी शैक्षणिक संस्थानों के लिए आवश्यक संसाधनों की सुरक्षा के लिए भी कदम उठाए जाने चाहिए।

गुजरात के बनासकांठा में पटाखा फैक्ट्री का बॉयलर फटा

एमपी के 18 मजदूरों की मौत, 3 गंभीर घायल दो दिन पहले ही मजदूरी करने पहुंचे थे

अहमदाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गुजरात के बनासकांठा के नजदीक डीसा में मंगलवार सुबह 8 बजे पटाखा फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मध्य प्रदेश के 18 मजदूरों की मौत हो गई। 3 की हालत गंभीर है। वहीं, 5 मजदूर मामूली रूप से घायल हैं।

फैक्ट्री डीसा तहसील के धुनवा रोड पर है। मरने वालों की संख्या अभी और बढ़ सकती है। विस्फोट के दौरान मजदूर फैक्ट्री में काम कर रहे थे। विस्फोट इतना भीषण था कि कई मजदूरों के अंग 50 मीटर दूर तक बिखर गए। फैक्ट्री के पीछे खेत में भी कुछ मानव अंग मिले हैं। फायर ब्रिगेड को आग पर काबू पाने में 5 से 6 घंटे लगे।

2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए आए थे :

हादसे के शिकार सभी मृतक और घायल मजदूर मध्य प्रदेश के हरदा जिले के हंडिया गांव के रहने वाले हैं। फैक्ट्री से मिली जानकारी के मुताबिक सभी 2 दिन पहले ही मजदूरी के लिए यहां आए थे और पटाखे बनाने का काम कर रहे थे। फिलहाल, मृतकों की पहचान की जा रही है।

3 लोग 40 प्रतिशत से अधिक जल गए :

डीसा एसडीएम नेहा पांचाल ने बताया कि घटना में घायल सभी लोगों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल 3 लोगों का इलाज चल रहा है। ये 40 प्रतिशत से अधिक झुलस गए हैं। उन्होंने कहा कि हादसे को लेकर प्रशासन की ओर से जांच जारी है।

पटाखे बेचने का लाइसेंस था, बनाने का नहीं :

दीपक ट्रेडर्स नाम की यह पटाखा फैक्ट्री खूबचंद सिंधी की है। वह इस फैक्ट्री में विस्फोटक लाकर पटाखा बनवाते थे। हालांकि अब तक की जांच में पता चला है कि कंपनी मालिक के पास केवल पटाखे बेचने का लाइसेंस है, बनाने का नहीं, इसलिए स्थानीय पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

पालनपुर के बनास मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भेजे गए विजय नाम के एक मजदूर से बात की। विजय ने कहा, हम फैक्ट्री के अंदर काम कर रहे थे, तभी अचानक ब्लास्ट हुआ।

सेंसेक्स में साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट

1390 अंक नीचे 76,024 पर बंद, निफ्टी 353 लुढ़का रियल्टी और आईटी सेक्टर सबसे ज्यादा टूटे

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। वित्त वर्ष 2025-26 के पहले कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार (1 अप्रैल) को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 1390 अंक (करीब 1.80 प्रतिशत) गिरकर 76,024 के स्तर पर बंद हुआ। यह इस साल की दूसरी सबसे बड़ी गिरावट है। इससे पहले सेंसेक्स में 28 फरवरी को 1414 (1.90 प्रतिशत) अंक की गिरावट रही थी। निफ्टी में भी करीब 353 अंक (करीब 1.50 प्रतिशत) की गिरावट रही, ये 23,165 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 27 में गिरावट रही। एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व, एचडीएफसी बैंक, बजाज फाइनेंस और इंफोसिस में सबसे ज्यादा करीब 4 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। एनएसई के 50 शेयरों में से 36 में गिरावट रही। सेक्टोरल इंडाइसेज की बात करें तो रियल्टी में 3.11 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल में 2.50 प्रतिशत, आईटी में 2.45 प्रतिशत, फार्मा में 1.73 प्रतिशत और प्राइवेट बैंक में 1.21 प्रतिशत की गिरावट रही।

ग्लोबल मार्केट में मिलाजुला कारोबार

> एशियाई बाजारों में जापान के निक्केई में 0.58 प्रतिशत, हॉन्गकॉन्ग के हैंगसेंग इंडेक्स में 0.96 प्रतिशत और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.43 प्रतिशत की तेजी है।

> 28 मार्च को अमेरिका का डाओ जोंस 1 प्रतिशत चढ़कर 42,001 पर बंद हुआ। नैस्डेक कंपोजिट में 0.14 प्रतिशत की गिरावट रही जबकि एस&पी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ।

> 28 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 4,352.82 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (डीएलएल) ने 7,646.49 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

> मार्च में विदेशी निवेशकों ने 2,014.18 करोड़ रुपये के नेट शेयर खरीदे। वहीं घरेलू निवेशकों ने इस दौरान 37,585.68 करोड़ रुपये की नेट खरीदारी की।

बाजार में गिरावट के तीन कारण

ट्रम्प का रेसिप्रोकल टैरिफ : अमेरिका कल से भारतीय प्रोडक्ट्स पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगा सकता है। पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रेसिप्रोकल टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि भारत हमसे 100 प्रतिशत से ज्यादा टैरिफ वसूलता है, हम भी अगले महीने से ऐसा ही करने जा रहे हैं।

जोधपुर जेल में आसाराम ने सरेंडर किया

जोधपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। नाबालिग से रेप करने वाला आसाराम ने जोधपुर जेल में सरेंडर कर दिया है। पैर में प्लास्टर बांधकर पहुंचे आसाराम की अंतरिम जमानत 31 मार्च को समाप्त हो गई है। आसाराम के वकील ने जमानत अवधि बढ़ाने के लिए याचिका दाखिल की है, जिस पर कोर्ट 2 अप्रैल को सुनवाई करेगी।

कोर्ट में 29 से 31 मार्च तक छुट्टी के बाद मंगलवार को आसाराम के वकील निशांत बोड़ा ने सुनवाई का आग्रह किया था। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद आसाराम को 3 महीने की अंतरिम जमानत दी गई है। राजस्थान हाईकोर्ट के वकील दिनेश जैन ने बताया- आसाराम की ओर से अंतरिम जमानत अवधि बढ़ाने के आवेदन पर बुधवार को सुनवाई होगी। यदि कोर्ट अंतरिम जमानत की अवधि नहीं बढ़ाती है तो आसाराम को जेल में ही रहना होगा।

आज पेश होगा वक्फ विधेयक

रिजिजू बोले- जरूरत पड़ी तो संसद सत्र का विस्तार करेंगे

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा में कल यानी बुधवार को वक्फ संशोधन विधेयक पेश किया जाएगा। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्री किरेन रिजिजू दोपहर 12 बजे इसे सदन के पटल पर रखेंगे। वक्फ संशोधन विधेयक पर अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, लोकसभा की कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की बैठक में मैंने समिति के समक्ष प्रस्ताव रखा था कि कल 2 अप्रैल को हम वक्फ संशोधन विधेयक ला रहे हैं। इसके लिए हमें चर्चा के लिए समय आवंटित करना होगा। अंत में इस बात पर सहमति बनी कि वक्फ संशोधन विधेयक पर चर्चा के लिए कुल समय आठ घंटे होगा, जिसे सदन की राय लेने के बाद बढ़ाया जा सकता है।

रिजिजू ने कहा, ...अगर सदन को लगता है कि चर्चा के लिए समय बढ़ाया जाना चाहिए तो समय बढ़ाया जा सकता है, लेकिन अगर विपक्ष के लोग कोई बहाना बनाकर चर्चा में भाग नहीं लेना चाहते हैं तो मैं इसे रोक नहीं सकता। हम चर्चा चाहते हैं। हर राजनीतिक दल को अपनी राय रखने का अधिकार है और देश सुनना चाहता है कि संशोधन विधेयक पर किस राजनीतिक दल का क्या रुख है। यह बात हजारों सालों तक दर्ज रहेगी, यह बात रिकॉर्ड में रहेगी कि किसने विरोध किया और किसने समर्थन किया। 2 अप्रैल को प्रश्नकाल के तुरंत बाद मैं संशोधन विधेयक को विचार और पारित करने के लिए प्रस्तुत करना चाहता हूं। उसके बाद हम 8 घंटे की चर्चा के लिए सहमत हुए हैं।

कुछ दलों और संगठनों पर मुस्लिमों को गुमराह करने का आरोप :

कुछ दलों और संगठनों पर मुस्लिमों को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए रिजिजू ने कहा कि सरकार की मंशा संसद के इसी सत्र में वक्फ संशोधन विधेयक पारित कराने की है। रिजिजू ने कहा कि विधेयक पर सभी सहयोगी दल, केरल के बिशप सहित कई मुस्लिम संगठन सरकार के साथ हैं। ऐसे में आवश्यक हुआ, तो विधेयक को पारित कराने के लिए सरकार सत्र का विस्तार भी करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि विधेयक लोकसभा में बुधवार को पेश किया जा सकता है।

रिजिजू ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि विधेयक को लाने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसका उद्देश्य वक्फ की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाना और जवाबदेह बनाना है। इसका लाभ गरीब मुसलमानों, महिलाओं व बच्चों के लिए सुनिश्चित करना है। विधेयक को असांविधानिक बताने पर एतराज जताते हुए कहा कि देश संविधान से चलता है।

वक्फ संपत्ति कब्जाने वाले ही हैं परेशान :

रिजिजू ने कहा, सरकार को पता है कि विधेयक से कौन परेशान है। >14

'सरकार तुरंत जनगणना और जातीय सर्वे कराए'

खड़गे का दावा- जरूरतमंद लोगों का हो रहा नुकसान

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राज्यसभा में मंगलवार को जनगणना का मुद्दा उठा। सदन में नेता विपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मांग की कि सरकार तुरंत जनगणना और जातीय जनगणना कराए। उन्होंने दावा किया कि जनगणना में देरी की वजह से बड़ी संख्या में लोग जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

खड़गे ने राज्यसभा में शून्य काल के दौरान यह मुद्दा उठाया और जनगणना में हो रही देरी पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कहा कि साल 1881 से हर दस साल बाद देश में जनगणना होती रही है। खरगे ने कहा कि युद्ध, आपातकाल और अन्य संकटों के दौरान भी जनगणना हुई।

देश में जनगणना बेहद जरूरी :

खड़गे ने कहा कि साल 1931 की जनगणना से पहले महात्मा गांधी ने कहा था कि जिस तरह से हमें हमारी सेहत की स्थिति जांचने के लिए मेडिकल चेकअप की जरूरत होती है, उसी तरह से एक देश के लिए जनगणना सबसे जरूरी जांच होती है।

उन्होंने कहा कि 1931 में जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना भी हुई थी। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि जनगणना एक जरूरी अभ्यास है और इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल होते हैं। ये लोग न सिर्फ जनगणना के आंकड़े जुटाते हैं बल्कि रोजगार, परिवार, सामाजिक-आर्थिक और कई अन्य पहलुओं की भी जानकारी जुटाते हैं।

खड़गे ने कहा कि, द्वितीय विश्व युद्ध और 1971-72 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के समय भी जनगणना कराई गई थी, लेकिन ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि देश के इतिहास में पहली बार जनगणना में इतनी देरी हुई है।

भाजपा नेता बोले- 75 साल में रिटायरमेंट का नियम नहीं

पीएम मोदी का कार्यकाल देश की जनता तय करती है, शिवसेना सांसद संजय राउत नहीं

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने मंगलवार को बोला कि पार्टी में 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट का कोई नियम नहीं है। साथ ही प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल देश की जनता तय करेगी। दरअसल बावनकुले ने यह प्रतिक्रिया शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत के बयान पर दिया, जिसे बीजेपी ने पॉलिटिकल स्टंट बताया।

बावनकुले ने पीएम मोदी के रिटायरमेंट बयान पर क्या-क्या कहा :

बीजेपी में ऐसा कोई नियम नहीं है कि मोदी को 75 साल की उम्र के बाद राजनीति से संन्यास लेना चाहिए, न ही ऐसा कोई निर्णय लिया गया है।

भारतीय संविधान में भी ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। पूर्व प्रधानमंत्रियों में अटल बिहारी वाजपेयी ने 79 साल की उम्र तक, मोरारजी देसाई ने 83 साल की उम्र तक, और डॉ. मनमोहन सिंह

ने 81 साल की उम्र तक पद संभाला था।

फडणवीस बोले- पिता के रहते उत्तराधिकार पर चर्चा नहीं :

राउत के बयान पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने 31 मार्च को कहा- पीएम मोदी अभी कई साल तक देश का नेतृत्व करते रहेंगे। नागपुर में मीडिया से बात करते हुए फडणवीस ने कहा- 2029 में हम मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री के रूप में देखेंगे। वे हमारे नेता हैं और वे पद पर बने रहेंगे। नेता के सक्रिय रहते हुए उत्तराधिकार पर चर्चा करना सही नहीं है। हमारी संस्कृति में जब पिता जीवित हो तो उत्तराधिकार के बारे में बात करना अनुचित है। यह मुगल संस्कृति है। इस पर चर्चा करने का समय नहीं आया है।

बीजेपी में राज्य और मण्डल स्तर पर उम्र की सीमाएं लागू हैं :

भाजपा के भीतर एक निश्चित उम्र तक पद पर बने रहने को लेकर कोई आधिकारिक नियम नहीं है। हालांकि, कुछ स्तरों पर उम्र सीमाएं लागू की गई हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ भाजपा ने मंडल अध्यक्ष पद के लिए 35 से 45 साल और जिला अध्यक्ष पद के लिए 45 से 60 साल की उम्र सीमा निर्धारित की है। वहीं भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनावों में 75 साल से अधिक उम्र के कई वरिष्ठ नेताओं को टिकट नहीं दिया था। इसमें लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, सुमित्रा महाजन, कलराज मिश्र, जैसे कई नेता शामिल थे।

भाजपा ने सभी सांसदों के लिए जारी किया व्हिप : आज संसद में उपस्थित होना अनिवार्य

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भाजपा ने सभी लोकसभा सांसदों को कल 2 अप्रैल को संसद में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। 2 अप्रैल को लोकसभा में वक्फ संशोधन विधेयक पारित करने के लिए पेश किया जाएगा। इससे पहले इस पर सदन में चर्चा होगी। पार्टी की ओर से जारी व्हिप में कहा गया कि बुधवार को सदन में अति महत्वपूर्ण विधायी कार्य है। उन्हें पारित करने के लिए सभी लोग पार्टी का समर्थन करें और वोटिंग करें। व्हिप में सभी सांसदों से पूरे दिन सदन में ही मौजूद रहने को कहा गया है। भाजपा के पास लोकसभा में 240 सांसद ही हैं।

सूत्रों का कहना है कि लोकसभा में प्रस्तावित चर्चा के बाद अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू जवाब देंगे और विधेयक को पारित कराने के लिए सदन की मंजूरी लेंगे।

लोकसभा अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा हुई है।

व्यापार समझौते पर बातचीत करेंगे भारत और चिली, दोनों देशों में बनी सहमति

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत और चिली ने तय किया है कि दोनों देश व्यापक व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक फॉन्ट भारत दौरे पर हैं। मंगलवार को चिली के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की। इस मुलाकात में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिहाज से कई अहम मुद्दों पर बात हुई। बोरिक पांच दिवसीय दौरे पर भारत आए हैं। अपने इस दौरे में वे भारत के साथ द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने का संभावनाओं को तलाशेंगे, जिनमें व्यापार और रक्षा क्षेत्र भी शामिल हैं।

दोनों देशों के बीच शीर्ष नेतृत्व स्तर की बातचीत के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज हमारी टीमों ने व्यापक आर्थिक साझेदारी की दिशा में बातचीत की शुरूआत की है। दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में साझेदारी की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। पीएम मोदी ने लैटिन अमेरिका में चिली को भारत का महत्वपूर्ण साझेदार बताया और कहा कि भारत, चिली को अंटार्कटिका के प्रवेश द्वार के तौर पर देखता है। भारत, चिली के साथ डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, अक्ष ऊर्जा, रेलवे, अंतरिक्ष और अन्य क्षेत्रों में अपना सकारात्मक अनुभव साझा करने के लिए तैयार है।

पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति बोरिक का यह पहला भारत दौरा है और उनका भारत के साथ रिश्तों को मजबूत करने का समर्पण अद्भुत है। आज की बातचीत में हमने खाद्य सुरक्षा के मामले में एक दूसरे की क्षमताओं को मजबूत करने पर भी बात की। चिली में स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में भारत विश्वसनीय साझेदार है। ये बेहद खुशी की बात है कि चिली में योग को अपनाया जा रहा है। चिली में 4 नवंबर को योग दिवस घोषित किया जाना, हमारे लिए प्रेरणा की बात है। हमने चिली में आयुर्वेद और पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के मुद्दे पर भी बात की। रक्षा क्षेत्र में बढ़ता सहयोग दोनों देशों के बीच बढ़ते आपसी विश्वास का प्रतीक है।

थाने के शौचालय में लटका मिला शख्स

पलक्कड़ में पुलिस और हिरासत में लिए गए व्यक्ति पर भीड़ का हमला

कोच्चि, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। केरल में पुलिस थाने में व्यक्ति फंदे पर झूलता मिला है। पुलिस ने बताया कि एक लड़की के लापता होने के मामले में हिरासत में लिए गए 18 वर्षीय व्यक्ति का शव मंगलवार को यहां कलपेट्टा पुलिस थाने के शौचालय में लटका मिला। बताया गया कि पीड़ित अंबालावायल का रहने वाला गोकुल बताया गया। वह सुबह शौचालय के अंदर लटका हुआ पाया गया। उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस बीच ओट्टापलम के पास एक व्यक्ति को हिरासत में लेने के बाद दो पुलिस अधिकारियों पर कुछ लोगों ने हमला कर दिया। हमलावरों के निशाने पर पुलिस हिंसा में मौजूद वह व्यक्ति भी था। उन्होंने बताया कि व्यक्ति और नाबालिग लड़की को स्थानीय पुलिस ने सोमवार शाम को कोझिकोड से हिरासत में लिया और बाद में उन्हें कलपेट्टा थाने लाया गया। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, 'एक नाबालिग लड़की के लापता होने की शिकायत मिली थी। व्यक्ति को भी हिरासत में ले लिया गया, क्योंकि वह लड़की के साथ मिला था।' उन्होंने बताया कि बाद में लड़की को राज्य की ओर से संचालित महिला आश्रय गृह सखी में स्थानांतरित कर दिया गया और रात होने के कारण उस व्यक्ति को थाने में ही हिरासत में ले लिया गया और उसे मजिस्ट्रेट के सामने पेश नहीं किया जा सका। अधिकारी ने कहा, 'उसका नाम मामले में आरोपी के तौर पर नहीं लिया गया। उसे यहां इसलिए रखा गया था, क्योंकि उससे पोक्सो से जुड़ी अन्य जानकारियां जुटाई जानी थीं।' उन्होंने कहा कि सुबह गोकुल शौचालय जाना चाहता था और जब वह बाहर नहीं आया तो पुलिस कर्मियों ने दरवाजा तोड़ा तो वह अपनी शर्ट से लटका हुआ मिला।

संभल मस्जिद की रंगाई पुताई करना सही नहीं' इलाहाबाद एचसी के फैसले के खिलाफ याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, जिसमें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को संभल में शाही जामा मस्जिद के बाहरी हिस्से की पुताई (सफेदी) करने का निर्देश दिया गया था। फैसले में कहा गया था कि मस्जिद समिति को इस तरह के काम के लिए खर्च की प्रतिपूर्ति करनी चाहिए। कोर्ट ने उस याचिका को भी नकार दिया, जिसमें कहा गया था कि हाईकोर्ट ने एएसआई को मस्जिद समिति से खर्च वसूलने की अनुमति देकर कानूनी त्रुटि की है। उच्च न्यायालय ने 12 मार्च को एएसआई को एक सप्ताह के भीतर मस्जिद की व्हाइटवॉश (सफेदी) करने का काम पूरा करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की पीठ ने आदेश दिया, 'हम मौजूदा याचिका पर विचार करने के लिए इच्छुक नहीं हैं। इसे खारिज किया जाता है।'

अपीलकर्ता सतीश कुमार अग्रवाल की ओर से पेश हुए वकील बरुण सिन्हा ने उच्च न्यायालय के आदेश की आलोचना करते हुए कहा कि एएसआई को गलत तरीके से मस्जिद की दीवार की सफेदी करने को कहा गया था। अपने आदेश में हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने कहा था, 'एएसआई व्हाइटवॉश का काम करेगा और आज से एक सप्ताह के भीतर इसे पूरा करेगा। इसके अलावा दीवारों पर कोई अतिरिक्त रोशनी नहीं लगाई जाएगी, क्योंकि इससे स्मारकों को नुकसान हो सकता है, लेकिन कथित मस्जिद के बाहरी क्षेत्र में उजाले के लिए फोकस लाइट, एलईडी लाइट का इस्तेमाल किया जा सकता है।' उन्होंने कहा था, 'सफेदी में होने वाला खर्च मस्जिद समिति द्वारा वहन किया जाएगा और काम पूरा होने के एक सप्ताह के भीतर इसकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।'

हाईकोर्ट ने पहले एएसआई की ओर से पेश होने वाले वकील को निर्देश दिया था कि वे इस बारे में ऐसे कथन लेकर आएं कि मस्जिद की बाहरी दीवारों की सफेदी से क्या नुकसान होगा? इससे पहले मुगलकालीन मस्जिद का कोर्ट के आदेश पर सर्वेक्षण किया गया था। बाद में यहां पिछले साल संभल में हिंसा हुई थी।

इंदौर में सड़क चौड़ी करने के लिए 15 से ज्यादा निर्माणों पर चले बुलडोजर

नोटिस के बाद भी नहीं हटे

इंदौर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंदौर में मास्टर प्लान की सड़कों के लिए केंद्र की योजना से 200 करोड़ रुपये की राशि मिली है। इसके चलते अब शहर में सड़कों का काम शुरू हो गया है। फिलहाल पूर्व में अधूरी सड़कों को चौड़ा करने के लिए बाधक निर्माण हटाए जा रहे हैं। मंगलवार को चंद्रभागा से कलालकुई मस्जिद के बीच बड़ी कार्रवाई की गई। सड़क की चौड़ाई में बाधक 15 से ज्यादा निर्माण तोड़े गए थे। भवन मालिकों को नगर निगम ने एक माह पहले नोटिस जारी कर दिया था, लेकिन स्वेच्छा से निर्माण नहीं टूटे तो नगर निगम ने उन्हें तोड़ा। सुबह पांच पोकलेन और चार जेसीबी के साथ 100 से ज्यादा श्रमिक मौके पर पहुंचे। अफसरों ने मकानों में रखे सामान को हटाने के लिए कहा। इस काम में नगर निगम के अमले ने भी मदद की। रहवासी विरोध न करें, इसके लिए मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद था। दो घंटे में निर्माणों को जमींदोज कर दिया गया।

18 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी

चंद्रभागा से मस्जिद तक 18 मीटर चौड़ी सड़क बनना है। यह मध्य क्षेत्र की सड़क है। यहां ट्रैफिक का दबाव काफी अधिक रहता है। नगर निगम गंगवाल बस स्टैंड से सरवटे बस स्टैंड तक भी सड़क चौड़ी कर रहा है। यह सड़क उस मार्ग की फीडर रोड है। 18 मीटर चौड़ाई की सड़क बनने के बाद ट्रैफिक जाम की स्थिति नहीं रहेगी। निगमायुक्त शिवम वर्मा ने कहा कि अब जल्दी ही सड़क निर्माण शुरू हो जाएगा। कुछ बाधाएं और शेष हैं। उन्हें भी हटाया जाएगा।

गुरुग्राम की सोसाइटी में भारी मात्रा में मांस की डिलीवरी पर बवाल, पुलिस ने जांच के लिए लैब भेजा

गुरुग्राम, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम सहित देश भर में चैत्र नवरात्रि और ईद धूमधाम से मनाया जा रहा है। इस बीच साइबर सिटी गुरुग्राम के भोंडसी थाना क्षेत्र की एक सोसाइटी में उस वक्त बवाल मच गया, जब वहां दो डिलीवरी बॉय मांस लेकर सोसाइटी में डिलीवरी करने के लिए पहुंचे थे। डिलीवरी बॉय ने फूड डिलीवरी एप के कपड़े पहने हुए थे। दरअसल, सोसाइटी में रह रहे एक दंपति ने इन डिलीवरी बॉय को बुलाया था, लेकिन डिलीवरी बॉय की सुरक्षाकर्मियों से सोसाइटी में प्रवेश करने को लेकर कुछ विवाद हुआ। इसके बाद जब सुरक्षाकर्मी ने बैग में रखे सामान की जांच की तो उसमें भारी मात्रा में संदिग्ध मांस मिला

यशु-यशु वाले बजिंदर सिंह को हुई उम्र कैद की सजा रेप केस मामले में कोर्ट ने सुनाया फैसला

चंडीगढ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। रेप केस मामले में मोहाली कोर्ट ने आज सुनवाई पूरी कर स्वंयभू पास्टर बजिंदर सिंह उम्र कैद की सजा सुना दी है। जानकारी दे दें कि सजा सुनाते समय पीड़ित महिला कोर्ट में ही मौजूद थी। मोहाली के जीरकपुर की महिला ने साल 2018 में पास्टर बजिंदर सिंह पर रेप करने का आरोप लगाया था। सजा सुनाने से पहले पीड़ित महिला ने मीडिया से मामले को लेकर कहा था कि 7 साल से मैंने ये लड़ाई लड़ी है। हालांकि कोर्ट ने पास्टर बजिंदर सिंह के काले कारनामे देखते हुए उन्हें उम्र कैद की सजा सुनाई है। सजा से पहले पीड़ित महिला ने कहा कि 7 साल से मैंने ये लड़ाई लड़ी है और अब जाकर कोर्ट का फैसला आने वाला है। मैं चाहती हूं कि कम से कम 20 साल की सजा होनी चाहिए। जिस दरिंदगी से उसने गलत काम किया है और लोगों को अभी भी बेवकूफ बनाया जा रहा है। वहीं, साथ ही कुछ हिंदू संगठन से जुड़े लोग भी पास्टर का विरोध करने के लिए पहुँचे हैं पास्टर की तस्वीर को हाथ में लेकर उसे फांसी देने की मांग कर रहे थे।

2018 में केस हुआ था दर्ज

रेप केस मामले में मोहाली कोर्ट ने आज सुनवाई पूरी कर स्वंयभू पास्टर बजिंदर सिंह उम्र कैद की सजा सुना दी है। जानकारी दे दें कि सजा सुनाते समय पीड़ित महिला कोर्ट में ही मौजूद थी। मोहाली के जीरकपुर की महिला ने साल 2018 में पास्टर बजिंदर सिंह पर रेप करने का आरोप लगाया था। पीड़िता ने पुलिस एफआईआर में बताया था कि बजिंदर सिंह ने उसे विदेश ले जाने का वादा देकर बहकाया और फिर मोहाली के सेक्टर 63 स्थित अपने आवास पर उसके साथ रेप किया और उसका वीडियो भी बनाया। इसके बाद आरोपी ने महिला को धमकी दी थी कि अगर वह उसकी बातें नहीं मानेगी तो वह वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट कर देगा। मामले में कोर्ट ने सुनवाई के दौरान बजिंदर सिंह को धारा 376 (बलात्कार), 323 (जानबूझकर चोट पहुंचाने के लिए सजा) और 506 (आपराधिक धमकी) के तहत दोषी ठहराया।

जेल में बंद है बजिंदर सिंह

अभी पास्टर पटियाला जेल में बंद हैं। महिला से रेप मामले में नामजद पास्टर बजिंदर सिंह सोमवार को कोर्ट में पुलिस ने पेश किया था। सोमवार को ही पेशी के बाद कोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। पुलिस ने पास्टर बजिंदर सिंह को दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था, बजिंदर सिंह इंग्लैंड के बरमिंघम सिटी में आयोजित एक सेमिनार में शामिल होने जा रहे थे। गिरफ्तारी के दौरान ही बजिंदर सिंह का एक वीडियो भी तेजी से वायरल हुआ था जिसमें वह एक महिला से मारपीट कर रहे हैं।

हिमंत ने मोहम्मद यूनुस को सुनाई खरीखोटी; 'चिकन नेक' को लेकर मोदी सरकार को दिया अहम सुझाव

गुवाहाटी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अंतरिम बांग्लादेश सरकार के बेतुके बयान पर मंगलवार को जमकर पलटवार किया। मोहम्मद यूनुस ने ढाका को क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र संरक्षक कहा था। इस बयान को सीएम सरमा ने अपमानजनक और कड़ी निंदा योग्य बताया। दरअसल, बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने बीजिंग से मुल्क में अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने की अपील की थी। इस दौरान उन्होंने जिक्र किया था कि भारत के पूर्वोत्तर राज्यों का भूमि से घिरा होना एक अवसर साबित हो सकता है। यूनुस की हाल ही में चीन की चार दिवसीय यात्रा के दौरान की गई यह टिप्पणी सोमवार को सोशल मीडिया पर सामने आई।

बंगाल के 24 परगना में गैस सिलेंडर विस्फोट

आठ की मौत, चार बच्चे भी शामिल

कोलकाता, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के पाथर प्रतिमा में सोमवार रात भीषण हादसा हो गया। यहां एक घर में गैस सिलेंडर में भीषण विस्फोट हुआ, जिसके कारण आठ लोगों की मौत हो गई। सुंदरबन पुलिस जिले के एसपी कोटेश्वर राव ने बताया कि मरने वालों में चार बच्चों और दो महिलाएं भी शामिल हैं। मृतक संभवतः एक ही परिवार के थे।

उन्होंने यह भी बताया कि पाथर प्रतिमा ब्लॉक के धोलाघाट गांव में रात करीब 9 बजे हुए विस्फोट में एक महिला भी घायल हुई। सभी शव बरामद कर लिए गए हैं। पुलिस ने बताया कि पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले में एक घर में हुए विस्फोट में घायल एक और व्यक्ति की मंगलवार सुबह मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या आठ हो गई।

उन्होंने बताया कि सोमवार रात को पाथर प्रतिमा के धोलाहाट में एक घर में हुए गैस सिलेंडर विस्फोट में चार बच्चों समेत सात लोगों की मौत हो गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया, 'सुतापा जना लगभग 75 प्रतिशत जल गई थी और आज सुबह कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल में उसकी मौत हो गई।' उन्होंने बताया कि अन्य मृतकों की पहचान प्रभाती बानिक (80), अरबिंद बानिक (65), स्वंतना बानिक (28), अर्नब बानिक (9), अनुष्का बानिक (6) और दो छह महीने के बच्चे अस्मिता और अंकित के रूप में हुई है।

पीएम मोदी को लेकर उद्धव गुट के संजय राउत ने फिर किया बड़ा दावा

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नागपुर दौरे और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मुख्यालय पहुंचने के बाद से ही उद्धव ठाकरे गुट पीएम पर हमलावर है। शिवसेना यूबीटी के सांसद संजय राउत लगातार यह दावा कर रहे हैं कि संघ पीएम से 75 की उम्र के बाद रिटायरमेंट लेने को कह रहा है और उनका उत्तराधिकारी तय कर रहा है। इसी बीच अब संजय राउत ने एक और बड़ा बयान दिया है। सामना के संपादकीय में हमने पूरी जानकारी दी है। प्रधानमंत्री संघ के प्रचारक हैं। एक प्रचारक जब देश का प्रधानमंत्री बनता है, तो उसे सबसे पहले संघ के मुख्यालय में जाना चाहिए, लेकिन प्रधानमंत्री बनने के 10 साल बाद वह पहली बार संघ पहुंचे, क्योंकि उन्हें बुलाया गया था। संजय राउत ने दावा किया कि संघ ने उनको 75 साल की उम्र पार करने वाला नियम याद दिलाया। संघ ने कहा कि जो नियम आपने बनाया है कि 75 साल की उम्र के बाद कोई सत्ता पद पर नहीं बैठेगा, उसे खुद को फॉलो करिए। यह पूछे जाने पर कि देवेंद्र फडणवीस कहते हैं साल 2029 में भी नरेंद्र मोदी ही प्रधानमंत्री बनेंगे, शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि यह देवेंद्र फडणवीस तय नहीं करेंगे। उनको पीएम मोदी ने अपॉइंट किया है। मैं आरएसएस की बात कर रहा हूं। देवेंद्र फडणवीस राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के मुख्य प्रवक्ता या सरकार्यवाह नहीं हैं। हमें पता है संघ में क्या प्रक्रिया होती है।

मुंबई धमाके के साजिशकर्ता टाइगर मेमन की संपत्तियों पर केंद्र करे कब्जा, अदालत का आदेश

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। एक विशेष अदालत ने मुंबई बम धमाके के साजिशकर्ता टाइगर मेमन की 14 संपत्तियों को केंद्र के कब्जे में सौंपने का आदेश दिया है। ये संपत्तियां फिलहाल बॉम्बे उच्च न्यायालय के रिसीवर के पास हैं, जिन्हें साल 1994 में टाडा कानून के तहत अदालत ने जब्त करने का आदेश दिया था। टाइगर मेमन 12 मार्च, 1993 में हुए मुंबई धमाकों का साजिशकर्ता है। उस दिन 13 अलग-अलग धमाकों में 257 लोगों की जान गई और 700 अन्य लोग घायल हुए थे। सीबीआई ने इस मामले की जांच की थी।

विशेष अदालत के आदेश के बाद जिन संपत्तियों को केंद्र सरकार को सौंपा जाएगा, उनमें बांद्रा वेस्ट में स्थित एक रिहायशी इमारत में फ्लैट, माहिम में कार्यालय,

माहिम में एक प्लॉट, माहिम में ही एक अन्य प्लॉट, सांताक्रूज ईस्ट में एक फ्लैट, कुर्ला की एक इमारत में दो फ्लैट, मोहम्मद अली रोड पर एक ऑफिस, डोंगरी में एक प्लॉट और दुकान, मनीष मार्केट में तीन दुकानें और शेख मेमन स्ट्रीट में एक इमारत में तीन दुकानें शामिल हैं। बीते हफ्ते 26 मार्च को विशेष टाडा अदालत के जज वीडी केदार ने अपने आदेश में कहा कि जब्त अचल संपत्तियां केंद्र सरकार को सौंपी जानी चाहिए।

उच्च न्यायालय के कब्जे में हैं संपत्तियां

आदेश में कहा गया है कि केंद्र सरकार, सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से 14 अचल संपत्तियों पर कब्जा करने की हकदार है। केंद्र सरकार ने तस्कर और विदेशी मुद्रा हेरफेर (संपत्ति जब्ती) अधिनियम, सफेम (एफओपी) अधिनियम के तहत संपत्तियों को मुक्त करने की मांग की थी। याचिका में कहा गया कि सफेम(एफओपी) अधिनियम का काम तस्करों और मादक पदार्थों के तस्करों की अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों का पता लगाना और केंद्र सरकार को उनकी जब्ती का आदेश देना है। मुंबई बम धमाके के बाद से ही ये संपत्तियां उच्च न्यायालय के कब्जे में हैं। 1993 के मुंबई बम धमाकों की साजिश अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम ने अपने गुर्गों टाइगर मेमन और मोहम्मद दोसा की मदद से रची थी। सीबीआई जांच में पता चला कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के इशारे पर यह साजिश रची गई। इस मामले में दाऊद इब्राहिम और टाइगर मेमन अभी भी वांछित आरोपी हैं और टाइगर के भाई याकूब मेमन को इस मामले में दोषी ठहराया गया और साल 2015 में उसे फांसी दे दी गई।

मातृ मृत्यु दर में चौंकाने वाला खुलासा

पंजाब में हर दस दिन में जा रही एक मां की जान, ये हैं मुख्य कारण

चंडीगढ़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पंजाब में मातृ मृत्यु दर ने राज्य सरकार की चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि हर दस दिन में गर्भावस्था के दौरान होले वाली परेशानियों के कारण एक महिला की मौत हो रही है। यह राष्ट्रीय दर से भी अधिक है। प्रसव या प्रसव के तुरंत बाद अत्यधिक रक्तस्राव, कुपोषण, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और कम उम्र में गर्भधारण प्रदेश में इस दर के अधिक होने के प्रमुख कारण है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। राष्ट्रीय दर के अनुसार देश में जहां हर 11 दिन बाद एक महिला की मौत हो रही है, वहीं पंजाब में यह दर दस दिन की है। पंजाब सरकार की तरफ से स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, लेकिन अब भी अस्पतालों में सुविधाओं की भारी कमी है। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के अस्पताल अधिक प्रभावित है, क्योंकि इनमें डॉक्टर व स्टाफ पूरा नहीं है। मातृ मृत्यु दर पहले से कम जरूर हुई है, लेकिन अब भी प्रदेश में यह अधिक है। पंजाब में गर्भावस्था के दौरान होने वाली परेशानियों के कारण अब तक पिछले 27 सालों में 1252 महिलाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी हैं। वर्ष 2004-06 के दौरान जहां 192 महिलाओं को अपनी जान गंवानी पड़ी। वर्ष 2018-20 के बीच 105 महिलाओं की मौत हुई है। इसी तरह 2017-19 के दौरान भी 114 महिलाओं की इस कारण जान चली गई थी। केंद्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का सामना करने के लिए विशेष रूप से राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनआरएचएम) 2005 में शुरू किया गया था।

लूट लिया बैंक,17 किलो सोना लेकर फरार

वेब सीरिज मनी हीस्ट देख दो भाइयों ने बनाया था प्लान

दावणगेरे, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के दावणगेरे न्यामती एसबीआई बैंक डकैती मामले में 6 महीने बाद पुलिस के हाथ सफलता लगी है। दावणगेरे पुलिस ने छह महीने बाद इस मामले का खुलासा किया और 13 करोड़ रुपये मूल्य का 17 किलोग्राम सोना जब्त किया। न्यामती कस्बे में एसबीआई बैंक से 28 अक्टूबर 2024 को चोरी हुई थी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया और चोरों के गिरोह को पकड़ने में सफल रही। पुलिस ने बताया कि तमिलनाडु के मूल निवासी और वर्तमान में मदुरै, तमिलनाडु में रहने वाले 30 वर्षीय विजय और उनके भाई अजय, 28, इस डकैती के मास्टरमाइंड हैं। पुलिस ने बताया कि चोरों ने ये पहली डकैती थी। यह उनकी पहली डकैती थी। पुलिस ने बताया कि इन आरोपियों ने बेकरी व्यवसाय शुरू करने के लिए बैंक से लोन के लिए आवेदन किया था। हालांकि विजय का आवेदन अस्वीकार कर दिया गया, क्यों कि उनका क्रेडिट स्कोर कम था।

वेब सीरीज देखकर बैंक लूटा

लोन न पास होने से परेशान होकर विजय कुमार ने वेब सीरीज देखकर बैंक डकैती की योजना बनाकर इस गिरोह का गठन किया।पुलिस ने बताया कि नेटफ्लिक्स के मनी हीस्ट ने उन्हें प्रेरित किया। डकैती के लिए करीब 4 किमी। काफी दूर से पैदल आ रहे आरोपी ने बैंक का मुख्य गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया। आरोपियों ने जिन अलमारियों में आभूषण रखे थे, उन्हें गैस कटर से काट दिया गया और 17 किलो जेवर लूटकर भाग गए थे।

व्यवस्थित तरीके से दिया था चोरी को अंजाम

पुलिस ने बताया कि चोरों ने बैंक पर ढेर सारा कास्टिक पाउडर फेंककर सबूत नष्ट करने की कोशिश की थी, जिससे डकैती के बारे में कोई सुराग न मिल सके। आरोपियों ने बैंक से चुराए गए सोने के आभूषणों को तमिलनाडु के मदुरै के पास एक गांव में ले जाकर एक बगीचे में छिपा दिया था। उन्होंने फिल्में और यूट्यूब वीडियो देखकर अपनी पहली चोरी को बहुत व्यवस्थित तरीके से अंजाम दिया था।

जामिया यूनिवर्सिटी में देर रात लड़कियों के हॉस्टल में घुसा अनजान शख्स

संदिग्ध हरकतों के बाद पकड़ा गया

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय के गर्ल्स हॉस्टल में रात एक अज्ञात व्यक्ति के घुसने की घटना सामने आई, जिससे छात्रों के बीच सुरक्षा को लेकर भारी आक्रोश फैल गया। बताया जा रहा है कि संदिग्ध व्यक्ति नशे की हालत में था और उसने दीवार फांदकर हॉस्टल के अंदर प्रवेश किया। इस घटना के बाद छात्राओं ने प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया और इस बड़ी सुरक्षा चूक की जिम्मेदारी तय करने की मांग की। छात्राओं के अनुसार, यह घटना रात करीब 8:30 बजे हुई जब उस व्यक्ति को हॉस्टल परिसर में घूमते हुए देखा गया। कुछ छात्राओं को उसकी हरकतें संदिग्ध लगीं और उन्होंने तुरंत हॉस्टल वार्डन को सूचित किया। इसके बाद सुरक्षा गार्ड्स को बुलाया गया और उस व्यक्ति को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। घटना के बाद छात्राओं ने हॉस्टल के बाहर धरना दिया और प्रशासन से जवाबदेही तय करने की मांग की। छात्राओं का कहना था कि रात 10 बजे के कर्फ्यू के बावजूद एक बाहरी व्यक्ति अंदर कैसे घुस आया? उन्होंने आरोप लगाया कि व्यक्ति परिसर में लगभग दो घंटे तक मौजूद रहा और प्रशासन ने समय रहते जरूरी कदम नहीं उठाए। इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए छात्र संगठन ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन ने इसे गंभीर सुरक्षा चूक बताया और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। एआईएसए के बयान में कहा गया, जब वार्डन और सुरक्षा कर्मचारी मौजूद थे, तब भी यह घटना क्यों नहीं रोकी गई? यह महिलाओं की सुरक्षा पर कई सवाल खड़े करता है। छात्र संगठन ने यह भी आरोप लगाया कि विरोध कर रही छात्राओं को डराने के लिए हॉस्टल के गेट बंद कर दिए गए और उनके अभिभावकों को फोन करके उन्हें चुप कराने की कोशिश की गई।

प्रयागराज में 5 घर हुए ध्वस्त, सुप्रीम कोर्ट ने कहा

हमारी आत्मा को झकझोरा, 10-10 लाख का हर्जाना मिले

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रयागराज देश में बुलडोजर कार्रवाई को लेकर कई तरह के सवाल खड़े हो रहे हैं। इस कार्रवाई को लेकर सबकी अलग-अलग राय हैं, लेकिन कोर्ट इसको लेकर सख्त रुख अपनाए हुए है। कोर्ट लगातार इस तरह की कार्रवाई की निंदा और अधिकारियों को फटकार लगा रहा है। इसके साथ ही कई मामलों में मुआवजा देने का फैसला भी सुना रहा है। ऐसे ही एक मामले में आज सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया है। प्रयागराज में एक वकील, एक प्रोफेसर और तीन अन्य के घरों को ध्वस्त करने का मामला में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि घर गिराने की प्रक्रिया असंवैधानिक थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा यह हमारी अंतरात्मा को झकझोरता है। राइट टू शेल्टर नाम भी कोई चीज होती है। उचित प्रक्रिया नाम की भी कोई चीज होती है। इस तरह की कार्रवाई किसी तरह से भी ठीक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने प्रयागराज विकास प्राधिकरण को आदेश दिया है कि पांचों पीड़ितों को 10 – 10 लाख रुपये हर्जाने का भुगतान करें। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़ितों के खिलाफ की गई कार्रवाई को भी गलत बताया है और उसकी निंदा की है। सीएम योगी ने भी हाल ही में अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा है कि बुलडोजर कार्रवाई कोई उपलब्धि नहीं है। ये यहां की आवश्यकता थी और उस आवश्यकता के अनुरूप हम लोगों को उचित लगा वो हमने किया।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले की अखिलेश यादव ने की तारीफ

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि पीड़ितों को 10-10 लाख मुआवजा दिया जाए, इस पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि के सुप्रीम कोर्ट का ये आदेश स्वागत योग्य है कि प्रयागराज में 2021 में हुए एक बुलडोजर एक्शन पर सभी 5 याचिकाकर्ताओं को प्रयागराज विकास प्राधिकरण द्वारा 6 सप्ताह में 10-10 लाख मुआवजा दिया। इस मामले में कोर्ट ने नोटिस मिलने के 24 घंटे के भीतर मकान गिरा देने की कार्रवाई को अवैध घोषित किया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र — संघर्ष से ना घबराये कुछ पाना है तो धीरे - धीरे ही पा सकते है ।

सातवाहन विश्वविद्यालय को 'लॉ कॉलेज' की अनुमति दी जाए : बंडी संजय

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने आज केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल से करीमनगर में सातवाहन विश्वविद्यालय के भीतर यूनिवर्सिटी लॉ कॉलेज की स्थापना की अनुमति देने का अनुरोध किया। बंडी संजय ने सातवाहन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर उमेश कुमार और करीमनगर नगर निगम के पूर्व मेयर यादगिरी सुनील राव के साथ आज दोपहर दिल्ली में केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल से मुलाकात की और इस आशय का अनुरोध प्रस्तुत किया।

उन्होंने संसद में केंद्रीय मंत्री के साथ आधे घंटे से अधिक समय तक चर्चा की।

इस अवसर पर बोलते हुए, संजय ने याद दिलाया कि उन्होंने पहले केंद्र सरकार को एक ज्ञापन सौंपा था जिसमें अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए सातवाहन विश्वविद्यालय के अधिकार क्षेत्र में 120 छात्रों के साथ एक लॉ कॉलेज चलाने की अनुमति मांगी गई थी। इस संदर्भ में, उन्होंने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने एक आभासी निरीक्षण करने के बाद स्पष्टीकरण के साथ एक रिपोर्ट मांगी थी। उन्होंने कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आदेशानुसार विस्तृत रिपोर्ट भेज दी गई है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्होंने तीन वर्षीय विधि पाठ्यक्रम की अनुमति देने के लिए ज्ञापन सौंपा।

बंडी संजय के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देने वाले अर्जुन मेघवाल ने आश्वासन दिया कि सातवाहन विश्वविद्यालय से संबद्ध विधि महाविद्यालय को यथाशीघ्र अनुमति प्रदान कर दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को आगामी शैक्षणिक वर्ष (2025-26) से विधि महाविद्यालय प्रारंभ करने के लिए कदम उठाने के निर्देश दिए।

4 से 6 अप्रैल तक 'तेलंगाना बीज महोत्सव'

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हरित क्रांति परिषद प्रस्तावित 'तेलंगाना बीज महोत्सव' का आयोजन करेगी, जिसका शीर्षक है 'वित्तनला पंडुगा' यह एक संयुक्त मोर्चा और अभियान के लिए एक प्रयास और अपील है, जो हमारी साझा चिंताओं को दर्शाता है, जिसे 4 से 6 अप्रैल तक हैदराबाद में द अर्थ सेंटर, अनुमास्पल्ली, कडथल, रंगारेड्डी जिले में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाएगा। सहज समृद्ध फाउंडेशन के निदेशक कृष्ण प्रसाद, बीज संप्रभुता पर कानूनी ढांचे के नीति विशेषज्ञ डॉ (प्रो.) धोंटी नरसिम्हा रेड्डी, हरित क्रांति परिषद के वरिष्ठ सलाहकार आर. दिलीप रेड्डी ने हा कि उम्मीद है कि यह आयोजन निरंतर साझाकरण और सहयोग की नींव रखेगा।

सीएस ने बढ़िया चावल वितरण योजना की समीक्षा की

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने मंगलवार को कलेक्टरों, अतिरिक्त कलेक्टरों और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ टेलीकांफ्रेंस की और बढ़िया चावल वितरण कार्यक्रम का जायजा लिया। सरकार के इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने उगादी के दिन किया। मुख्य सचिव ने कलेक्टरों को सभी मंडल मुख्यालयों पर बढ़िया चावल वितरण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए मंत्रियों और स्थानीय विधायकों के परामर्श से एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बढ़िया चावल वितरण कार्यक्रम स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल करके उत्सव के माहौल में आयोजित किया जाना चाहिए और कार्यक्रम का व्यापक प्रचार करना चाहिए। शांति कुमारी ने बताया कि उचित मूल्य की दुकानों को बढ़िया चावल का पचास प्रतिशत से अधिक स्टॉक पहले ही मिल चुका है और शेष स्टॉक एक-दो दिनों में वितरित कर दिया जाएगा। कलेक्टरों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि चावल की गुणवत्ता और मात्रा के संबंध में कोई शिकायत न हो।

जना रेड्डी ने कांग्रेस नेतृत्व से रंगारेड्डी जिले के लिए एक मंत्री पद देने का अनुरोध किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। संभावित मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में चर्चा के बाद, वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री के जना रेड्डी ने मंगलवार को पार्टी के आलाकमान को एक पत्र लिखा। एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और महासचिव केसी वेणुगोपाल को लिखे अपने पत्र में, जना रेड्डी ने अनुरोध किया कि संयुक्त रंगारेड्डी जिले को एक मंत्री पद आवंटित किया जाए। उन्होंने कहा कि रंगारेड्डी जिले से एक मंत्री नियुक्त करना न केवल स्थानीय लोगों के लिए फायदेमंद होगा, बल्कि कांग्रेस पार्टी के विकास को भी बढ़ावा देगा और तेलंगाना राज्य की समग्र प्रगति में योगदान देगा। इस बीच, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी मंत्रिमंडल विस्तार की तैयारी कर रहे हैं, रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि उम्मीदवारों की एक सूची पहले ही आलाकमान को भेज दी गई है। पार्टी नेतृत्व द्वारा मंजूरी मिलने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार आगे बढ़ेगा।

दूसरी ओर, मादिगा, लम्बाडी और बीसी समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले विधायकों ने भी पार्टी नेतृत्व को पत्र लिखकर अपने-अपने समूहों के लिए प्रतिनिधित्व का अनुरोध किया है। उन्होंने राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, केसी वेणुगोपाल और तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन सहित एआईसीसी नेताओं से अपनी अपील की है। वर्तमान में, राज्य मंत्रिमंडल में छह मंत्री पद रिक्त हैं, और समझा जाता है कि इनमें से चार पद जल्द ही भरे जाने की संभावना है।

तेजी से चल रहा है कन्वेयर बेल्ट नवीनीकरण का काम

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को विशेष अधिकारी शिवशंकर ने एसएलबीसी, सुरंग कार्यालय में सुरंग दुर्घटना स्थल पर बचाव अभियान चला रहे बचाव टीमों के शीर्ष अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने सुरंग के अंदर चल रहे बचाव कार्यों और बचाव टीमों द्वारा किए जा रहे कार्यों का विवरण लिया।

इस अवसर पर एसएलबीसी के विशेष अधिकारी शिवशंकर लोथेटी ने कहा कि एसएलबीसी ने बताया कि सुरंग के अंदर चल रहे बचाव कार्यों में बाधा बन रहे स्टील और लोहे की सामग्री को सुरंग से बाहर निकाला जा रहा है। बताया गया है कि टीबीएम के आखिरी हिस्सों को काट दिया गया है और मिट्टी की खुदाई की गई है, टीबीएम के जो हिस्से राहत कार्य में बाधा बन रहे हैं उन्हें हटाया जा रहा है और झरने के पानी को बाहर निकालने की प्रक्रिया जारी है. उन्होंने कहा कि केंद्रीय और राज्य सहायता दल समन्वय से राहत प्रयासों में तेजी ला रहे हैं और कन्वेयर बेल्ट की बहाली का काम जोरों पर चल रहा है।

इस समीक्षा बैठक में नगरकर्नूल जिले के अपर समाहर्ता स्थानीय निकाय देवा सामल, सेना अधिकारी विकास सिंह, विजय कुमार, सिंगरेनी अधिकारी माधवराव, एनडीआरएफ अधिकारी मनमोहन यादव, सत्यनारायण, एसडीआरएफ अधिकारी गिरिधर रेड्डी, हाइड्रा अधिकारी जया प्रकाश, दक्षिण मध्य रेलवे अधिकारी नेता चंद्रा, रवीन्द्रनाथ, रैट होल माइनर्स प्रतिनिधि फिरोज कुरेशी, केरल शामिल थे। कदावर डॉग्स के प्रतिनिधि प्रभात, जेपी कंपनी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केसीआर के रेल रोको मामले में शिकायतकर्ता को हाईकोर्ट का नोटिस

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीएम केसीआर ने अलग तेलंगाना राज्य आंदोलन के दौरान उनके खिलाफ दर्ज रेल रोको मामले को खारिज करने के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। मंगलवार को रेल रोको मामले में केसीआर की याचिका पर हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। पूर्व सीएम के वकील ने हाईकोर्ट को बताया कि 15 अक्टूबर 2011 को सिकंदराबाद रेल रोको की घटना जिस स्थान पर हुई थी, वहां केसीआर मौजूद नहीं थे। हालांकि, सरकारी वकील ने कोर्ट को बताया कि रेल रोको केवल केसीआर के आह्वान पर किया गया था। दलीलें सुनने के बाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया कि रेल रोको घटना के बारे में पुलिस से शिकायत करने वाले व्यक्ति को नोटिस दिया जाए। आदेशों का पालन करते हुए हाईकोर्ट ने मामले की आगे की सुनवाई स्थगित कर दी। 15 अक्टूबर 2011 को अलग तेलंगाना आंदोलन के तहत सिकंदराबाद में रेल रोको कार्यक्रम चलाया गया था। उस समय पुलिस ने मामला दर्ज कर कई लोगों को गिरफ्तार किया था। जनप्रतिनिधि अदालत ने पहले 25 जून 2024 को मामले पर रोक लगा दी थी।

बढ़िया चावल के वितरण से गरीबों का आत्म-सम्मान बढ़ेगा : कोमटिरेड्डी

नलगोंडा, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा है कि बढ़िया चावल वितरित करने का राज्य सरकार का निर्णय वंचितों के लिए खाद्य सुरक्षा बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंगलवार को मीडिया को संबोधित करते हुए उन्होंने बताया कि बढ़िया चावल वितरण पहल से गरीबों का आत्म-सम्मान बढ़ेगा और इस बात पर जोर दिया कि सरकार इन समुदायों के लिए बेहतर खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतिक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार बढ़िया चावल वितरण को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका उद्देश्य जरूरतमंदों को गुणवत्तापूर्ण चावल उपलब्ध कराना और उनके जीवन स्तर में सुधार करना है। मंत्री ने राशन कार्ड वितरण में पूरी तरह विफल रहने, गरीबों को गुणवत्तापूर्ण चावल देने में असमर्थता और राशन की दुकानों पर इसके हानिकारक प्रभाव के लिए पिछली बीआरएस सरकार की आलोचना की। केंद्रीय मंत्री बंडी संजय के इस कथन पर कि राशन बैगों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तस्वीर होनी चाहिए, प्रतिक्रिया में कोमटि रेड्डी वेंकट रेड्डी ने टिप्पणी की कि राज्य राष्ट्र के लिए आय का प्राथमिक स्रोत हैं, और राज्यों द्वारा उत्पन्न आय केंद्र सरकार के राजस्व में योगदान करती है। उन्होंने बताया कि अर्थव्यवस्था राज्य करों पर निर्भर करती है, तर्क देते हुए कि यदि छवियों को प्रदर्शित किया जाना है, तो राज्य के मुख्यमंत्रियों की तस्वीरों को भी विभिन्न स्थानों पर प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने बंडी संजय के प्रस्ताव की आलोचना की।

शस्त्र लाइसेंसधारकों को हथियार जमा करने के निर्देश

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव की घोषणा के मद्देनजर पुलिस आयुक्त, हैदराबाद और लाइसेंसिंग प्राधिकरण सी.वी. आनंद ने आदेश दिया कि सार्वजनिक शांति और सौहार्द के हित में, हैदराबाद और सिकंदराबाद के जुड़वां शहरों में रहने वाले सभी लोगों के शस्त्र लाइसेंस की जांच एक स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा की जाएगी।

स्क्रीनिंग कमेटी के निर्णय के आधार पर, शस्त्र लाइसेंस धारकों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें 23 अप्रैल को होने वाले हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्र से विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव के संबंध में पुलिस स्टेशनों/अधिकृत शस्त्र डीलरों के पास अपने हथियार जमा करने की आवश्यकता है या नहीं।

स्क्रीनिंग कमेटी के निर्णय अंतिम होंगे। यदि शस्त्र लाइसेंस धारक स्क्रीनिंग कमेटी के निर्णयों का पालन करने में विफल रहते हैं, तो उनके खिलाफ शस्त्र जब्त करके तथा कानून के उचित प्रावधानों के तहत मुकदमा चलाकर दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

14.6 लाख रुपये की ठगी करने वाला गिरफ्तार

साइबर क्राइम पुलिस ने ट्रेडिंग घोटाले में की गिरफ्तारी

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद साइबर क्राइम यूनिट ने स्टॉक ट्रेडिंग धोखाधड़ी के सिलसिले में उत्तर प्रदेश से एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिसमें शहर के एक 32 वर्षीय निजी कर्मचारी को स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग में अच्छे रिटर्न का वादा करके 14.6 लाख रुपये की ठगी की गई थी। गिरफ्तार व्यक्ति शिव शंकर (27) उत्तर प्रदेश के नोएडा का एक डेटा एंट्री ऑपरेटर है। वह तेलंगाना सहित पूरे भारत में दो मामलों में शामिल है। पुलिस के अनुसार, शिव शंकर अपने साथियों के साथ मिलकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लोगों को शेयर बाजार में निवेश करने पर कम समय में तीन गुना मुनाफा देने का लालच देकर संदेश भेजता था।

साइबर क्राइम के एक अधिकारी ने बताया कि शुरू में वे अपने स्टॉक मार्केट ट्रेडिंग मोबाइल एप्लीकेशन में भारी रिटर्न दिखाते हैं और आंशिक निकासी की भी अनुमति देते हैं। आभासी लाभ दिखाते हुए वे पीड़ितों को और अधिक निवेश करने के लिए लुभाते हैं। एक बार निवेश हो जाने के बाद, वे निकासी विकल्प को ब्लॉक कर देते हैं और धोखाधड़ी करते हैं। 35 वर्षीय पीड़ित ने उनके वादों में फंसकर, घोटालेबाजों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों में राशि स्थानांतरित कर दी, जिन्होंने दावा किया कि उनका निवेश थोक स्टॉक और आईपीओ में है, जिससे उनकी निवेशित पूंजी पर कम से कम 20 प्रतिशत का भारी लाभ होगा। हालांकि, जब उन्होंने अपना मुनाफा वापस लेने की कोशिश की, तो उन्होंने उनसे अतिरिक्त राशि जमा करने की मांग की। इस बिंदु पर, उन्हें एहसास हुआ कि यह एक घोटाला था और उन्होंने रिफंड की मांग की। उन्होंने फोन और संदेशों के माध्यम से उनसे संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। उसकी शिकायत के आधार पर साइबर क्राइम पुलिस ने मामला दर्ज किया और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से उसकी पहचान कर उसे पकड़ लिया।

व्यवसायी से 1.28 करोड़ की ठगी

साइबर अपराधियों ने ऑटोमोबाइल डीलरशिप का किया था वादा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक व्यवसायी को साइबर जालसाजों ने 1.28 करोड़ रुपये की ठगी की, जिन्होंने एक फर्जी वेबसाइट का उपयोग करके कथित तौर पर एक प्रमुख कार निर्माता कंपनी की ऑटोमोबाइल डीलरशिप दिलाने का वादा किया। जालसाजों ने पीड़ित को किआ मोटर्स डीलरशिप दिलाने का वादा करते हुए रजिस्ट्रेशन, सिक्योरिटी डिपॉजिट, अनापत्ति प्रमाण पत्र आदि के बहाने दस दिनों के भीतर धनराशि ट्रांसफर करवा ली। पुलिस के अनुसार, माधापुर के अयप्पा सोसाइटी निवासी शिकायतकर्ता ऑटोमोबाइल उद्योग से जुड़ा व्यवसायी है तथा वर्तमान में एक मोटर कॉर्पोरेशन का प्रबंध निदेशक है। गूगल पर किआ मोटर्स की कार फ्रैंचाइज़ के लिए सर्च करते समय उन्हें किआ डीलर्स इंडिया नाम की एक वेबसाइट मिली और उन्होंने इसे असली समझकर अपनी जानकारी दर्ज कर दी। वहां एक व्यक्ति ने मेल के ज़रिए शोरूम खोलने के लिए उनसे आधार, पैन, ज़मीन के अनुबंध के दस्तावेज, किराए के पट्टे और दूसरी जानकारियां मांगीं। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि साइबर जालसाज ने पंजीकरण शुल्क, लाइसेंस, सुरक्षा जमा, एनओसी, बीमा और स्टॉक बुकिंग के बहाने आठ किस्तों में कुल 1.28 करोड़ रुपये एकत्र किए। जब धोखेबाजों ने और अधिक पैसे मांगे तो शिकायतकर्ता को संदेह हुआ और उसने ऑटोमोबाइल कंपनी से पूछताछ की तो उसे पता चला कि यह धोखाधड़ी है। शिकायत के आधार पर साइबराबाद साइबर अपराध पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कांचे गच्चीबावली में 400 एकड़ जमीन सरकारी संपत्ति है : श्रीधर बाबू

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने दोहराया है कि कांचे-गच्चीबावली में सर्वेक्षण संख्या 25 में 400 एकड़ जमीन स्पष्ट रूप से सरकारी संपत्ति है। मंगलवार को सचिवालय में मीडिया से बात करते हुए, श्रीधर बाबू ने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ बीआरएस और भाजपा नेताओं पर अपने राजनीतिक लाभ के लिए लोगों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ऐसी हरकतें अस्वीकार्य हैं। राज्य की प्रगति में बाधा डालने वाली राजनीतिक चालबाजी लोगों के सर्वोत्तम हित में नहीं है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने हैदराबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय की एक इंच जमीन पर भी अतिक्रमण नहीं किया है। श्रीधर बाबू ने आलोचना करते हुए कहा, अब तक विश्वविद्यालय के पास एक एकड़ भूमि पर कोई कानूनी स्वामित्व अधिकार नहीं था। छात्र और कर्मचारी लंबे समय से इस मुद्दे के समाधान की मांग कर रहे हैं। हालांकि, बीआरएस सरकार ने अपने कार्यकाल के दौरान उनकी चिंताओं को नजरअंदाज कर दिया। अब वे हमारे खिलाफ झूठा प्रचार अभियान चला रहे हैं। मंत्री ने आगे बताया कि एक सप्ताह पहले, राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के कुलपति और रजिस्ट्रार के साथ एक समर्पित बैठक की और उनके अनुरोध का जवाब देते हुए, सरकार ने नियमों के अनुसार विश्वविद्यालय को कानूनी स्वामित्व अधिकार देने के लिए सक्रिय रूप से कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग गलत सूचना फैला रहे हैं, आरोप लगा रहे हैं कि हम प्राकृतिक चट्टान संरचनाओं और जल निकायों को नष्ट कर रहे हैं। यह पूरी तरह से गलत है। हम पर्यावरण की सुरक्षा के लिए एक अच्छी तरह से परिभाषित कार्य योजना के साथ आगे बढ़ रहे हैं।

प्रेम में असफलता के कारण सॉफ्टवेयर कर्मचारी ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। प्रेम में असफलता से परेशान एक व्यक्ति ने सोमवार रात केपीएचबी स्थित अपने छात्रावास में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। हाइटेक सिटी में एक सॉफ्टवेयर फर्म में काम करने वाला टी महेंद्र (25) हाइटेक सिटी में एक पुरुष छात्रावास में रह रहा था। बताया जाता है कि वह अपने ही मोहल्ले की एक महिला से प्यार करता था। उसने अपने प्यार के बारे में घर के बड़े लोगों को नहीं बताया था।

हाल ही में उसकी शादी किसी और से तय हो गई थी, जिससे महेंद्र काफी परेशान था और उसने अपने हॉस्टल के कमरे में पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। उसने एक नोट छोड़ा जिसमें उसने अपने माता-पिता से अपने फैसले के लिए माफी मांगी। केपीएचबी पुलिस जांच कर रही है।

लोगों से जानवरों को गर्मी से बचाने का आग्रह

ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया ने की अपील

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में भीषण गर्मी की स्थिति आम हो गई है, इसलिए ह्यूमेन वर्ल्ड फॉर एनिमल्स इंडिया (पूर्व में ह्यूमन सोसाइटी इंटरनेशनल/इंडिया) ने लोगों से जानवरों और पक्षियों की भलाई को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। जानवरों और पक्षियों की उचित देखभाल सुनिश्चित करने के लिए, एचडब्ल्यूएआई ने इन चरम स्थितियों के दौरान जानवरों और पक्षियों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का आह्वान किया।

एचडब्ल्यूएआई के सदस्यों ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि गर्म लहरों से सभी प्रकार के जानवरों को खतरा है। उन्हें हीटस्ट्रोक, गर्म सतहों से जलने जैसे खतरों का सामना करना पड़ता है। एचडब्ल्यूएआई की वरिष्ठ प्रबंधक (सामुदायिक सहभागिता) डालिया जैकब कहती हैं कि हम समुदाय के सदस्यों और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि गली के कुत्तों को पीने का साफ पानी मिले। हमने कुछ हाउसिंग सोसाइटियों में जानवरों के शरीर के तापमान को बनाए रखने में मदद के लिए पानी के टब भी लगाए हैं। एचडब्ल्यूएआई के प्रबंधक (आपदा तैयारी एवं राहत) प्रवीण सुरेश ने कहा कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में, जहां अधिकांश ग्रामीण आबादी अपनी आजीविका के लिए कृषि और पशुधन दोनों पर निर्भर है, गर्मी के कारण पशुओं की हानि एक गंभीर चुनौती बन गई है।

आदिवासी किसान की बेटी ने पास की ग्रुप I परीक्षा

मंचेरियल, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दांडेपल्ली मंडल के सुदूर लिंगापुर गांव की एक आदिवासी महिला बनोथ वनजा ने ग्रुप I सेवाओं में पद हासिल कर अपने माता-पिता को सम्मान दिलाया। वनजा ने राज्य में 38वीं रैंक और तत्कालीन आदिलाबाद जिले में पहली रैंक हासिल करके यह पद हासिल किया। ग्रुप I सेवा के तहत विभिन्न पदों की भर्ती के लिए आयोजित परीक्षा में उसने कुल 900 अंकों में से 504.5 अंक हासिल किए। वह किसान दशरथ और गृहिणी ललिता की बेटी है। वनजा, जो सिविल सेवक बनने की इच्छा रखती हैं, ने अपनी सफलता का श्रेय अपनी दृढ़ता और अपने माता-पिता के अटूट समर्थन को दिया। उन्होंने एकीकृत आदिवासी विकास एजेंसी (आईटीडीए)-उटनूर द्वारा दी गई छात्रवृत्ति की मदद से इंटरमीडिएट पूरा करने से पहले दांडेपल्ली में स्कूली शिक्षा प्राप्त की और 3 साल तक सिविल सेवा परीक्षाओं में बैठने के लिए एसटी स्टडी सर्कल में कोचिंग लेने से पहले काकतीय विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की।

वनजा को टीजीपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण जूनियर लेक्चरर के रूप में चुना गया था। उसने एक सप्ताह पहले वारंगल के एक कॉलेज में लेक्चरर का पदभार संभाला था। ग्रुप II सेवा में उत्कृष्ट प्रदर्शन के कारण वह पहले से ही वाणिज्यिक कर अधिकारी के रूप में चयनित थी। परीक्षा के परिणामों में उसने एसटी श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। ग्रुप I सेवा में सफल होने के लिए ग्रामीणों ने उसे बधाई दी। इस बीच, आदिलाबाद शहर के डोभी कॉलोनी के बंडी अमरेंद्र ने सेवा की परीक्षा के नतीजों में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 478.5 अंक हासिल किए और राज्य में 149वीं रैंक हासिल की। वे वर्तमान में एनपीडीसीएल में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं। उनके पिता हेड कांस्टेबल हैं, जबकि मां गृहिणी हैं।

हैदराबाद में जर्मन महिला का यौन उत्पीड़न

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर पहाड़ीशरीफ में कुछ लोगों द्वारा एक जर्मन महिला के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। घटना का समय और तारीख अभी तक पता नहीं चल पाई है, लेकिन यह घटना उस समय हुई जब युवती मीरपेट में अपनी सहेली से मिलने गई थी। जानकारी के अनुसार, वापसी में उसे कंचनबाग के चंपापेट में मंदा मल्लम्मा गार्डन के पास एक कार चालक ने लिफ्ट दी और वह उसमें बैठ गई। कार में पहले से ही अन्य पुरुष मौजूद थे। पहाड़ीशरीफ के पास पहुंचने पर, पुरुषों ने एक सुनसान सड़क पर उसके साथ दुर्व्यवहार किया और उसका यौन उत्पीड़न किया। हालांकि, महिला किसी तरह बच निकली और मीरपेट पुलिस के पास पहुंची, जिन्होंने मामला दर्ज कर लिया है और क्षेत्राधिकार के आधार पर इसे पहाड़ीशरीफ स्थानांतरित कर दिया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना संख्या: 26
दिनांक: 01.04.2025

ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निविदा आमंत्रण

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर-273012, कृते भारत के राष्ट्रपति तथा उनकी ओर से ई-प्रोक्योरमेंट के माध्यम से निम्नलिखित सामग्री की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। सामग्री का पूर्ण विवरण तथा नियम एवं शर्तें वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्रम सं0	निविदा संख्या	खुलने की तिथि	सामग्री का विवरण	आरक्षित श्रोत द्वारा
1	22241087A	30/04/25	ट्रैक्शन सेन्टर एलास्टिक ज्वाइंट फार फियेट ईटीसी	RDSO
2	30251050	28/04/25	मेंटेनेन्स फ्री वाल्व रेगूलेटेड लीड ईटीसी	RCF
3	22252187	23/04/25	गैंगवे ब्रिज माउन्टिंग ऐज पर ड्राइंग ईटीसी	-
4	30251184	22/04/25	4.5 केडब्लू अण्डर स्लंग कान्स्टेन्ट वोल्टेज ईटीसी	RDSO
5	30251095	21/04/25	500 एम्पि० ईटीसी 750वी, इन्टर वेहीकूलर (IV) ईटीसी	RDSO
6	22241293A	18/04/25	बोगी सेन्टर पीवट बाटम फार बोगी ईटीसी	RDSO
7	22241457B	17/04/25	रबर बफर स्प्रिंग फार 1225 केजीएम ईटीसी	ICF
8	24250028	17/04/25	प्राईमरी सस्पेंशन स्प्रिंग ईटीसी	CLW

मुजाधि/S-01

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक, गोरखपुर

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

श्रद्धांजलि सभा

ठा.स्व. श्री अचलसिंहजी राजपुरोहित
मरुधर में गाँव आना (देसूरी) पाली-राज.
स्वर्गवास: दि.16 मार्च 2025

श्रद्धांजलि सभा, आज बुधवार 2 अप्रैल 2025 प्रातः 10 बजे से 3 बजे तक श्री बालाजी राजस्थानी भवन, अमीरपेट, हैदराबाद पर होगी।
(महिलाओं एवं पुरुषों के लिए)
(भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी)

: शोकाकुल :
भंवरसिंह, पाबुसिंह, गुलाबसिंह, किरणसिंह, मुकेशसिंह एवं समस्त उदेश राजपुरोहित परिवार
अमीरपेट, हैदराबाद
9849064929, 9949051781, 9849196172, 9963211088
: नोट : कृपया इसे चिट्ठीतुल्य समझ कर अवश्य पधारे

P.Solankey

बिहार में फिलिस्तीन का झंडा फहराया

अब सोशल मीडिया पर तस्वीर हो रही वायरल

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। खगड़िया में फिलिस्तीन के समर्थन में उसका झंडा लहराया गया। अब इसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। यह पूरा मामला जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित देवरी पंचायत के कुढ़ाधार स्थित ईदगाह पर बीते सोमवार को नमाज के दौरान हुआ। इसमें लोग तरह-तरह की बातें कह रहे हैं। हालांकि इस मामले में मड़ैया थाना के थानाध्यक्ष मो। फिरदोस ने कहा कि उनके पास यह मामला नहीं पहुंचा है। अगर ऐसा हुआ है तो इसकी जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि वे वरीय अधिकारी से बात कर इस पर कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि सोमवार को ईद की नमाज के समय देवरी पंचायत के समिति सदस्य मो। फिरोज आलम के पुत्र मो। शरियार ने ईदगाह में अपने कांधे पर फिलिस्तीन का झंडा लहराया था, जिसे उसने अपने फेसबुक स्टेट्स पर भी डाला था।

वायरल होते ही स्टेटस हुआ डिलीट

बता दें कि परबत्ता प्रखंड के देवरी पंचायत स्थित कुढ़ाधार ईदगाह से नमाज के दौरान फिलिस्तीन के समर्थन में झंडे लहराने का यह मामला जब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया तो इसे लगाने के आरोपी मो। शरियार ने इसे अपने फेसबुक से डिलीट कर दिया। इस मामले में लोगों का कहना है कि ईद की नमाज जैसे मौके पर इस तरह से फिलिस्तीन का झंडा दिखाने का क्या मतलब हो सकता है?

सम्राट चौधरी और ललन सिंह ने ली अधिकारियों की बैठक

आरजेडी का दावा- 'सीएम नीतीश को बाहर करने की तैयारी'

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासी गरमाहट तेज होने लगी है। प्रदेश की सभी राजनीति पार्टियां चुनावी रणनीति बनाने में जुट गई है। वहीं दूसरी तरफ एनडीए और आरजेडी के बीच जुबानी जंग भी तेज हो गई है। इसी बीच आरजेडी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट कर बीजेपी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को घेरा है। आरजेडी का दावा है कि बीजेपी सीएम नीतीश कुमार को बाहर करने की तैयारी कर रही है।

'नीतीश कुमार को बाहर करने का एग्जिट प्लान तैयार'

आरजेडी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह की कुछ तस्वीरें शेयर की है जिसमें वे प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेते नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ आरजेडी ने लिखा कि बिहार में अब डीजीपी और मुख्य सचिव की बैठक केंद्रीय मंत्री ले रहे हैं। सीएम के बिना बिहार में प्रथम बार सीएस और डीजीपी को बैठा कर कोई मीटिंग कर रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को बाहर करने का एग्जिट प्लान तैयार हो चुका है।

पीएम मोदी के मधुबनी आगमन को लेकर की गई बैठक

हालांकि डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का एक्स पोस्ट देखकर पता चलता है कि आरजेडी ने जो बैठक की तस्वीरें शेयर की है, वह दरअसल पीएम मोदी के मधुबनी में होने वाले कार्यक्रम को लेकर हो रही बैठक की थी। सम्राट चौधरी ने भी बैठक की इन तस्वीरों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा है कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मधुबनी में शुभागमन होने जा रहा है। इसे लेकर मधुबनी के जिला परिसदन सभागार में केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के साथ तैयारी बैठक में व्यवस्थाओं का समीक्षा की। बैठक में बिहार के मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा समेत एनडीए के नेता और जिले के प्रशासनिक पदाधिकारीगण मौजूद रहें।

बिहार बीजेपी अध्यक्ष का कन्हैया कुमार पर हमला

किशनगंज में बोले- पहले टुकड़े-टुकड़े गैंग के साथ थे, अब पत्थरबाज भी भाग गए

किशनगंज, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। किशनगंज बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार जायसवाल ने किशनगंज में कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और सांसद डॉ। मोहम्मद जावेद आजाद पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कन्हैया कुमार की 'पलायन रोको, नौकरी दो' पदयात्रा पर कटाक्ष करते हुए कहा, "जो लोग कभी 'भारत तेरे टुकड़े होंगे' के नारे लगाते थे, वे अब युवाओं के रोजगार की बात कर रहे हैं।" जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और बिहार लगातार प्रगति कर रहा है। उन्होंने दावा किया कि कश्मीर में अब पत्थरबाज भी भाग चुके हैं और आतंकवाद पर पूरी तरह से लगाम लग चुकी है। वहीं, बिहार में भी केंद्र सरकार ने बड़े पैमाने पर विकास कार्यों को गति दी है। बीजेपी अध्यक्ष ने किशनगंज सांसद डॉ। जावेद आजाद पर भी निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस का एकमात्र एजेंडा "आरोप लगाना और अफवाह फैलाना" है। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल केवल अपनी राजनीति चमकाने में लगे हैं, जबकि मोदी सरकार बिहार के विकास के लिए लगातार काम कर रही है। बिहार में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। बीजेपी अपने विकास कार्यों को गिनाकर जनता को साधने में जुटी है, जबकि विपक्ष सरकार को घेरने की कोशिश में है। आने वाले दिनों में बिहार की राजनीति और गरमाने के संकेत साफ नजर आ रहे हैं।

'पप्पू यादव: मैं मरना पसंद करुंगा लेकिन झुकूंगा नहीं' भाजपा विधायक बोले- धमकी का सबूत मेरे पास है

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पप्पू यादव और बीजेपी एमएलए कृष्ण कुमार ऋषि बीच जमीन विवाद का मामला बढ़ता जा रहा है। बीजेपी विधायक ने पप्पू यादव पर आरोप लगाते हुए कहा कि वो मेरी हत्या करवाना चाहते हैं। अपने समर्थकों से पप्पू यादव लगातार मुझे धमकी दिलवा रहे हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब बनमनखी थाना क्षेत्र के हरमुढ़ी में प्रशासन सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटाने पहुंची। इस दौरान सांसद पप्पू यादव हरमुढ़ी पहुंचे और उन्होंने आरोप लगाया कि प्रशासन ने बीजेपी विधायक कृष्ण कुमार ऋषि और एक जमींदार के कहने पर महादलित का घर तोड़ दिया और उसमें आग लगा दी। पप्पू यादव के आरोप पर जवाब देते हुए बीजेपी विधायक ने कहा कि वह खुद महादलित हैं। अदालत के आदेश पर प्रशासन ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की थी। पप्पू यादव झूठ की राजनीति करते हैं, वह और उनके समर्थक मुझे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

पप्पू यादव बोले- पैसे लेकर कार्रवाई हुई

पप्पू यादव ने दलित की बस्ती में पहुंचकर मीडिया से बात करते हुए कहा, "बस्ती से कुछ दूरी पर बीजेपी विधायक का घर है। मैं जहां खड़ा हूं वहां करीब पांच-छह साल से महादलित रह रहे थे। प्रशासन के लोगों ने एक बड़े जमींदार मनोज शाह से पैसे लेकर कार्रवाई की है। यहीं पास में ही जमींदार का घर है। कौन सा कानून कहता है कि आप महादलित के घर में आग लगा दें। संविधान नाम की कोई चीज नहीं रह गई है।"

बीजेपी विधायक बोले- मेरे पास धमकी का प्रमाण

बीजेपी विधायक कृष्ण कुमार ने पप्पू यादव के आरोपों पर मीडिया को बुलाकर कहा, "पप्पू यादव मुझे धमकी दिलवा रहे हैं। इसका प्रमाण मैं अपने साथ रखा हूं। किस-किस से धमकी दिलवाया है, इसका प्रमाण सोशल मीडिया पर है। पप्पू यादव ने सोशल मीडिया के जरिए घृणित कार्य किया है।

मैं उनसे कहना चाहता हूं कि मैं महादलित परिवार से हूं, मरना पसंद करुंगा, लेकिन झुकना नहीं। आपको जितना धमकी दिलवाना है, गोली चलवाना है, चलवा लीजिए।"

बसपा में फिर हुआ बड़ा फेरबदल, मंडल और जिला प्रभारी बदले

मायावती ने मिशन-2027 के लिए बनाई नई टीम

मेरठ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बसपा नेतृत्व ने मंडल और मंडल के जिलों के पदाधिकारियों में फेरबदल की सूचना जारी की गई। अब तक मेरठ मंडल के प्रभारी रहे रवि जाटव को अब मेघानंद जाटव के साथ गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, बुलन्दशहर जिले की जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, पुष्पेन्द्र जाटव, प्रबुद्ध कुमार जाटव को मेरठ, बागपत और हापुड़ जिले का मंडल कोआर्डिनेटर बनाया गया है। इसी तरह पश्चिम क्षेत्र प्रभारी पूर्व राज्यसभा सांसद मुनकाद अली, विजय सिंह और मोहित आनंद को मेरठ मंडल का ओवरऑल प्रभारी बना दिया गया है।

'राष्ट्र को मजबूत बनाती भाषाएं

सीएम योगी बोले- राजनीतिक हितों के लिए भावनाओं को भड़का रहे नेता

लखनऊ, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाषा को लेकर हो रही राजनीति की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों में नेता भाषा विवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, वहां धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। भाषा विवाद से निजी राजनीतिक लाभ तो लिया जा सकता है, लेकिन यह युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों पर बाधा बन सकता है। मुख्यमंत्री योगी ने साक्षात्कार में भाषाओं पर खुलकर अपनी बात रखी। जब उनसे पूछा गया कि क्या उनका इशारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम।के स्टालिन की ओर है? इस पर उन्होंने कहा कि वे जो भी हैं, वे ऐसा कर रहे हैं। उनके पास कोई अन्य मुद्दा नहीं है। वे अपने राजनीतिक हितों को पूरा करने के लिए भावनाओं को भड़का रहे हैं। यही कारण है कि उन राज्यों में धीरे-धीरे गिरावट आ रही है। संकीर्ण राजनीति युवाओं के करियर को प्रभावित कर सकती है।

भारत ने त्रिभाषा फॉर्मूला अपनाया है

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली या मराठी जैसी भाषाएं राष्ट्रीय एकता की आधारशिला बन सकती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार अपने छात्रों को तमिल, तेलुगु, मलयालम, कन्नड़, बंगाली और मराठी जैसी भाषाएं सिखा रही है। क्या इससे उत्तर प्रदेश किसी भी तरह से छोटा लगता है? सभी का मानना है कि हिंदी का सम्मान किया जाना चाहिए, लेकिन भारत ने त्रिभाषा फॉर्मूला अपनाया है। यह त्रिभाषा फॉर्मूला सुनिश्चित करता है कि क्षेत्रीय भाषाओं को भी बराबर सम्मान मिले।

काशी तमिल संगमम पहल सबसे अच्छा उदाहरण

बातचीत में मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि हर भाषा की अपनी विशेषता होती है, जो राष्ट्रीय एकता की आधारशिला बनती है। हर क्षेत्रीय भाषा की अपनी लोक परंपराएं और कहानियां होती हैं, जो राष्ट्र की विविधता को सामने लाती हैं। इसे मजबूत बनाती हैं। काशी तमिल संगमम पहल इसका सबसे अच्छा उदाहरण है। क्योंकि, यह भारत की सबसे पुरानी भाषाओं तमिल और संस्कृत को एक साथ लाती है।

नोएडा सेक्टर-18 की बिल्डिंग में लगी भयानक आग, चौथी मंजिल से कूदे लोग, इलाके में अफरा-तफरी

नोएडा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के नोएडा में सेक्टर-18 स्थित एक बिल्डिंग में भीषण आग लग गई है। मौके पर दमकल की गाड़ियां मौजूद है। कृष्ण अपरा प्लाजा के बेसमेंट में आग लगी जिसके बाद यह पहले से होते हुए दूसरे फ़्लोर तक जा पहुंची। यहां बेसमेंट में काम कर रहे कुछ लोग जान बचाने के लिए ऊपर की तरफ भागे। आग लगते ही मार्केट के आसपास अफरा-तफरी मच गई और सैकड़ों की संख्या में लोग बाहर निकल आए। आग लगने और धुआं भरने के बाद मार्केट से कई लोग नीचे कूद गए और इसमें कुछ चोटिल भी हो गए। घटना का वीडियो सामने आया है जिसमें लोग बिल्डिंग से कूदते हुए नजर आ रहे हैं। फायर विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंच गई है और आग को बुझाने में जुटी है।

वक्फ बिल पेश होने से पहले इमारत-ए-शरिया के अमीर का बड़ा बयान, इन 3 नेताओं से जताई उम्मीद

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। वक्फ संशोधन विधेयक कल (बुधवार) लोकसभा में पेश होगा. इस वक्फ बिल का लगातार मुस्लिम संगठन विरोध कर रहा है. विपक्ष के भी नेता इसके खिलाफ हैं. धरना-प्रदर्शन भी किया गया. इस बीच आज मंगलवार (01 अप्रैल, 2025) को पटना में इमारत-ए-शरिया के अमीर अनिसुर रहमान कासमी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की. एक तरफ उन्होंने वक्फ बिल की खामियों को गिनाया तो दूसरी ओर सीएम नीतीश कुमार, चिराग पासवान और चंद्रबाबू नायडू से बिल वापस लेने के लिए दबाव बनाने की अपील की है.

'वक्फ बिल में 44 खामियां'

अनिसुर रहमान कासमी ने कहा कि हमारी मांग है कि बिल पेश न किया जाए. बिल में कई खामियां हैं. ये बिल भू माफिया के हक में है. उन्होंने कहा कि वक्फ बिल में 44 खामियां हैं. सरकार वापस ले. बिहार के सीएम नीतीश कुमार से उन्होंने अपील करते हुए कहा कि बिल की हिमायत न करें. चिराग पासवान और उनके सांसद से भी इसके लिए अनुरोध अनुरोध किया है. साथ ही कहा है कि चंद्रबाबू नायडू भी बिल को वापस लेने के लिए दबाव बनाएं. प्रेस रिलीज के जरिए कहा गया कि मुस्लिम समाज के अस्तित्व को समाप्त करने के लिए वक्फ बोर्ड को राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल कर किया जा रहा है. सरकार आए दिन मस्जिद के नाम पर, मदरसा के नाम पर, कब्रिस्तान के नाम पर, उसकी संपत्तियों पर जबरदस्ती कब्जा कर रही है. इमारत-ए-शरिया के वरिष्ठ ट्रस्टी अहमद अशफाक करीम साहब ने कहा कि हम हिंदुस्तानी हैं और हमें संविधान ने जो हक दिया है, हम उससे अलग नहीं हो सकते हैं.

अपनी जिबली स्टाइल फोटो के साथ तेजस्वी यादव ने बीजेपी-एनडीए पर बोला हमला, कहा- 'आरक्षण चोर जवाब दें'

पटना, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत में सोशल मीडिया पर पिछले कुछ दिनों से जिबली फोटोज छाई हुई है। इसमें आपकी कोई भी तस्वीर खास जापानी एनिमेशन स्टाइल में बदल जाती है। आम लोगों के साथ-साथ देश के राजनेता भी सोशल मीडिया पर जिबली स्टाइल में फोटोज अपलोड़ कर रहे हैं। इसी कड़ी में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) नेता तेजस्वी यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर अपनी एक जिबली स्टाइल फोटो के साथ एक पोस्ट कर बीजेपी-एनडीए पर हमला बोला है। तेजस्वी ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि आरक्षण चोर बीजेपी-एनडीए जवाब दें! हमारी सरकार द्वारा 17 महीनों के अल्प कार्यकाल में दलितों-आदिवासियों एवं पिछड़ों-अतिपिछड़ों के लिए बढ़ाई गई। 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को बीजेपी-एनडीए की केंद्र सरकार ने संविधान की 9वीं अनुसूची में नहीं डाला क्योंकि ये आरक्षण चोर अनुसूचित जाति/जनजाति, पिछड़ा-अतिपिछड़ा वर्ग के युवाओं को 16 प्रतिशत आरक्षण का सीधा नुकसान कर इन वर्गों की लाखों नौकरियां हड़प रहे हैं।

'ये लोग इतना झूठ कहां से लाते है'

इससे पहले सोमवार को तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार बनी तो बिहार में बाढ़ नियंत्रण पर काम करेंगे। 20 बरस से बिहार में क्या तालिबान की सरकार है? उपलब्धि के नाम पर कुछ नहीं तो कुछ भी फेंक दो। ये लोग इतना झूठ कहां से लाते है?

'चुनाव के बाद सब जुमला हो जाता है'

वहीं उन्होंने अमित शाह के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि जब-जब चुनाव आता है तब लोग बड़ी-बड़ी घोषणाएं करते हैं, लेकिन चुनाव के बाद सब जुमला हो जाता है। तेजस्वी ने कहा कि अगर वह कर रहे हैं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को पैसा दिया है तो उन्हें यह बताना चाहिए कि कहां-कहां और किस-किस मद में बिहार को कितना रुपया दिया गया है। उसका पूरा विवरण देना चाहिए। लालू यादव को गोली देना तो इन लोगों का फैशन है, उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है।

बरेली में प्रेम-प्रसंग के चलते भिड़े दो समुदाय, झड़प में पांच लोग घायल

बरेली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में प्रेम प्रसंग के चलते दो समुदायों में झड़प हो गई, जिसमें पांच लोग घायल हो गए। मामला इज्जतनगर थाना इलाके के मुड़िया अहमद नगर का है, जहां दो समुदायों के बीच हिंसा भड़क उठी। घटना इतनी बढ़ गई कि दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ। कुछ लोगों ने दावा किया कि इस दौरान घर में घुसकर तीन लोगों को गोली मार दी गई। हालांकि, पुलिस ने इसे अफवाह करार देते हुए कहा कि गोलीबारी की घटना नहीं हुई है। किसी को भी गोली नहीं लगी है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हिंदू युवक के मुस्लिम युवती को भगाने पर विवाद भड़का। एक हिंदू युवक अपने साथ एक मुस्लिम युवती को भगा ले गया था। इसी को लेकर दोनों समुदायों के बीच विवाद शुरू हो गया, जो धीरे-धीरे हिंसा में बदल गया।

पुलिस बल तैनात इलाके में तनाव

घटना की सूचना मिलते ही कई थानों की पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत हालात को काबू में करने का प्रयास किया और लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। फिलहाल, घायलों का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। हालात काबू करने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। बवाल के बाद से इलाके में तनाव व्याप्त है, जिसके चलते पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि मामले की गहन जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

'दे दूंगा श्राप, मैं सूर्यवंशी क्षत्रिय हूं' बीजेपी एमएलए का विडियो वायरल

बस्ती, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की बस्ती के हर्रैया विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के विधायक अजय सिंह का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में अजय सिंह उनपर लगे आरोपों को लेकर सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने वालों को श्राप देते दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, एक लड़के की 25 मार्च को मौत हो गई थी। घरवालों ने आरोप लगाया कि पुलिस की पिटाई से उसकी मौत हुई। इसी मामले में एक अफवाह उड़ी कि विधायक पुलिस को सपोर्ट कर रहे हैं और प्राथमिकी दर्ज नहीं होने दे रहे हैं। इसके बाद विधायक ने अपनी सफाई दी। वीडियो में बीजेपी विधायक कहते दिख रहे हैं कि ' मेरे खिलाफ भ्रम फैलाया जा रहा है। ऐस अफवाहों से बचें। नवरात्रि में व्रत किया है। ये मत समझिए कि जो मठ और पुजारी हैं, वो ही श्राप दे सकते हैं। मैं एक सूर्यवंशी क्षत्रिय हूं। मैं माता दुर्गा की सौगंध खाकर कहता हूं कि मैं भी श्राप दे सकता हूं। इस तरह की राजनीति करने वालों का विनाश हो जाएगा। ' बस्ती जिले के दुबौलिया थाना क्षेत्र के उभाई गांव में आदर्श उपाध्याय की 25 मार्च को मौत हो गई थी। परिजन ने पुलिस की पिटाई से मौत का आरोप लगाया था। इस घटना के विरोध में बीजेपी, सपा और कांग्रेस के नेता पीड़ित परिवार मिले और उनके साथ खड़े नजर आए। इसके बाद एसओ जितेंद्र को लाइन हाजिर किया गया और एक दरोगा एक सिपाही को निलंबित किया गया। इस घटना को लेकर बीजेपी विधायक अजय सिंह पर पुलिस वालों का साथ देने की अफवाह फैलने लगी। इसके बाद अजय सिंह पीड़ित परिवार से मिले और अपने ऊपर लगाए जा रहे आरोपों पर भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि जो लोग भ्रम फैला रहे कि हम पुलिस की साथ दे रहे हैं, मैं उनको श्राप दे सकता हूं। इतनी बड़ी घटना हुई है। एक ब्राह्मण की हत्या हुई है और उसके बाद कोई कह रहा है कि विधायक संरक्षण दे रहे हैं, एफआईआर नहीं होने दे रहे हैं, जो लोग इस तरह की राजनीति कर रहे हैं, उनका विनाश हो जाएगा, नोट कर लो मैं भी श्राप दे सकता हूं। विधायक अजय सिंह ने कहा कि घटना के दिन सबसे पहले पहुंचने वाला नेता मैं ही हूं। पोस्टमार्टम मेरी देखरेख में हुआ। वीडियोग्राफी कराई गई है। एसओ को मैंने लाइन हाजिर करवाया। दारोगा और सिपाही को सस्पेंड कराया। लड़का गरीब परिवार का था। मैंने उसके परिवार की आर्थिक सहायता के लिए मुख्यमंत्री जी के सचिव से संपर्क किया। लेकिन कुछ लोग मेरे बारे में अफवाह फैला रहे हैं। लेकिन पीड़ित परिवार जानता है कि मैं उन के साथ खड़ा हूं।

चारपाई पर रस्सियों से बंधा शव मिला गले पर निशान; हत्या की आशंका

बारांबकी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक बुजुर्ग महिला की गला दबाकर हत्या कर दी गई। बुजुर्ग की लाश चारपाई में बंधी मिली। पुलिस ने महिला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक बुजुर्ग की उम्र 75 साल बताई जा रही है। मृतक महिला का नाम कंचाना देवी है। बुजुर्ग महिला चंदूरा गांव की रहने वाली थीं। पड़ोसियों ने बताया कि बुजुर्ग के पति का निधन 15 साल पहले ही हो चुका है। आमतौर में वह रोज सुबह उठ जाती थीं। घर का दरवाजा खोलकर आसपास टहलने लगती थीं। लेकिन सुबह घर का दरवाजा नहीं खुला। इस पर स्थानीय लोगों ने घर का दरवाजा खटखटाया। गांव के लोग घर के अंदर गए तो देखा कि बुजुर्ग महिला का शव चारपाई पर पड़ा है।

रस्सियों से बंधा मिला शव

बुजुर्ग को रस्सियों से बांधा गया था। उनके गले पर निशान थे। ऐसा लग रहा था कि किसी ने उनका गला दबा दिया हो। गांववालों के मुताबिक, बुजुर्ग महिला के तीन बेटे हैं। तीनों बेटे लखनऊ में मजदूरी करके घर चलाते हैं। गांव वालों ने बुजुर्ग की मौत की सूचना तीनों बेटों को फोन कर दे दी है। पड़ोसियों ने बताया कि बुजुर्ग के पति का नाम अवध बिहारी था, जिनका निधन 15 साल पहले हो चुका है। बुजुर्ग की किसी से कोई रंजिश भी नहीं थी। उनकी हत्या किस इरादे से और किसने की, इसका पता पुलिस ही लगा पाएगी। बुजुर्ग के परिवार की आर्थिक हालत भी ठीक नहीं है।

शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

एक अधिकारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पहली नजर में हत्या का मामला लग रहा है। पुलिस ने गांववालों से बुजुर्ग के बारे में जानकारी जुटाई है। एक टीम घटनास्थल पर गई थी। वहां से पुलिस ने साक्ष्यों को इकट्ठा किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

हनुमान मंदिर से गदा लाया, उसी से वारकर पिता को मार डाला

कातिल बेटा बोला- मैंने खून कर दिया

खजुराहो, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के खजुराहो से सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक युवक हनुमान मंदिर गया। वहां से गदा उठा लाया। इसी गदा से अपने पिता की पीट-पीटकर हत्या कर दी। बचाव करने चचेरा भाई आया तो उस पर भी गदा से वार कर दिया। वह जख्मी है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया। घटना भरवां गांव की है। आरोपी का नाम रामपाल है और वह मानसिक रूप से बीमार बताया जा रहा है। सुबह उसने पिता मलकूराम की गदा से वार कर हत्या कर दी। इस घटना के बाग परिवार में कोहराम मचा है। घरवालों ने बताया कि आरोपी युवक पांच-छह दिनों से अजीब हरकत कर रहा था। उसे घर पर रस्सी से बांधकर ही रखा जाता था। सुबह विवाद होने पर रामपाल ने नाराज होकर रस्सी खुद से खोल ली और वारदात को अंजाम दिया।वह मानसिक रूप से बीमार था। यकीन नहीं हो रहा है कि एक बेटा अपने पिता की इस तरीके से हत्या करेगा। घायल युवक का नाम महेश पाल है, उसकी भी हालत गंभीर बताई जा रही है। इसका एक वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में दिख रहा है कि आरोपी युवक सड़क पर पिता की लाश के पास बैठा है। उसके हाथ-पैर बंधे हैं। उसने बनियान भी नहीं पहन रखे हैं। वह अजीबोगरीब बातें करता दिख रहा है कि 'मैंने अपने पिता का खून कर दिया है।

'औरंगजेब यहां गाड़ा गया'

राज ठाकरे की एमएनएस ने सीएम देवेंद्र फडणवीस से कर दी ये बड़ी मांग

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में औरंगजेब की कब्र को लेकर छिड़ा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मुगल शासक की कब्र हटाए जाने की मांग लगातार की महाराष्ट्र के किसी न किसी कोने से उठती रहती है। हिन्दू संगठन के कार्यकर्ता भी आए दिन चुनौती देते रहे हैं कि वे खुद ही कब्र को उखाड़ कर फेंक देंगे। इसको लेकर लगातार राज्य में विवाद चल रहा है। इसी कड़ी में अब राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखा है। पत्र के माध्य से मनसे ने मांग की है कि अगर औरंगजेब की कब्र हटाई नहीं जा रही तो कम से कम उसपर एक बोर्ड लगाया जा। इस बोर्ड पर लिखा हो- 'औरंगजेब यहां गाड़ा गया'।

मनसे ने पत्र में क्या लिखा?

राज ठाकरे की पार्टी मनसे की ओर से सीएम देवेंद्र फडणवीस को जो खत भेजा गया है, उसमें विषय है 'औरंगजेब की कब्र पर पट्टिका लगाने के बारे में'। पत्र में लिखा गया है, 30 मार्च, 2025 को अपने गुड़ीपाडवा भाषण में, राज ठाकरे ने औरंगजेब की कब्र पर एक पट्टिका लगाने की बात कही थी। बोर्ड पर लिखना है- औरंगजेब जो हम मराठों को ख़त्म करने आया था, उसे यहीं दफनाया गया था ताकि हमारी अगली पीढ़ी को पता चले कि हमारा इतिहास कितना महान है। मनसे ने लिखा, छत्रपति शिवाजी महाराज एक ऐसी सोच है जिसे कोई खत्म नहीं कर सका, लेकिन जिन्होंने इस सोच को खत्म करने की सोची वो यहीं खत्म हो गया। इसलिए, सभी सजावटों को हटाकर औरंगजेब की एक कब्र साधारण रखी जानी चाहिए और इसे मराठों की वीरता के रूप में प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

'कब्र पर चादर चढ़ाने वालों पर देशद्रोह का केस हो'

इतना ही नहीं, मनसे की मांग है कि औरंगजेब की कब्र पर सीसीटीवी भी लगाया जाए, ताकि जो भी उस कब्र पर चादर चढ़ाने आए, उस पर देशद्रोह का मामला दर्ज किया जा सके। मनसे ने पत्र में लिखा कि बस एक ही मांग है कि हमारे महाराज की प्रसिद्धि और उनके विचारों को हर कोई जाने। हमारा अनुरोध है कि इस मांग पर विचार कर इसे तुरंत लागू किया जाए।

छठी कक्षा के बच्चे से करवाते थे नशा सप्लाईः पिता ने मना किया तो तेजधार हथियारों से किया हमला

फिरोजपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। फिरोजपुर के गांव सोढ़ी वाला में पैसों का लालच देकर छठी कक्षा के बच्चे से नशा सप्लाई करने का एक मामला सामने आया है। जब बच्चे के पिता ने आरोपियों से कहा कि वे उसके बच्चे से नशा सप्लाई ना करवाएं तो आरोपियों ने हमला कर उसे जख्मी कर दिया। पीड़ित व्यक्ति को फिरोजशाह के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। सूचना मिलने पर पुलिस ने आरोपियों की धरपकड़ के लिए अपनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पीड़ित गब्बर वासी गांव सोढ़ी नगर ने बताया कि उसका बेटा छठी कक्षा में पढ़ता है। ये गांव नशे को लेकर जिलेभर में बदनाम है। यहां नशा बेचने वाले लोग छोटे बच्चों से नशे की सप्लाई करवा रहे हैं। जब उसे पता चला कि आरोपी उसके बेटे से नशेड़ियों को नशे की सप्लाई करवा रहे हैं तो उसने आरोपियों से कहा कि उसके बेटे से ये काम मत करवाओ। इसी बात पर आरोपियों ने उस पर तेजधार हथियार से हमला बोल जख्मी कर दिया। यही नहीं उसके घर पर ईंट पत्थर भी फेंके हैं। जख्मी हालत में गब्बर को फिरोजशाह के सरकारी अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने सूचना मिलते ही गांव में आरोपियों को पकड़ने के लिए दबिश दी, लेकिन पुलिस के हाथ कोई नहीं आया है।

एकनाथ शिंदे की पार्टी ने साफ किया रुख, मिलिंद देवड़ा बोले

'उद्धव ठाकरे आने वाले दिनों में वक्फ बिल का समर्थन करेंगे'

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। शिवसेना शिंदे के राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने मंगलवार (1 अप्रैल) को वक्फ बिल को लेकर शिवसेना यूबीटी बड़ा आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उद्धव ठाकरे और उनकी पार्टी विचारधारा के स्तर पर कन्फ्यूज है। हमारी पार्टी (शिवसेना शिंदे) इस बिल का समर्थन कर रही है। इस बिल से आम मुस्लिमों को फायदा होगा। शिवसेना शिंदे के राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने कहा, विपक्ष ने सीएए और धारा 370 पर एक फेक नैरेटिव चलाया था। वैसा ही वक्फ बिल को लेकर भी फेक नैरेटिव विरोधियों की ओर से चलाया जा रहा है।

'राज ठाकरे को कोई गंभीरता से नहीं लेता'

हालांकि, राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने आगे कहा, उद्धव ठाकरे भी आने वाले दिनों में वक्फ बिल का समर्थन करेंगे। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के प्रमुख राज ठाकरे के रुख को लेकर उन्होंने कहा कि मनसे को कोई गंभीरता नहीं लेता।

विपक्ष पर लगाया गुमराह करने का आरोप

शिवसेना शिंदे राज्यसभा सांसद मिलिंद देवड़ा ने इस मसले पर 3 दिन पहले मीडिया से बातचीत में कहा था, जब भी वक्फ का मुद्दा आता है, तो कुछ लोग खास समुदाय के लोगों को गुमराह करने की कोशिश करते हैं। उन्हें बताया जाता है कि केंद्र का फैसला उनके खिलाफ है। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से केंद्र सरकार पर भरोसा करने और ऐसे सुधारों का समर्थन करें। ताकि यह बिल उनके बच्चों के लिए भी फायदेमंद हो सके। उन लोगों के जाल में न फंसे, जो उन्हें केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करना चाहते हैं। बता दें कि वक्फ संशोधन बिल को लेकर सियासी दल दो गुटों में बंटे दिखाई दे रहे हैं। सत्ताधारी गुट एनडीए इस बिल को मुसलमानों के हित में बता रही है। दूसरी तरफ इंडी अलायंस में शामिल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी, एनसीपीएससीपी, आरजेडी, सपा आदि दलों का आरोप है कि इस बिल के जरिए केंद्र सरकार मुसलमानों का हक छीनने की कोशिश में जुटी है।

बीजेपी नहीं चाहती बिल पेश हो- प्रियंका चतुर्वेदी

शिवसेना सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने वक्फ संशोधन विधेयक पर कहा, हर रविवार को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू कहते हैं कि अगले हफ्ते वक्फ संशोधन बिल सदन लाया जाएगा। या तो वे जनता का ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं या फिर वे चाहते ही नहीं हैं कि बिल पेश हो, क्योंकि उनके पास पूर्ण समर्थन नहीं है। उन्होंने आगे कहा, रोज-रोज एजेंडा तैयार करना दिखाता है कि वे किसी जरूरी चीज से ध्यान भटकाने का प्रयास कर रहे हैं। बहुत सारे देश के मुद्दे हैं जिससे ध्यान भटकाने के लिए यह एजेंडा लाया जाता है लेकिन एजेंडा के अनुसार काम नहीं होता है।

थ्रेसर में फंसी आदिवासी महिला मजदूर, एक हाथ कटकर हुआ अलग

उमरिया, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। उमरिया जिले के नौरोजाबाद थाना अंतर्गत ग्राम बुढ़हान रामपुर में मंगलवार सुबह एक हृदयविदारक हादसा हुआ, जिसमें ग्राम नरवार निवासी 40 वर्षीय विधवा महिला फूल बाई पति स्व. तम्मा बैगा की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के दौरान महिला का एक हाथ शरीर से अलग हो गया और कमर से ऊपर का हिस्सा बुरी तरह चोटिल हो गया। हादसे के बाद परिजनों और ग्रामीणों में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे नरवार के एक कृषक द्वारा खेत में चने की कटाई के लिए थ्रेसर मशीन का उपयोग किया जा रहा था। यह थ्रेसर जरहा निवासी एक कारोबारी का बताया जाता है। कार्य के दौरान अचानक लापरवाहीवश फूल बाई मशीन की चपेट में आ गई, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद थ्रेसर मालिक ने तत्परता दिखाते हुए घायल महिला को तुरंत ऑटो के माध्यम से अस्पताल भेजा,

पहचान छिपा लड़कियों को डेट करता

वीडियो बना करता था ब्लैकमेल, व्हाट्सऐप हैक कर पत्नी ने खोली पोल; ऐसे पहुंचाया जेल

नागपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नागपुर में एक महिला ने अपने ही पति के काले कारनामों का खुलासा करते हुए उसे सलाखों के पीछे पहुंचा दिया। पता चला है कि आरोपी दूसरी महिलाओं को अपने जाल में फंसाकर उन्हें ब्लैकमेल करता। उनके साथ रेप करता और अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर पैसे ऐंठता था। इतना ही नहीं अपनी पत्नी को भी अक्सर प्रताड़ित करता रहता था। पुलिस ने आरोपी को अरेस्ट कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। आरोपी की पहचान 32 वर्षीय अब्दुल शारिक कुरैशी उर्फ साहिल के रूप में हुई है। अब्दुल शारिक नागपुर के टेक बाजार इलाके में पान की दुकान चलाता था। आरोपी की पत्नी ने बताया कि साल 2021 में उसकी शादी हुई थी और उन्हें एक तीन साल की बेटी भी है। वो बहुत शातिर और हैवान है। पुलिस के मुताबिक आरोपी अपने मेरिटल स्टेटस छिपाकर लड़कियों व महिलाओं को जाल में फंसाता था। इसके बाद उन्हें शादी का झांसा देकर अवैध संबंध बनाता था। इसी दौरान वह महिलाओं का आपत्तिजनक वीडियो बनाता था और बाद में उन्हें ब्लैकमेल करता था। यही नहीं, आरोपी अपनी पत्नी पर भी अप्राकृतिक यौन संबंध बनाने के लिए दबाव डालता था। जब 24 वर्षीय पीड़ित महिला को अपने पति की हरकतों पर शक होने लगा तो अपने एक रिश्तेदार की मदद से उसके फोन को क्लोन करके उसका व्हाट्सऐप को हैक कर लिया। उसने जब उसका व्हाट्सऐप चेक किया तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। उसे पता चला कि आरोपी के कई महिलाओं से संबंध हैं। इनमें कई नाबालिग लड़कियां भी शामिल हैं। उसने उनके अश्लील वीडियो और तस्वीरें भी बनाई हैं जिनके जरिए वो उन महिलाओं और लड़कियों को ब्लैकमेल कर रहा था। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित महिला अपने पति की शिकार कुछ महिलाओं से बात करके उनसे शिकायत दर्ज कराने में कामयाब हो गई। उसके अनुरोध करने के बाद 19 साल की एक पीड़िता सामने आई। उसने आरोपी अब्दुल शारिक कुरैशी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उसने खुलासा किया कि कुरैशी ने उसे खुद को साहिल शर्मा बताया था। आरोपी ने इस लड़की को मां से गिफ्ट में मिली सोने की अंगूठी भी हड़प ली और उसे 30 हजार रुपये में बेच दिया था। पीड़ित महिला ने अन्य महिलाओं से भी शिकायत देने को कहा गया, लेकिन लोकलाज की वजह से अन्य महिलाओं ने शिकायत नहीं दी है। आरोपी के खिलाफ केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बयान पर फंसे त्रिवेंद्र सिंह रावत, बोले- कहावत को मुद्दा बना दिया, आगे-पीछे का हिस्सा हटा दिया

देहरादून, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री व हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने अवैध खनन पर दिए गए बयान को को लेकर साफ किया कि उन्होंने किसी भी अधिकारी का नाम नहीं लिया। उनके बयान के आगे और पीछे के हिस्से को काट कर केवल कहावत को मुद्दा बनाया गया जो उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए सब अधिकारी अपने हैं और प्रिय हैं। त्रिवेंद्र मीडियाकर्मियों से बातचीत कर रहे थे। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि मैं अब संसद में हूं। मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है। मैं तो दिल्ली में हूं। सागर में चला गया हूं। कहा, जब मैं मुख्यमंत्री था, तब आप लोग कहते थे कि अधिकारियों की चलती है। त्रिवेंद्र अधिकारियों को बहुत ज्यादा लिफ्ट देते हैं। सच्चाई यही है कि मेरे लिए सारे अधिकारियों ने मिल जुलकर काम किया। दिल्ली में मैंने सारे अधिकारियों को अपने आवास पर बुलाया। हमने बहुत प्रेम से चार साल काम किया। उन्होंने मुझे सम्मान दिया। वे मेरा इशारा समझकर काम करते थे। मैंने भी उन्हें भरपूर प्यार दिया। सभी अधिकारी इस बात को बहुत अच्छे ढंग से समझते हैं। लेकिन मेरे बयान से आगे और पीछे का हिस्सा काट कर कहावत को मुद्दा बना दिया गया, यह भी उचित नहीं है। मैं इसका खंडन करता हूं। मेरा बयान यदि सुनेंगे तो मैंने किसी व्यक्ति विशेष या अधिकारी का नाम नहीं लिया। मैंने तो यह कहा कि किस अधिकारी ने कहा, मुझे पता नहीं है।

पश्चिम बंगाल में लगे पीएम मोदी के पोस्टर, राम नवमी पर चढ़ा सियासी रंग; शोभा यात्रा पर टीएमसी का पलटवार

कोलकाता, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। 6 अप्रैल को पश्चिम बंगाल में राम नवमी की तैयारियां तेज हो गई हैं। पूरे कोलकाता में भगवान श्री राम के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और सुवेंदु अधिकारी के पोस्टर लगे हैं। दरअसल अगले साल पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव को लेकर अभी से राज्य में सियासी हलचल तेज हो गई है, जिसका असर आगामी राम नवमी के अवसर पर भी देखा जा सकता है। पश्चिम बंगाल में भाजपा कमल खिलाने की मुहिम में लगी है तो सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) किसी भी सूरत में सत्ता से अपनी पकड़ ढीली नहीं करना चाहती है। राम नवमी के अलावा पश्चिम बंगाल के आगामी चुनाव का कनेक्शन बांग्लादेश हिंसा से भी जोड़ा जा रहा है। पिछले साल अगस्त में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट के बाद हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की कई घटनाएं देखने को मिली। अब पश्चिम बंगाल में होने वाले चुनावों के चलते राज्य में इस साल राम नवमी का त्योहार सियासी रूप से बेहद अहम हो गया है। राम नवमी समारोह सियासी रण क्षेत्र में बदलता दिख रहा है क्योंकि राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और मुख्य विपक्षी दल बीजेपी के बीच ध्रुवीकरण को लेकर होड़ मची हुई है। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी हिंदू वोटों को एकजुट करने की कोशिश में लगी है। इसी कड़ी में बीजेपी ने राम नवमी के त्योहार को अपने प्रचार अभियान का हिस्सा बना लिया है। हिंदू परिषद जैसे हिंदूवादी संगठनों की ओर से 6 अप्रैल से शुरू हो रहे हफ्ते भर के राम नवमी समारोह के लिए पूरे राज्य के सभी ब्लॉक में शोभा यात्रा निकालने की तैयारी की गई है। इस दौरान 1 करोड़ से अधिक लोगों को एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया है। बीजेपी नेताओं का दावा है कि इस तरह की शोभा यात्राएं 'बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले की घटनाओं' और टीएमसी की 'तुष्टिकरण की राजनीति' के खिलाफ प्रतीकात्मक प्रदर्शन के रूप में काम करेंगी। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी की पश्चिम बंगाल यूनिट के अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले सीमा के इस तरफ (भारत में) मौजूद लोगों की आंखें खोलने वाले हैं। अगर हम अभी इसका प्रतिरोध नहीं करेंगे, तो टीएमसी की तुष्टीकरण की राजनीति की वजह से पश्चिम बंगाल में भी हिंदुओं का यही हाल हो सकता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया है कि बंगाल में भी हिंदू, टीएमसी समर्थित जिहादियों के इसी तरह के हमलों का पहले से ही सामना कर रहे हैं। इस साल का राम नवमी समारोह ऐसे अत्याचारों का 'जवाब' होगा। विश्व हिंदू परिषद के प्रदेश सचिव चंद्र नाथ दास भी राम नवमी समारोह का सियासी महत्व बताते हैं। उन्होंने इसके लिए 3 अहम कारण गिनाए हैं, पहला- बंगाली श्रद्धालुओं का रिकॉर्ड संख्या में महाकुंभ मेले में शामिल होना,

स्वीटी बूरा का सनसनीखेज खुलासा सोशल मीडिया पर डाली पोस्ट

बोलीं- पति दीपक हुड्डा के खिलाफ कोर्ट में देंगी सबूत

हिसार, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बॉक्सर स्वीटी बूरा व पूर्व कबड्डी खिलाड़ी पति दीपक हुड्डा के बीच विवाद सुलझने का नाम नहीं ले रहा है। अब स्वीटी बूरा ने एक निजी न्यूज चैनल के साथ बातचीत में पति दीपक हुड्डा पर उसके साथ पूरी रात मारपीट करने का आरोप लगाया है। उसे घंटों तक कमरे में बंद रखता था। स्वीटी ने चोटों की फोटो भी दिखाईं। यही नहीं स्वीटी ने दावा किया है कि दीपक के लड़कों के साथ संबंध थे। शादी के एक माह बाद जब उसने वीडियो देखी तो उस इस बारे में पता चला। वह कोर्ट में इसका सबूत भी देगी। चैनल से बातचीत में स्वीटी बूरा ने बताया कि पूरी रात कपड़े उतरवाकर दीपक उसे पीटता था। तकिये से उसका मुंह दबाकर मुक्के मारता था। इसके सबूत भी उसके पास हैं। यही नहीं एक बार उसकी बहन की मौजूदगी में भी दीपक ने उसे पीटा था। तब उसकी बहन ने पुलिस तक बुला ली थी। मगर, पुलिस ने यह कहकर मामला रफादफा कर दिया था कि यह आपके घर का मामला है।

इसे आप खुद सुलझाएं। स्वीटी बूरा के मुताबिक दीपक उसे 5-5 दिन तक घर से बाहर नहीं निकलते देता था। उसे घर में ही बंद रखता था। दीपक ने उसके फोन भी स्कैन कर रखा था। वह उस पर पूरी नजर रखता था। यही नहीं दीपक उसे उसकी गाड़ी भी इस्तेमाल नहीं करने देता था।

शराब ठेके फर्जीवाड़े में मुख्य सचिव को बचाव साक्षी के रूप में बुलाया जाए, हाईकोर्ट का आदेश

जबलपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भोपाल में वर्ष 2003 में हुए शराब ठेका फर्जीवाड़ा मामले में तीन साल की सजा पाए सेवानिवृत्त आबकारी उपायुक्त विनोद रघुवंशी की याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। उन्होंने अपील न्यायालय से तत्कालीन भोपाल कलेक्टर और वर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को बचाव साक्षी के रूप में बुलाने की अनुमति मांगी थी, जिसे अपीलीय न्यायालय ने खारिज कर दिया। इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन एकलपीठ ने उनकी याचिका अस्वीकार कर दी। बता दें कि भोपाल में साल 2003 में हुए शराब ठेका फर्जीवाड़ा मामले में तीन साल की सजा से दंडित सेवानिवृत्त उपायुक्त आबकारी ने हाईकोर्ट की शरण ली थी। उनकी तरफ से दायर याचिका में राहत चाही गई कि सजा के खिलाफ दायर अपील की सुनवाई के दौरान तत्कालीन कलेक्टर व वर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को बचाव साक्षी के तौर पर बुलाए जाने अनुमति प्रदान की जाए। हाईकोर्ट जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की एकलपीठ ने अपने आदेश में कहा गया है कि धारा 391 के तहत शक्तियों का प्रयोग तभी किया जाता है जब न्यायालय से लापरवाही या अज्ञानता के कारण सत्य के स्पष्टीकरण के लिए आवश्यक परिस्थितियों को दर्ज करना छूट जाता है। आवेदक को प्रकरण के दस्तावेज व साक्ष्यों के संबंध में जानकारी होने के कारण उनकी याचिका हस्तक्षेप योग्य नहीं है।

क्या था याचिका में

आबकारी विभाग के सेवानिवृत्त उपायुक्त विनोद रघुवंशी की तरफ दायर अपील में कहा गया था कि साल 2003 में याचिकाकर्ता जिला आबकारी अधिकारी, भोपाल के पद पर पदस्थ थे। भोपाल में स्थित शराब की दुकानों की नीलामी अशोका ट्रेडर्स के पक्ष में आवंटित की गई थी। तत्कालीन कलेक्टर अनुराग जैन की अध्यक्षता वाली समिति ने नीलामी कार्यवाही की स्वीकृति के लिए आबकारी आयुक्त को रिपोर्ट मार्च 2003 में भेजी थी। इसके बाद जून में आवेदक का स्थानांतरण हो गया था। इस दौरान अनावेदक शिकायतकर्ता अजय अरोड़ा ने शिकायत की थी कि अशोका ट्रेडर्स के साझेदारी विलेख को आबकारी विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा बदल दिया गया था। कलेक्टर द्वारा राज्य सरकार को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया कि साझेदारी विलेख नीलामी कार्यवाही की तारीख को प्रस्तुत किया गया था। राज्य सरकार द्वारा हाईकोर्ट के निर्देश पर शिकायत की जांच तत्कालीन अतिरिक्त आयुक्त आबकारी भरत कुमार व्यास को सौंपी गई थी। उन्होंने दिसंबर 2005 को पेश की गई प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में माना था कि आवेदक और अन्य अधिकारियों ने साझेदारी विलेख में परिवर्तन किया है। भोपाल के तत्कालीन कलेक्टर अनुराग जैन तथा अतिरिक्त आयुक्त (आबकारी) भरत कुमार व्यास द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट में विसंगति थी। इसके कारण तत्कालीन आबकारी आयुक्त ने डीआर जौहरी को जांच की जिम्मेदार सौंपी थी। जिन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट में कहा था कि वर्तमान आवेदक और अन्य अधिकारियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं होने के कारण उन्हें जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है। वाणिज्यिक कर विभाग के प्रमुख सचिव ने माना था कि नीलामी कार्रवाई में कोई अनियमितता नहीं हुई थी। उन्होंने भरत कुमार व्यास और डीआर जौहरी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को भी अस्वीकृत कर दिया और शिकायतकर्ता के अभ्यावेदन को खारिज कर दिया।

प्राइवेट शिक्षण संस्थानों में भी आरक्षण हो, कांग्रेस ने क्यों ये मुद्दा छेड़ा?

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस बीतते समय के साथ 'जितनी आबादी, उतना हक' वाले दशकों पुराने नारे को और मुखर करती जा रही है। कांग्रेस ने अब दलितों, आदिवासियों और पिछड़े तबके के लिए निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण की मांग की है। दिलचस्प बात ये है कि करीब दो दशक पहले इस विषय पर संवैधानिक समर्थन हासिल होते हुए भी कांग्रेस ही की सरकार ने इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया था। राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अब इसे संसदीय समिति के एक सुझाव के बहाने फिर से बहस में ला दिया है।कांग्रेस ने संसदीय समिति के उस सुझाव का समर्थन किया है जिसमें निजी संस्थानों में भी सामाजिक दायरे के हिसाब से आरक्षण के प्रावधान को लागू करने की बात की गई है। संविधान के अनुच्छेद 15(5) के तहत ये सुझाव दिया गया है। अनुच्छेद 15(5) की कहानी भी काफी दिलचस्प है। साल 2005 था। कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के पहले कार्यकाल की बात है। सरकार नई-नई बनी ही थी, कि संसद में 93वां संविधान संशोधन लाया गया। सरकार ने संशोधन कर संविधान में अनुच्छेद 15(5) जोड़ा। इस संवैधानिक संशोधन के तहत ये प्रावधान कर दिया गया कि सरकार सभी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू कर सकेगी। ध्यान दें, ये सभी शिक्षण संस्थानों पर लागू होने वाला संशोधन था। चाहे वो पब्लिक हों या फिर प्राइवेट। अगले साल – 2006 में सरकार एक केंद्रीय शिक्षण संस्थान (नामांकन में आरक्षण) कानून लेकर आई। इसके तरत यूपीए की सरकार ने सरकारी संस्थानों में आरक्षण लागू कर दिया। पर यूपीए सरकार कभी भी निजी संस्थानों में आरक्षण लागू करने को लेकर कानून लेकर नहीं आई। साल 2008 में सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में 2006 के कानून पर मुहर लगाया था। कांग्रेस भी इस दफा अपने रुख के समर्थन में उस फैसले का जिक्र कर रही है। इस कहानी में और भी कुछ सिरे हैं। जैसे साल 2014। जिस साल यूपीए की सरकार जा रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने 'प्रामती एजुकेशनल और कल्चरल ट्रस्ट बनाम भारत राज्य' मामले में अनुच्छेद 15(5) के प्रावधान को सही ठहराया था। इसका मतलब ये था कि ओबीसी, एससी और एसटी समुदाय को संवैधानिक दायरे में ही निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण दी जा सकती थी। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ही का एक और फैसला है। 2002 में सुप्रीम कोर्ट ने टीएमए पाई मामले में ये कहा था कि प्राइवेट प्लेयर्स के पास शिक्षण संस्थान स्थापित करने का मौलिक अधिकार है। साथ ही, वे उसकी नामांकन प्रक्रिया भी तय करने को लेकर स्वतंत्र हैं।

अभी ये मुद्दा अचानक से क्यों उठा?

दरअसल, कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह की अगुवाई वाली शिक्षा पर बनी संसदीय समिति ने एक कानून लाकर निजी संस्थानों में आरक्षण का सुझाव दिया है। जिसके बाद, कांग्रेस ने बिना किसी देरी के इस सुझाव का समर्थन कर दिया है। कांग्रेस पिछले लोकसभा चुनाव में भी अपने घोषणापत्र में ये वादा कर चुकी थी कि सरकार बनने की दिशा में वो निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू करेगी। इस विषय को समझने वाले कई जानकारों की राय है कि महज अनुच्छेद 15(5) होने से ये लागू नहीं होगा। इसके लिए सरकार को एक अलग से कानून लाना होगा। संविधान में 15(5) के तहत महज प्रावधान किया गया है, लागू करने के लिए सरकार को कानून लाना होगा। एक और बात, जिस रफ्तार से निजी शिक्षण संस्थान बढ़े हैं, और वहां प्रतिनिधित्व की खाई और चौड़ी हुई है, ये विवाद और गहरा सकता है।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 2 अप्रैल - 2025

नेपाल में गणतंत्र से मोहभंग

आखिर वही हुआ जिसकी आशंका व्यक्त की गई थी। लोग लोकशाही से बुरी तरह ऊब चुके हैं। नेपाल के गणतंत्र की इच्छा है कि एक बार फिर से देश में राजशाही का दौर शुरू हो ताकि अराजकता, भ्रष्टाचार, राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक समस्याओं से नेपाल को उबारा जा सके। राजशाही समर्थन की मांग ने नेपाल के कई इलाकों को हिंसा और अस्थिरता की ओर धकेल दिया है। दो दशक भी नहीं बीते कि नेपाल में एक बड़ी आबादी का गणतांत्रिक व्यवस्था से मोहभंग हो गया जो यह बताता है कि इन लोगों की उम्मीदें किस तरह टूट चुकी हैं। वहां राजशाही को वापस लाने के लिए सड़कें भर दी गई हैं। चिंताजनक बात यह है कि गणतंत्र और राजशाही समर्थक आमने-सामने हैं और इसका खामियाजा पूरे देश को हिंसा व अस्थिरता के रूप में भुगतना पड़ रहा है। राजशाही और लोकशाही के बीच नेपाल में उभर रहा विभाजन साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। एक तरफ तमाम लोकतंत्र समर्थक दल हैं और दूसरी तरफ राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी। 2008 में जब व्यापक जन आंदोलन के बाद संविधान सभा का गठन किया गया और राजा के शासन का अंत हुआ तो उसके बाद से राजशाही समर्थक कभी इतने मजबूत और आक्रामक नहीं दिखाई दिए। बीते दिनों में जिस तरह राजधानी काठमांडू में विरोध-प्रदर्शन हिंसक हो उठा और उसमें जानें गईं, वह स्थिति की गंभीरता को दर्शाता है। लोहा पिघलते देख नेपाल के पूर्व राजा ज्ञानेंद्र बीर बिक्रम शाह ने भी अपनी सक्रियता को धार देना शुरू कर दिया है। इसके पहले तक वह सार्वजनिक रूप से कम ही दिखाई देते थे। लेकिन, 9 मार्च को जब वह पोखरा से काठमांडू पहुंचे, तो उनके स्वागत में हजारों की भीड़ इकट्ठा हो गई। इसके बाद भी वह कुछ मौकों पर जनता के बीच आए और लोगों ने उन्हें हाथों हाथ लिया। देखा जाए तो यह सब अप्रत्याशित नहीं लगता है और न ही इसे सामान्य माना जा सकता है। जनसैलाब अचानक नहीं उमड़ा था, इसे राजा भी जानते ही होंगे। ऐसे में सवाल लाजिम है कि नेपाल की जनता को क्यों फिर से अपने पूर्व राजा में उम्मीद की किरणें दिखाई देने लगी है? जाहिर है इसका दो टके का जवाब है राजनीतिक दलों की विफलता। गणतंत्र लागू होने के बाद से यह देश राजनीतिक अखाड़ा बन चुका है। इस दौरान नेपाल ने 13 प्रधानमंत्रियों को देखा और आजमाया। लेकिन अफसोस है कि किसी ने भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया और गठबंधन की राजनीति ने कभी देश को स्थिरता नहीं दी। नतीजतन, नेता तो फलते-फूलते रहे लेकिन देश और देशवासी पीछे होते चले गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इस दौर में जिस तरह का भ्रष्टाचार नेपाल में पनपा उसे लेकर भी लोगों में जबर्दस्त गुस्सा है। कोई भी ऐसी पार्टी नहीं रही, जिसे करप्शन के आरोपों का सामना न करना पड़ा हो। इसी दौर में नेपाल की इकॉनमी लगातार डांवाडोल होती चली गई। वर्ल्ड बैंक की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि सरकार का बजट सही तरीके से खर्च नहीं हो पा रहा है, और यह समस्या 2018 से चली आ रही है। टैक्स कम मिल रहा है और विकास कार्यों पर खर्च की रफ्तार धीमी है। वित्तीय वर्ष 24 में सुधार के बावजूद सकल घरेलू उत्पाद का ग्रोथ 3.9 है। शायद इसी वजह से नेपाल वासियों का लोकतंत्र से विश्वास डगमगा गया है।

मोदी का नागपुर दौरा और विपक्षी उगलने लगे नैरेटिव

अशोक भाटिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागपुर में आरएसएस मुख्यालय का दौरा किया, जिसमें भाजपा सहित कई भौंहें उठीं, क्योंकि मोदी नागपुर में आरएसएस मुख्यालय जाने और आरएसएस का आशीर्वाद लेने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। 2014 में मोदी को आरएसएस मुख्यालय गए 12 साल हो गए हैं। अब, 12 साल बाद, मोदी नागपुर में आरएसएस मुख्यालय गए और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने गोलवलकर गुरुजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। लेकिन इसकी राजनीतिक व्याख्या की जा रही है। भाजपा नेताओं ने कहा है कि इसका कोई राजनीतिक अर्थ नहीं होना चाहिए, लेकिन इस बीच भाजपा के राजनीतिक विचार की पितृ संस्था आरएसएस और आरएसएस के बीच काफी दूरियां आ गई थीं और इसकी मार 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हुई थी। उस चुनाव में भाजपा ने 400 से अधिक का नारा दिया था और संघ से पर्याप्त समर्थन न मिलने के कारण भाजपा को केवल 270 सीटों से संतोष करना पड़ा था। तो भाजपा को आखिरकार एहसास हुआ और फिर भाजपा ने अपनी गलती सुधारी। उन्होंने टीम को वह श्रेय दिया जिसकी वे हकदार थीं। माना जा रहा है कि मोदी का आरएसएस मुख्यालय जाना इसी का नतीजा है। मोदी ने कहा कि संघ एक विशाल बरगद का पेड़ है और भाजपा या आरएसएस कार्यकर्ता इसके फल हैं।

लेकिन आरएसएस नेताओं के बीच एक गलत धारणा थी कि भाजपा को अपनी ताकत पर गर्व था और जेपी नड्डा ने स्पष्ट रूप से कहा था कि भाजपा को अब संघ के समर्थन की आवश्यकता नहीं है। लेकिन बाद के लोकसभा चुनावों में, 2024 में, भाजपा को नुकसान हुआ और उसकी सीटें 302 से घटकर 270 हो गईं। मोदी की नागपुर यात्रा इस गलती को सुधारने का एक प्रयास था। इस पर नजर रखी जा रही है। यह कोई रहस्य नहीं है कि आरएसएस भाजपा का वैचारिक संरक्षक है। लेकिन अतीत में, भाजपा के पूर्व प्रधानमंत्री और वरिष्ठ नेताओं ने यह सुनिश्चित किया था कि सरकार और आरएसएस के बीच मतभेद रहे। जबकि कई नेताओं ने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि वे आरएसएस के पैदा हुए हैं, उन्होंने सार्वजनिक रूप से इसे स्वीकार नहीं किया है या यह दिखावा नहीं किया है कि उनका राजनीतिक करियर आरएसएस से अलग था। लेकिन मोदी ने उन सभी का बलिदान दिया है और भाजपा और आरएसएस के बीच संबंधों को कभी नहीं छिपाया है। जो प्रधानमंत्री मोदी ,नड्डा की टिप्पणी के बाद दोनों संगठनों के बीच कड़वाहट को कम करने में सफल रहे हैं। मोदी और मोहन भागवत अपनी कड़वाहट भुलाकर अयोध्या में राम मूर्ति स्थापना समारोह में एक साथ मंच साझा कर चुके हैं। कल नागपुर में बोलते हुए मोदी स्वयं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि संघ भारत की राष्ट्रीय संस्कृति का कभी न खत्म होने वाला अक्षय वट वृक्ष है। टीम अब 100 साल मना रही है। मोदी का नागपुर दौरा भी इसी मौके पर था। इसमें कोई संदेह नहीं है कि आरएसएस और भाजपा के बीच की खाई को पाटा जाएगा और लोगों को एक अच्छी सरकार देने के लिए दोनों संगठन फिर से एक साथ आएंगे। मोदी ने संघ की स्थापना की 100वीं वर्षगांठ पर बधाई देते हुए कहा, "संघ भारत की अमर संस्कृति का अमर वट वृक्ष है। अब जब मोदी ने पहल की है, तो यह माना सुरक्षित है कि आरएसएस और भाजपा के बीच की खाई को पाटा जाएगा और उनके संबंध फिर से सामान्य हो जाएंगे। शहर के भाजपा अध्यक्ष बावनकुले यह जोड़ना नहीं भूले कि मोदी की यात्रा राजनीतिक नहीं थी। कहा जाता है कि मोदी ने आरएसएस मुख्यालय का दौरा करके इस खाई को पाट दिया है। जो इन दोनों संगठनों के बीच संबंधों से अवगत नहीं है, कई संदेह पैदा करता है। मोदी कई वर्षों से नागपुर जा रहे हैं लेकिन एक बार भी आरएसएस मुख्यालय नहीं गए हैं। लेकिन जवाब यह है कि मोदी ने रेशम के बगीचे में जाकर सरसंघचालक पंडित गोलवलकर गुरुजी की छवि को सलाम किया। भाजपा और आरएसएस के बीच एक अटूट रिश्ता है और किसी ने इस पर आपत्ति नहीं की। नेता आरएसएस से बने होते हैं और वे इससे इनकार नहीं करते। इसलिए यह कहना कि मोदी ने आरएसएस में शामिल होना छोड़ दिया या आरएसएस संघ से ही दोनों संगठनों के बीच दरार रही है, इन दोनों संगठनों के काम से अवगत न होने जैसा है। मोदी ने अक्सर अपने अंदर के आरएसएस के स्वयंसेवकों को दिखाया है। इसलिए जब मोदी रविवार को नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय पहुंचे तो काफी उत्साह था। दिलचस्प बात यह है कि मोदी ने घूमकर सभी गणमान्य लोगों के दर्शन किए। यह उनकी महानता थी कि उन्होंने अपने अंदर प्रधानमंत्री का टोरा नहीं दिखाया और यह संघ की संस्कृति थी। मोदी के चेहरे पर घर आने का संतोष झलक रहा था। यह आरएसएस के लाखों कार्यकर्ताओं के लिए राहत की बात है। नरेंद्र मोदी के आरएसएस मुख्यालय जाने और गणमान्य व्यक्तियों से मिलने से दोनों संगठनों के बीच अलगाव की भावना को कम करने में मदद मिली है और यह निश्चित रूप से मोदी की यात्रा का परिणाम है। इस सब के उलट विपक्ष ने मोदी की भारी आलोचना की है। प्रधानमंत्री मोदी जब नागपुर पहुंचे तो सियासत का बाजार भी गरम हो गया। इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। जैसे- क्या ये संघ और भाजपा के बीच समन्वय बढ़ाने की रणनीति है, क्या 2029 में प्रधानमंत्री मोदी की भूमिका पर संघ की मुहर लगी? हिंदुत्व की सियासत को और धार देने की योजना है? इस मुलाकात का असर क्या दिल्ली की सत्ता में दिखेगा?शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संघ के मुख्यालय दौरे पर बड़ा दावा किया है। उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा प्रधानमंत्री सितंबर में रिटायर होने की योजना बना रहे हैं और नागपुर में आरएसएस मुख्यालय में उनका हालिया दौरा इसी से जुड़ा हुआ है। उद्धव गुट के नेता और सांसद राउत ने पूछा कि प्रधानमंत्री मोदी आरएसएस मुख्यालय अभी क्यों गए? आज ही उन्हें ये एहसास क्यों हुआ? प्रधानमंत्री मोदी लोगों से केवल सत्ता के लिए जुड़ते हैं। उन्होंने कहा कि संघ अपनी पसंद के व्यक्ति को भाजपा का नया अध्यक्ष बनवाना चाहता है। भाजपा और संघ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद को आरएसएस को बहुत कुछ दिया है। आरएसएस ने लोकसभा चुनाव में योगदान नहीं दिया, इसलिए भाजपा की सीटों की संख्या कम हुई है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामगोपाल यादव ने कहा कि संघ उनका माई बाप है, वहां नहीं जाएंगे तो सुरक्षित नहीं रह सकते। इसलिए, जाना जरूरी है। इसकी शुरुआत तो 2024 लोकसभा चुनावों के दौरान ही हो गई थी। जब अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री मोदी की रिटायरमेंट को लेकर एक रैली में बयान दे दिया। तब खुद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने इसका खंडन किया था। आखिर इस नैरेटिव का मतलब क्या है? भाजपा की ओर से तो कभी इस बात को नहीं कहा गया। तो फिर विपक्ष क्यों नरेंद्र मोदी को रिटायर करना चाहता है? क्या ये प्रधानमंत्री मोदी से मिलते लगातार हार का डर है? आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि 100 साल में आरएसएस का जो इतिहास है, वह सवालों के घेरे में है। प्रधानमंत्री मोदी को और संघ प्रमुख को ये जवाब देना चाहिए कि पिछले 100 साल में आरएसएस का कोई भी प्रमुख दलित, पिछड़ा और आदिवासी क्यों नहीं बना? 100 साल में आधी आबादी की कोई एक महिला संघ की प्रमुख क्यों नहीं बनी?शिवसेना प्रवक्ता साइना एनसी ने कहा कि ने कहा कि उद्धव ठाकरे को आपत्ति क्यों हो रही है? आपको क्या दिक्कत हो रही है? विपक्ष का काम बड़-बड़ करना हो गया है। संजय राउत का मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। वो बक-बक करते ही रहते हैं। कांग्रेस प्रवक्ता आकाश जाधव ने कहा कि ये 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट की बात खुद प्रधानमंत्री मोदी ने ही की थी। एलके आडवाणी और मुरली मनोहर जोशी को जबरदस्ती रिटायर कर दिया गया।

अमित शाह का बजा सियासी बिगुल

कुमार कृष्णन

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने अपने दो दिवसीय बिहार दौरे के क्रम में जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाया, वहीं विपक्ष को विभिन्न मुद्दों को लेकर घेरा। उन्होंने राजद और कांग्रेस को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया तो परिवारवाद को लेकर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री एवं जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख कुमार के आधिकारिक आवास एक अणे मार्ग पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सहयोगियों के साथ इस साल के अंत में प्रस्तावित राज्य विधानसभा चुनाव की रणनीति को लेकर चर्चा की। नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की धुरी रहे हैं।

अमित शाह और शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में यह संकेत साफ हो गया कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का अस्तित्व नीतीश कुमार के बिना अधूरा है। इसीलिए बैठक में तय हुआ कि पूरी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन टीम एकजुट होकर अधिक से अधिक सीटें जीतने की रणनीति पर काम करेगी। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का लक्ष्य इस बार 225 सीटें जीतने का है। बैठक में तय हुआ कि विधानसभा चुनाव से पहले कुछ और साझा चुनावी अभियान चलाए जाएंगे। इस दौरान भाजपा, जदयू, हम और लोजपा रामविलास सहित सभी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के सहयोगी दल मिलकर विपक्ष को घेरेंगे। गौरतलव है कि बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं. इनमें से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने 225 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। बिहार में सामान्य बहुमत से सरकार बनाने के लिए 122 विधायकों की जरूरत होती है, ऐसे में यदि बिहार में एनडीए 225 सीटें जीतने में सफल रहता है तो गठबंधन को दो तिहाई बहुमत हासिल हो जाएगा। बैठक में इस लक्ष्य को कैसे हासिल करना है, इसको लेकर भी मंथन हुआ। इसके साथ ही तय हुआ है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन आक्रामक रणनीति के साथ मैदान में उतरेगा।सुशासन और विकास के मुद्दे पर फोकस रहेगा। पार्टी नेताओं को चुनाव में जीत का मंत्र देते हुए अमित शाह ने कहा कि जो भी कमी है, उसको ताकत में बदलना है। जिन बूथों पर हम हारते हैं या कम वोट आता है, उन बूथों को जीतना है। मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र में यह रणनीति सफल हुई। शाह ने ऐलान किया कि छह अप्रैल को पार्टी स्थापना दिवस और 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती बड़े स्तर पर मनाई जाएगी। बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन का यही स्वरूप रहेगा।

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन बिहार में स्थिर सरकार देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने ये भी कहा कि जंगलराज नहीं आए, इसके लिए संकल्पित होकर बीजेपी काम करेगी. आरजेडी के शासनकाल के जंगलराज के मुद्दे को चुनाव में उठाया जाएगा। अपने दौरे के दौरान अमित शाह ने बिहार के पटना में केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की 800 करोड़ रूपए से अधिक लागत वाली विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। श्री शाह ने कहा कि विपक्षी सरकारों के शासनकाल में बिहार में सहकारिता को पूरी तरह चौपट कर दिया गया था और सैकड़ों चीनी मिलें बंद हो गईं थीं। उन्होंने कहा कि एक ज़माने में बिहार का चीनी उत्पादन देश के चीनी उत्पादन का 30 प्रतिशत से अधिक था जो विपक्षी सरकारों के कार्यकाल में घटकर 6 प्रतिशत से भी कम रह गया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार बिहार में बंद पड़ी चीनी मिलों को पुनर्जीवित करने का काम करेगी।

नेपाल बॉर्डर के मदरसे घुसपैठियों के लिए लांचिंग पैड

संजय सक्सेना

पड़ोसी राज्य नेपाल, भारत और चीन के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी माना जाता है।वैसे तो नेपाल के भारत से हमेशा प्रगाण संबंध रहे हैं,लेकिन पिछले कुछ वर्षो में चीन की भी दखलंदाजी वहां बढ़ी है। चीन के कई प्रोजेक्ट नेपाल में चल रहे हैं। भौगालिक रूप से देखा जाये तो चीन और नेपाल की सीमा 1439 किलोमीटर लम्बी है। वहीं भारत और नेपाल की सीमा की लम्बाई 1751 किलोमीटर है। यह सीमाएं उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम से जुड़ी हुई हैं। सबसे लम्बी सीमा 726 किलोमीटर बिहार से उसके बाद उत्तर प्रदेश से 551 और उत्तराखंड से 275 किलोमीट और पश्चिमी बंगाल से 100 एवं सिक्किम से 99 किलोमीटर तक जुड़ी हैं। कभी यह सीमाएं लगभग पूरी तरह से खुली रहती थीं, लोग आसानी से बिना वीजा और पासपोर्ट के एक-दूसरे देशों में आ जा सकते थे। दोनों देशों के बीच व्यापार करने पर भी कोई प्रतिबंद्ध नहीं था,लेकिन अब हालात काफी बदल गये हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब इन सीमाओं को लांघकर अराजक तत्व और आतंकवादी ताकतें भी भारत में प्रवेश करने लगी हैं। सीमा खुली होने का फायदा उठाकर पाकिस्तानी, बांग्लादेशियों सहित कई देशों के घुसपैठियें और आतंकवादी भारत में आते हैं और यहां आतंक फैलाते हैं। यही वजह है नेपाल और भारत के बीच की सीमा क्षेत्र में सुरक्षा के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ सालों में खासी चिंता देखी गई है। सबसे खास बात यह है कि इन घुसपैठियों और आतंकवादियों के लिये भारत-नेपाल के बार्डर के बार्डर पर बने मदरसे सुरक्षित ठिकाना बन कर उभर रहे हैं। कई मदरसों के तार भारत विरोधी ताकतों के साथ जुडे हुए हैं। नेपाल की सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना और आतंकवादियों का घुसपैठ करने का प्रयास स्थानीय पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ा रहा है। खासकर, 28 फरवरी को काठमांडू में हुई हिंसा ने इस क्षेत्र में तनाव को और बढ़ा दिया है।यह हिंसा सिर्फ नेपाल तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि भारत में भी सुरक्षा के लिहाज से इसे गंभीर माना जा रहा हैं। नेपाल सीमा के पास रहने वाले एक पूर्व शिक्षक का कहना है कि हाल के दिनों में सरहदी क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों का बढ़ना चिंताजनक है। उनका मानना है कि पाकिस्ताान और चीन द्वारा नेपाल सीमा को घुसपैठियों का लॉन्चिंग पैड बनाने की साजिश चल रही है। उनका यह भी कहना है कि कुछ मजहबी शिक्षण संस्थानों में भारत से भागने वाले कुख्यात अपराधियों से लेकर भारत में घुसपैठ करने वाले आतंकवादियों को भी शरण मिल रही है। बीते फरवरी महीने में सीमा से बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा गया था, जिसे नेपाली मदरसे में शरण मिली थी। यह घटना यह साबित करती है कि नेपाल में कुछ जगहें आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह बन चुके हैं। नेपाली सुरक्षा एजेंसी की रिपोर्ट इस बात की पुष्टि करती है कि बांग्लादेश के एक आतंकवादी संगठन जमात-उल-मुजाहिदीन के आतंकवादी को नेपाल के सीमा क्षेत्र में पनाह दी गई थी। इसी तरह, अलकायदा इन इंडियन सब कांटिनेंट (एक्यूआईएस) जैसे अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठन भी नेपाल के बदलते हालात का फायदा उठा सकते हैं। इन संगठनों का लक्ष्य भारत में घुसपैठ कर आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देना हो सकता है। इस संदर्भ में पूर्व आईबी अधिकारी प्रवीण गर्ग का कहना है कि काठमांडू में जो हिंसा हुई, वह नेपाल में राजाबादी आंदोलन को बदनाम करने की एक साजिश हो सकती है। उनके अनुसार, बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद, पाकिस्तान और चीन के सुरक्षा एजेंसियां नेपाल को भी अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। इन दोनों देशों की खुफिया एजेंसियों की नेपाल में सक्रियता इस संभावना को और मजबूत करती है। खासकर इस साल की शुरूआत से इन दोनों देश की एजेंसियों की भारत से सटे नेपाली क्षेत्र में बढ़ी सक्रियता एक गंभीर चिंता का विषय है। चौकाने वाली बात यह भी है कि जो नेपाल कुछ वर्षो तक हिन्दू राष्ट्र होता था,वहां अब शरिया कानून की मांग भी उठने लगी है, जो कि पहले नेपाल के मुसलमानों के लिए एक दूर का ख्वाब था।

लेकिन अब इसे संसद में कुछ मुस्लिम सांसदों द्वारा उठाया गया है, जो इसे नेपाल के लिए एक नई राजनीतिक दिशा के रूप में देख रहे हैं। वैसे मुस्लिमों की बढ़ती आबादी और शरिया कानून की वकालत के बीच हिन्दू संगठन भी एक बार फिर से नेपाल को हिन्दू राष्ट्र घोषित करने की वकालत करने लगे हैं। हालांकि, राजनीति के कई जानकार नेपाल में शरिया कानून की मांग को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर सर्विसेज इंटेलिजेंस द्वारा प्रायोजित किया हुआ कदम बता रहे है, जो नेपाल को राजनीतिक रूप से अस्थिर करने की साजिश का हिस्सा है। नेपाली सीमा पर बढ़ रही इन आतंकी गतिविधियों की ओर इशारा करते हुए आंकड़े भी सामने आए हैं, जो यह साबित करते हैं कि भारत में आतंकवादियों के घुसपैठ के प्रयास बढ़े हैं। बात बार्डर पर चल रहे मदरसों की आतंकवादी गतिविधियों में लिप्तता की कि जाये तो इसके कई केस मिल जाते हैं। इसी वर्ष के शुरूआती महीनों में मटर-धमऊर क्षेत्र के पिलर संख्या 501-6 के पास से एक बांग्लादेशी नागरिक को गिरफ्तार किया गया था, जिसे मदरसा मदीनतुल में शरण मिली थी। इसी तरह, 2024 में हिजबुल मुजाहिद्दीन के तीन आतंकवादी गिरफ्तार हुए थे, जो नेपाली सीमा के पास स्थित एक मदरसे में ठहरे हुए थे। 2020 में पापलुर फ्रंट ऑफ इंडिया के एक ट्रेनिंग कमांडर राशिद को गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल सीमा से सटे मदरसे में सक्रिय था। इस तरह की घटनाएं यह साबित करती हैं कि नेपाल सीमा पर आतंकवादियों की सक्रियता बढ़ रही है, और सुरक्षा एजेंसियों को इसके प्रति सजग रहने की आवश्यकता है।इसके लिये मदरसों के भी पेंच कसना जरूरी है। गौरतलब हो, सुरक्षा एजेंसियों के पास भी नेपाल सीमा से जुड़ी एक लंबी सूची है, जिसमें विभिन्न आतंकवादियों की गिरफ्तारी का जिक्र है।

2015 में पाकिस्तानी वैज्ञानिक डॉ. जावेद को सोनौली बॉर्डर से गिरफ्तार किया गया था, जो नेपाल में ठहरे हुए थे। 2013 में आतंकवादी अब्दुल करीम टुंडा को नेपाल से भारत में घुसने की कोशिश के दौरान पकड़ा गया था, और इसी साल यासीन भटकल भी गिरफ्तार हुआ था। यही नहीं, 2010 में बढ़नी बॉर्डर से इंडियन मुजाहिद्दीन का आतंकवादी सलमान उर्फ छोटू को गिरफ्तार किया गया था, जो एक नेपाली मदरसे में पनाह लिए हुए था। यह घटनाएं दर्शाती हैं कि नेपाल से घुसने वाले आतंकवादियों की संख्या समय के साथ बढ़ी है और सुरक्षा एजेंसियों को इस पर गंभीर ध्यान देने की आवश्यकता है। इसी के चलते भारतीय सुरक्षा बलों ने नेपाल से सटी सीमा पर गश्त बढ़ा दी है और इन क्षेत्रों में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उच्च तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। हालांकि, नेपाल में इन आतंकवादियों की गतिविधियों को लेकर पूरी तरह से नियंत्रण पाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है, क्योंकि नेपाल के अंदर भी कई मदरसे और धार्मिक संस्थान आतंकवादी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन चुके हैं।

सागर, नदियाँ, आकाश सितारे ईश्वर का अहसास कराते

नरेंद्र तिवारी

ईश्वरीय सत्ता के दर्शन प्रकृति से निकटता बनाकर ही सम्भव है। मुझे तो प्रकृति मे ईश्वर की सत्ता का आभास होता है। मै यह सोचकर अचंभित हो जाता हूं की रोज सुबह होती है, रोज शाम होती है, रात भी रोज ही होती है, समय पर यह क्रम बना हुआ है, जो अनवरत चलता रहता है। ठंड, गर्मी, बरसात का सिलसिला भी अनवरत जारी है। नदी, आकाश, सूरज, चंन्द्रमा, तारे, पेड़, जंगल, पहाड़ यह सब ईश्वरीय सत्ता के प्रत्यक्ष प्रमाण है। प्रकृति को ईश्वरीय सत्ता मानने का सबसे अधिक विश्वास किसी संस्कृति मे है तो वह है सनातनी संस्कृति मे जिसमे प्रकृति को ही ईश्वर मानने का विश्वास व्यक्त किया है। सूरज को अर्ध्य, पेड़ो की पूजा, नदियों को वंदन और प्रकृति के आदर का भाव जो भारतीय सनातनी संस्कृति मे दर्शाया गया है, वह दुनियाँ के समक्ष उच्च मापदंड स्थापित करने वाला है। दुनियां बहुत विशाल है, एक मानव के लिये इसे पूर्ण रूप से देख पाना सम्भव भी नहीं दिखाई देता है। किंतु इंसान प्रकृति के निकट पंहुचा है। जल, थल, नभ सभी प्रकृति के विभिन्न रूप है। नदी, जंगल, सागर आकाश, पहाड़ आदि की निकटता मे ईश्वरीय दर्शन का आनुभव किया है। मैंने अपने जीवन मे सागर की यात्रा कुल दो बार की है। मुंबई के गेटवे आफ इण्डिया के सामने से जहाजनुमा बोट मे बैठकर एलीफेंटा की यात्रा का अनुभव है। अरब सागर मे गेटवे आफ इण्डिया से एलीफेंटा की गुफा पहुंचने मे आधा घंटा या इससे कम समय लगता है, किंतु अरब सागर की नीली जलराशि को चिरते हुए हमारी बोट आगे बढ़ी तो प्रकृति की सुंदरता के दर्शन हुए, समुद्र की एक अलग दुनिया है, बोट के किनारे खडे होकर हाथ मे खाने की सामग्री रखकर हाथ ऊपर करते ही सफ़ेद रंग के सेगुल पक्षीयों का झुण्ड आपसे खाने की सामग्री अपनी चोंच मे दबाकर जब फुर्र होता है, तब समुद्री यात्रा के इस पक्ष से परिचित होने का अवसर मिलता है। पक्षीयों का यह समूह लगातार आपकी नाव के चक्कर काटते रहते है, जब तक कोई उन्हें सामग्री खिलाता रहे। सागर की यात्रा का यह पहला अवसर था। इससे पूर्व और बाद मे समुद्र देवता के दर्शन मुंबई, चेन्नई, भेंटद्वारिका और दिव मे करने का शुभावसर प्राप्त हुआ। सागर की लहरों का मचलना और खुद मे सिमटना, प्राकृतिक सुंदरता के दर्शन कराता है। सनातन संस्कृति मे समुन्द्र को देवता के रूप देखा जाता है। वरुण को जल और समुद्र का देवता कहा जाता है। रामायण मे वरुण देवता से भगवान श्रीराम द्वारा मदद मांगी जाने का प्रसंग शामिल है। हिन्दू चिंतन मे समुद्र मंथन की कथा प्रसिद्ध है, जिसमे देवताओं और असुरो ने मिलकर समुद्र मंथन किया था, जिससे अमृत और बहुमूल्य वस्तुएं प्राप्त हुई थी। जल मे सागर के बाद मानवीय सभ्यता के विकास मे नदियों का बड़ा महत्व है। भारत मे नदियों को पूजने की परम्परा भी वैदिककाल से चली आ रही है। गंगा, जमुना, सरस्वती के संगम स्थल प्रयागराज मे दुनियां ने भारतीय संस्कृति के गर्व प्रयागराज महाकुम्भ को देखा, सदियों से नदियों किनारे लगते आ रहे भारतीय संस्कृति के इन कुम्भ मेलों के आयोजनों मे भी नदियों की महत्ता को प्रतिपादित किया है, बारह वर्ष मे लगने वाले चार कुम्भ हरिद्वार गंगा, प्रयागराज त्रिवेणी संगम, नाशिक गोदावरी तट और उज्जैन शिप्रा के तट पर अनेकानेक बरसों से आयोजित होते आ रहे है। सनातन संस्कृति मे नदियों को माता कहकर सम्बोधित किया गया है। नदियों को पवित्र माना जाता है, वें जीवन और मोक्ष का प्रतिक है। जल और अन्न प्रदान करती है। भारत मे सप्तनदी मे गंगा, जमुना, सरस्वती, सिंधु, नर्मदा, गोदावरी और कावेरी शामिल है जिनका हिन्दू पौराणिक ग्रंथो मे उल्लेख है। नदियों मे माँ गंगा के दर्शन का अवसर 5 से अधिक बार मिला ऋषिकेश, हरिद्वार, प्रयागराज और काशी गंगा किनारे यह स्थल आस्था और भक्ति के महत्वपूर्ण केंद्र है, गंगा के तेज बहाव और शीतलता का अनुभव हरिद्वार मे गंगा स्नान के दौरान हुआ, हर की पेड़ी पर हिमालय से अवतरित गंगा के सबसे सुंदर और वैभव शाली रूप के दर्शन होते है। हरिद्वार उत्तराखंड मे है, इस प्रदेश को देव भूमि इसलिए कहा जाता है की यह प्राकृतिक सम्पदाओं से अच्छादित है, अपनी देहरादून और मसूरी की यात्रा के दौरान प्रकृति के निकटता से दर्शन हुए। माँ गंगा के बाद नदियों मे मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी माँ नर्मदा के दर्शन करने का सबसे अधिक बार अवसर मिला, अमरकंटक माँ नर्मदा के उदगम स्थल से जबलपुर मे बेहद सकरी नर्मदा की जलधारा फिर होशंगाबाद अब नर्मदापुरम सेठानी घाट पर माँ के दर्शन स्नान का अवसर महेश्वर का सुन्दर घाट और माँ नर्मदा की कलकल ध्वनिरत धाराएं जो गुजरात राज्य मे प्रवेश से पूर्व एमपी के बड़वानी जिले को पल्लवीत, पुष्पीत और सिंचित करती आ रहीं है। माँ नर्मदा के किनारे स्थित शहर धार्मिक और सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न दिखाई देते है, नदियाँ मानव के विकास मे सहायक है, नदी किनारे स्थित शहर गांव उन्नत खेती से लगातार विकसित होते जा रहे है। पहाड़ो, जंगलो को भी सनातन संस्कृति मे महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

बेरोज़गार की बारात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

शहर के सबसे बड़े चौराहे पर एक अनोखी बारात निकल रही थी। बाराती नाच-गाने में मस्त नहीं थे, बल्कि सरकार की आर्थिक नीतियों पर शोकगीत गा रहे थे। घोड़ी पर सवार दूल्हा, जो दूल्हे से ज़्यादा किसी ठेले वाले की तरह लग रहा था, सिर झुकाए बैठा था। पीछे बेरोज़गारों की लंबी कतार थी—डिग्रियों की माला पहने हुए, आँखों में आँसू, हाथ में रिजेक्ट किए गए रिज़्यूमे और ज़ुबान पर बेरोज़गारी के भजन। रामलाल अपने इकलौते बेटे मुकेश की शादी की तैयारियों में जुटा था। मुकेश ने बी.टेक किया था, एमबीए भी कर लिया, फिर सोचा कि एक और डिग्री ले लेता हूँ, शायद नौकरी मिल जाए। पर डिग्री लेते-लेते उसकी उम्र शादी लायक हो गई और नौकरी वैसे ही अदृश्य थी जैसे सरकारी योजनाओं का लाभ ज़रूरतमंदों के लिए।रामलाल ने समाज में इज्जत बचाने के लिए सोचा—चलो शादी करा देते हैं, कम से कम बेरोज़गारी की इस महामारी में बहू आ जाएगी तो थोड़ा ध्यान बंट जाएगा।लेकिन समाज बेरोज़गारी को पचाने के लिए तैयार नहीं था। लड़की के बाप ने सीधा सवाल ठोक दिया-नौकरी क्या करते हो? मुकेश ने एक लंबी साँस ली और जवाब दिया-इंतज़ार। लड़की का बाप चौंका-किस चीज़ का?सरकारी नौकरी का। बात वहीं खत्म हो गई। शादी का प्रस्ताव रिजेक्ट हो गया। बेरोज़गारी की बेरहम दुनिया में रिश्ता ढूँढना किसी सरकारी टेंडर पास करवाने से भी मुश्किल काम था।रामलाल ने रिश्तेदारों से बात की। जवाब मिला-भाई, अब जमाना बदल गया है। अब दहेज लड़के को नहीं, नौकरी वाले को मिलता है। अगर तुम्हारा बेटा नौकरी में होता, तो लड़की के बाप से चार पहिये माँग सकता था, पर अब तो तुम्हें खुद स्कूटी देनी पड़ेगी। रामलाल का माथा ठनक गया। उसने मुकेश को बुलाया-बेटा, कोई भी नौकरी पकड़ ले! प्राइवेट, पार्ट-टाइम, तंबू लगाने का ही काम कर ले, लेकिन नौकरी नाम की कोई चीज़ दिखे तो सही। मुकेश ने रोते हुए कहा-पापा, मैंने पचास जगह इंटरव्यू दिए, सौ जगह आवेदन किया। रिजल्ट सबका एक जैसा-'इस बार नहीं, अगली बार सही'।रामलाल समझ गया कि लड़के की शादी तो अब नौकरी के बिना होनी मुश्किल है। तभी पड़ोस के शर्मा जी ने उपाय सुझाया-बेरोज़गार लड़कों के लिए एक स्पेशल ग्रुप बना है, वहाँ जाओ। वहाँ से बारात निकलेगी और सरकार को चेतावनी मिलेगी। बस, फिर क्या था! देखते ही देखते बेरोज़गारों की बारात तैयार हो गई।

सूर्य करते हैं माता लक्ष्मी के चरण स्पर्श

क्या है कोल्हापुर में मौजूद शक्ति पीठ मंदिर का महत्व

7वीं शताब्दी में चालुक्य के राजा कर्णदेव ने माता लक्ष्मी के इस मंदिर का निर्माण करवाया था।

श्री महालक्ष्मी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक माना जाता है। माता लक्ष्मी का मंदिर महाराष्ट्र के कोल्हापुर में स्थित है, जिसकी दूरी मुंबई से 400 कि.मी है। पुराणों के अनुसार शक्ति पीठों में मां शक्ति उपस्थित होकर भक्तों की मनोकामना पूरी करती हैं। ये शक्ति पीठ इसलिए प्रख्यात है क्योंकि माना जाता है कि इस मंदिर में जो भक्त इच्छा लेकर आता है वो पूर्ण हो जाती है। इस मंदिर को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी का निवास स्थान माना जाता है। स्थानीय लोग इस मंदिर को अम्बा माता का मंदिर कहकर पुकारते हैं। इस मंदिर में सूर्य माता लक्ष्मी के चरण स्पर्श करके निकलते हैं।

माना जाता है कि मंदिर में माता लक्ष्मी की मूर्ति के प्रत्येक हिस्से की सूर्य की किरणे अलग-अलग दिन दर्शन करती हैं। मंदिर की पश्चिमी दीवार पर एक खिड़की है जिसमें से सूर्य की रौशनी आती है और माता की मूर्ति को स्पर्श करती है। रथ सप्तमी के दिन सूर्य देव माता लक्ष्मी के चरण छूते हैं। हर वर्ष जनवरी माह में ऐसा होता है। इस विशेष दिन का पर्व तीन दिनों तक मनाया जाता है। पर्व के सबसे पहले दिन सूरज की किरणें माता लक्ष्मी के चरण स्पर्श करती हैं। दूसरे दिन मध्य भाग को छूती हैं और तीसरे दिन माता लक्ष्मी के चेहरे को रौशन करती हैं। इसी के साथ हिंदू धर्म में मंदिरों में अधिकतर देवी-देवता पूर्व या उत्तर दिशा में देख रहे होते हैं लेकिन इस मंदिर में माता लक्ष्मी का चेहरा पश्चिम दिशा की तरफ है। इस मंदिर का निर्माण प्राचीन काल से माना जाता है। 7वीं शताब्दी में चालुक्य के राजा कर्णदेव ने मंदिर का निर्माण करवाया था। ये निर्माण अधूरा था जिसे 9वीं शताब्दी में पूरा किया गया था। आज ये मंदिर 27 हजार वर्ग फुट में फैला हुआ है। ये मंदिर करीब 45 फीट ऊंचा है और मंदिर में स्थापित माता लक्ष्मी की मूर्ति 4 फीट ऊंची और 7 हजार वर्ष पुरानी मानी जाती है। मंदिर में एक दीवार में श्री यंत्र पत्थर पर खोद कर बनाया गया है। देवी की मूर्ति के पीछे देवी के वाहन शेर की एक पत्थर पर मूर्ति बनी हुई है। इस मंदिर में आदि गुरु शंकराचार्य ने माता लक्ष्मी की मूर्ति में प्राण-प्रतिष्ठा की थी।

मुंबा देवी के नाम पर ही पड़ा मुंबई का नाम

हर दिन यहां बदला जाता है देवी का वाहन; मंदिर बंद होने के बावजूद दुर्गाष्टमी पर भव्य श्रृंगार

देवी की आराधना के पर्व नवरात्र का आज आठवां दिन है। दुर्गाष्टमी के मौके पर मुंबई के प्रसिद्ध मुंबा देवी मंदिर में हर साल भव्य उत्सव आयोजित होता रहा है, लेकिन कोरोना लॉकडाउन ने इस बार स्थिति बदल दी है। आज मंदिर के बाहर न तो भक्तों की लंबी कतार देखने को मिली और न ही मंदिर के अन्दर भारी भीड़। हालांकि, देवी का श्रृंगार और आरती विधिवत ढंग से मंदिर के पुजारियों की ओर से की गई। भक्तों के लिए लाइव स्ट्रीमिंग की व्यवस्था मंदिर की ओर से की गई है।

मुंबा देवी मुंबई की 'ग्रामदेवी' है इसलिए मुंबई निवासी हर शुभ कार्य में सबसे पहले उन्हें ही याद करते हैं। देश की इकॉनामिकल कैपिटल मुंबई को ये नाम देवी 'मुंबा' के नाम पर ही मिला है। पौराणिक ग्रंथों के मुताबिक मुंबा देवी को लक्ष्मी का रूप भी माना जाता है। लिहाजा मुंबई को लक्ष्मी का घर भी कहा जाता है। यहां के मछुआरा समाज का मानना है कि समुद्र में आने वाली हर बाधा से वे ही उन्हें सुरक्षित रखती हैं।

हर दिन बदलता है देवी का वाहन मुंबादेवी का वाहन हर रोज बदला जाता है। सोमवार को नंदी, मंगलवार हाथी, बुधवार मुर्गा, गुरूवार गरुड़, शुक्रवार हंस, शनिवार हाथी, रविवार सिंह आदि वाहनों पर मुंबा देवी विराजमान होती है। सभी वाहन चांदी में बनाए गए हैं।

पहले विक्टोरिया टर्मिनस की जगह था यह मंदिर यह मंदिर अपने मूल रूप में उस जगह बना था, जहां आज विक्टोरिया टर्मिनस बिल्डिंग है। इसे 1737 में बनाया गया था। बाद में अंग्रेजों के शासन के दौरान मंदिर को मैरीन लाइन्स-पूर्व क्षेत्र में बाजार के बीच में स्थापित किया गया। उस समय मंदिर के तीन ओर एक बड़ा तालाब था, जो अब पाट कर बराबर कर दिया गया है। इस मंदिर की भूमि पांडु सेठ ने दान की थी। शुरू में मंदिर की देखरेख भी उन्हीं का परिवार करता था। बाद के वर्षों में मुंबई हाईकोर्ट के आदेश के मुताबिक, मुंबा देवी मंदिर न्यास की स्थापना की गई। अब भी मंदिर न्यास ही इसकी देखरेख करता है। बेहद आकर्षक है मुंबा देवी मंदिर मुंबा देवी का मंदिर अत्यंत आकर्षक है। इसमें स्थापित माता की मूर्ति भी काफी भव्य है। यहां मुंबा देवी की नारंगी चेहरे वाली रजत मुकुट से सुशोभित मूर्ति स्थापित है। न्यास ने यहां अन्नपूर्णा और माता जगदंबा की मूर्तियां भी मुंबा देवी की अगल-बगल स्थापित करवाई थीं। मुंबा देवी मंदिर में हर दिन 6 बार आरती की जाती है। वैसे तो मंदिर में भक्तों की भीड़ हर रोज होती है, पर मंगलवार को यहां लोगों का सैलाब उमड़ आता है।

सबसे ज्यादा दौलतमंद लोग रहते हैं यहां मान्यता के मुताबिक देवी लक्ष्मी, 'समुद्र' की बेटी है। यही वजह है कि समुद्र किनारे बसे शहरों में संपत्ति, धन, एश्वर्य और संपदा हमेशा से बनी रही है। धन को 'माया' भी कहा गया है, यही वजह है कि मुंबई को 'मायानगरी' भी कहा जाता है। मुंबई भारत का सबसे रईस शहर है। यहां भारत के सबसे ज्यादा दौलतमंद लोग रहते हैं, जबकि यह दुनिया का सातवां ऐसा शहर है, जहां सबसे रईस लोग रहते हैं। भारत के वेस्ट कोस्ट पर स्थित और महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई देश का एकमात्र ऐसा शहर है, जिसका देश की इकॉनमी में सबसे बड़ा रोल है। यह देश की जीडीपी में 5 फीसदी का कॉन्ट्रीब्यूशन देता है।

तकरीबन 3 करोड़ से ज्यादा आबादी वाले इस शहर से देश के समुद्री कारोबार का 40 फीसदी होता है। इसके अलावा देश का 70 फीसदी कैपिटल लेन-देन भी यहीं से होता है। पूरे देश से इकट्ठा होने वाले इन्कम टैक्स का 30 फीसदी हिस्सा केवल मुंबई से आता है।

श्री रेणुका माता मंदिर, माहुर महाराष्ट्र

श्री रेणुका माता मंदिर, जिसे रेणुका देवी मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, एक प्राचीन मंदिर है जिसका धार्मिक महत्व बहुत अधिक है। यह मंदिर माहुर त्रिमूर्ति मंदिरों का हिस्सा है, जिसमें देवी रेणुका, भगवान दत्तात्रेय और अनसूया माता को समर्पित मंदिर शामिल हैं। ऐसा माना जाता है कि यह 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहाँ देवी सती के शरीर के अंग गिरे थे, जिससे यह हिंदुओं के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल बन गया। हजूर साहिब गुरुद्वारा नांदेड़ के प्रसिद्ध पवित्र सिख तीर्थ स्थल वाले नांदेड जिले के एक छोटे से शहर माहुर में स्थित है। माहुर अपने शांत वातावरण के लिए जाना जाता रेणुका मंदिर है और यह पहाड़ियों और घने जंगलों से घिरा हुआ है, जो मंदिर के आध्यात्मिक माहौल को और भी बढ़ा देता है।

श्री रेणुका माता मंदिर के खुलने का समय और प्रवेश शुल्क

समयः मंदिर प्रतिदिन प्रातः 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक भक्तों के लिए खुला रहता है।

प्रवेश शुल्कः श्री रेणुका माता मंदिर में प्रवेश के लिए कोई शुल्क नहीं है।

श्री रेणुका माता मंदिर तक कैसे पहुंचें

माहुर तक हवाई, रेल और सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है, जिससे यात्रियों को कई विकल्प मिलते हैं।

हवाईजहाज सेः निकटतम हवाई अड्डा नांदेड़ हवाई अड्डा (श्री गुरु गोबिंद सिंह जी हवाई अड्डा) है, जो माहुर से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित है। नांदेड़ हवाई अड्डे से मुंबई और दिल्ली जैसे प्रमुख शहरों के लिए नियमित उड़ानें हैं।

नांदेड़ हवाई अड्डे से आप माहुर तक पहुंचने के लिए टैक्सी किराये पर ले सकते हैं या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग कर सकते हैं।

रेल द्वाराः निकटतम रेलवे स्टेशन किनवट रेलवे स्टेशन है, जो माहुर से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित है। किनवट मुंबई और हैदराबाद जैसे प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है।

किनवट रेलवे स्टेशन से आप माहुर पहुंचने के लिए टैक्सी या बस ले सकते हैं।

सड़क द्वाराः माहुर सड़क मार्ग से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। नियमित बस सेवाएं और निजी वाहन माहुर को नांदेड़, किनवट और पुसाद जैसे नजदीकी शहरों से जोड़ते हैं।

यदि आप नांदेड़ से गाड़ी चला रहे हैं, तो नांदेड़-किनवट रोड से माहुर की ओर जाएं, जिससे आपको लगभग 120 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी।

श्री रेणुका माता मंदिर में करने योग्य गतिविधियाँ

दर्शन और पूजाः देवी रेणुका से प्रार्थना करें और आशीर्वाद लें। मंदिर में अभिषेकम और आरती सहित विभिन्न पूजा सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

मंदिर की जटिल नक्काशी और पारंपरिक स्थापत्य शैली की प्रशंसा करें। विस्तृत कलाकृतियाँ क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती हैं।

ध्यान और आध्यात्मिक अभ्यासः

मंदिर के शांत वातावरण में ध्यान और आध्यात्मिक अभ्यास करें। शांत वातावरण आत्मनिरीक्षण और आध्यात्मिक विकास के लिए आदर्श है।

त्यौहारों में भाग लेंः

नवरात्रि, चैत्र नवरात्रि और आश्विन नवरात्रि जैसे प्रमुख त्यौहारों के दौरान जीवंत उत्सव का अनुभव करें। मंदिर भक्ति गतिविधियों, जुलूसों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से जीवंत हो उठता है।

श्री रेणुका माता मंदिर के निकटतम पर्यटन स्थल

श्री रेणुका माता मंदिर के दर्शन करते समय, इन आस-पास के आकर्षणों को देखने पर विचार करेंः

भगवान दत्तात्रेय मंदिरः

माहुर में एक अन्य पहाड़ी पर स्थित यह मंदिर भगवान दत्तात्रेय को समर्पित है और यहां से आसपास के परिदृश्य का अद्भुत दृश्य दिखाई देता है।

अनसूया माता मंदिरः

रेणुका माता मंदिर के निकट स्थित यह मंदिर भगवान दत्तात्रेय की माता अनसूया माता को समर्पित है।

माहुर किलाः

माहुर में स्थित एक प्राचीन किला, जो क्षेत्र की ऐतिहासिक जानकारी और मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है।

नांदेड़ किलाः

माहुर से लगभग 120 किलोमीटर दूर स्थित यह किला क्षेत्र के इतिहास की झलक प्रस्तुत करता है तथा शहर का विहंगम दृश्य प्रस्तुत करता है।

सहस्त्रकुंड झरना

माहुर से लगभग 60 किलोमीटर दूर स्थित यह झरना एक खूबसूरत प्राकृतिक आकर्षण है, खासकर मानसून के मौसम में।

माहुर से लगभग 150 किलोमीटर दूर स्थित कंधार किला एक प्राचीन किला है जो अपने ऐतिहासिक महत्व और वास्तुशिल्पीय उत्कृष्टता के लिए जाना जाता है।

श्री रेणुका माता मंदिर का महत्व और इतिहास

श्री रेणुका माता मंदिर शक्तिपीठों में से एक है, जहाँ हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार देवी सती के शरीर के अंग गिरे थे।

ऐसा माना जाता है कि भगवान परशुराम की माता देवी रेणुका यहाँ निवास करती थीं, जिससे यह एक महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल बन गया।

यह मंदिर माहुर त्रिमूर्ति का हिस्सा है, जिसमें भगवान दत्तात्रेय और अनसूया माता के मंदिर शामिल हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, माहुर भगवान दत्तात्रेय का जन्मस्थान है, जो ब्रह्मा, विष्णु और शिव की त्रिमूर्ति हैं। माहुर शहर अपने आप में प्राचीन इतिहास और आध्यात्मिक विद्या से भरा हुआ है, जो इसे आध्यात्मिक शांति और आशीर्वाद चाहने वाले भक्तों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनाता है। मंदिर का ऐतिहासिक महत्व इसकी वास्तुकला की खूबसूरती और सांस्कृतिक विरासत से और भी बढ़ जाता है।

मंदिर की जटिल नक्काशी और पारंपरिक डिजाइन इस क्षेत्र की समृद्ध शिल्पकला को दर्शाते हैं।

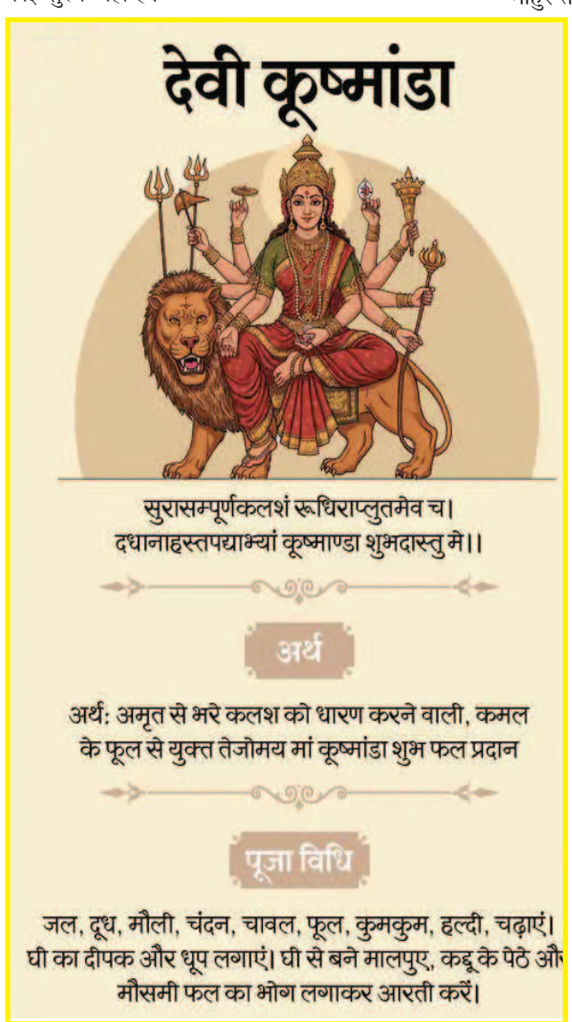

जावर माता का बेहद चमत्कारी मंदिर !

दक्षिणी राजस्थान के प्रमुख शक्तिपीठों में से एक जावर माता मंदिर लोगों की आस्था का केंद्र है। यह मंदिर न केवल धार्मिक आस्था से जुड़ा हुआ है, बल्कि इसके साथ एक ऐतिहासिक और भौगोलिक विशेषता भी जुड़ी हुई है। उदयपुर से करीब 35 किलोमीटर दूर जावर गांव में स्थित यह मंदिर चांदी के अकूत भंडार पर विराजित है। यही कारण है कि राजस्थान से लेकर गुजरात तक जावर माता की महिमा प्रसिद्ध है।

चांदी के भंडार पर विराजमान जावर माता

जावर गांव अपनी प्राकृतिक संपदा और धातु खनन के लिए प्रसिद्ध है। कहा जाता है कि यहां करीब ढाई हजार साल से खनन किया जा रहा है और यह क्षेत्र चांदी व जस्ते की खदानों से समृद्ध है। चमत्कारिक रूप से, व जावर माता की कृपा से खनन कार्य के कारण भूमि एक किलोमीटर गहरी खुद चुकी है, लेकिन फिर भी गांव पूरी तरह सुरक्षित बना हुआ है। मंदिर की सबसे अनूठी विशेषता देवी की मूर्ति है। दरअसल जहां आमतौर पर महिषासुर मर्दिनी का स्वरूप उग्र अवस्था में दिखाया जाता है, वहीं जावर माता शांत स्वरूप में विराजित हैं। भक्तों को इस मंदिर में दर्शन करने से मानसिक शांति और आध्यात्मिक शक्ति मिलती है। कहा जाता है कि यहां आने वाले श्रद्धालु जो भी प्रार्थना करते हैं, माता उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करती है।

मंदिर बनाने में लगे 100 वर्ष

इतिहासकारों के अनुसार, जावर गांव में मिट्टी भी धातुओं से मिश्रित है, जिससे प्राचीन समय से यहां खनन के प्रमाण मिलते हैं। यह मंदिर उदयपुर शहर की स्थापना से भी पहले दसवीं शताब्दी में इडर रियासत के राजा द्वारा बनवाया गया था। मंदिर के अंदर मौजूद शिलालेख इस बात के प्रमाण हैं कि इसे बनाने में लगभग 100 वर्ष लगे। आपको बता दें, जब महाराणा उदय सिंह ने उदयपुर शहर बसाया, तब मेवाड़ के शासकों ने भी जावर माता की विशेष पूजा-अर्चना की और इस मंदिर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए।

चैत्र नवरात्रि में भक्तों की उमड़ती है भीड़

विशेष रूप से चैत्र नवरात्रि के दौरान यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। श्रद्धालु दूर-दूर से आकर माता के चरणों में शीश झुकाते हैं और अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना करते हैं। चैत्र नवरात्र में मंदिर को भव्य रूप से सजाया जाता है, विशेष पूजन और जागरण का आयोजन किया जाता है। जावर माता मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं बल्कि इतिहास, संस्कृति और चमत्कार का संगम है। भक्तों की मान्यता है कि जो भी यहां सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसकी झोली माता भर देती हैं। नवरात्रि के अवसर पर इस दिव्य स्थल पर आकर भक्त अपनी श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं और माता जावर वाली की कृपा प्राप्त कर सकते हैं।

फवाद खान की बॉलीवुड वापसी पर एमएनएस का विरोध

'अबीर गुलाल' को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं करने की दी धमकी, फिल्म पर संकट

पाकिस्तानी एक्टर फवाद खान बॉलीवुड में आठ साल बाद वापसी कर रहे हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'अबीर गुलाल' का टीजर आज (1 अप्रैल) रिलीज हुआ है, जिसे लेकर फैंस के बीच उत्साह का माहौल है। हालांकि, जैसे ही फिल्म के रिलीज होने की जानकारी सामने आई, महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने इसका विरोध करना शुरू कर दिया है और फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज न करने की धमकी दी है।

एमएनएस का विरोधः 'अबीर गुलाल' को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं करने की धमकी

एमएनएस के प्रवक्ता अमेय खोपकर ने कहा, 'हमें आज ही इस फिल्म के रिलीज की जानकारी मिली, जब फिल्म के मेकर्स ने इसका ऐलान किया। लेकिन हम साफ तौर पर यह कह रहे हैं कि हम इस फिल्म को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने देंगे, क्योंकि इसमें पाकिस्तानी एक्टर की मौजूदगी है। हम किसी भी हाल में ऐसी फिल्मों को महाराष्ट्र में रिलीज नहीं होने देंगे। हम इस फिल्म से जुड़ी और भी जानकारी जुटा रहे हैं और फिर इस पर अपना पूरा बयान सामने रखेंगे।'

पाकिस्तानी एक्टर्स को हिंदुस्तान में काम करने के बजाय अपने ही देश में काम करना ज्यादा फायदेमंदः संजय निरुपम, शिवसेना के वरिष्ठ नेता

शिवसेना के वरिष्ठ नेता संजय निरुपम ने फवाद खान की फिल्म के बारे में कहा, 'भारत में पाकिस्तान से बड़े पैमाने पर नफरत है। जब पाकिस्तान से कोई फिल्म रिलीज होती है, तो भारतीय लोग उसे देखना पसंद नहीं करते। एक-आध फिल्म को एक मिनट के लिए देखने की बात अलग है, लेकिन पाकिस्तान के आर्टिस्ट की फिल्में भारतीय ऑडियंस में ज्यादा पॉपुलर नहीं हो पातीं। इसीलिए पाकिस्तान के स्टार्स कभी भी भारत में सफल नहीं हो पाए।

मैं तो पाकिस्तानियों को यह सलाह दूंगा कि हिंदुस्तान के मार्केट को एक्सप्लोर करने से बेहतर है कि वे अपने ही देश में काम करें।

अगर केंद्रीय सरकार ने कोई नीति बनाई है, तो उसे लागू किया जाना चाहिए। मैं यह मानता हूं कि पाकिस्तान की फिल्मों के भारत में आने या न आने का फैसला सरकार को करना चाहिए। पाकिस्तान के कलाकारों को भारत में काम करने की अनुमति मिलनी चाहिए या नहीं, यह भी सरकार का ही निर्णय होना चाहिए।'

फवाद खान की पिछली फिल्म 'द लिजेंड ऑफ मौला जट्ट' को भी हुआ था एमएनएस का विरोध

फवाद खान की वापसी से पहले उनकी फिल्म 'द लीजेंड ऑफ मौला जट्ट' को लेकर भी काफी विवाद हुआ था। इस फिल्म की भारत में रिलीज को लेकर एमएनएस ने विरोध किया था और राज ठाकरे ने यह कहकर इसका विरोध किया था कि वह महाराष्ट्र में पाकिस्तानी कलाकार की कोई भी फिल्म रिलीज नहीं होने देंगे। अब 'अबीर गुलाल' के साथ भी वही कहानी दोहराई जा रही है।

फवाद खान और वाणी कपूर स्टारर इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म का टीजर मंगलवार को जारी किया गया। इस टीजर में फवाद को वाणी कपूर के सामने अपना सिंगिंग टैलेंट दिखाते हुए देखा जा सकता है। यह सीन लंदन की बारिश में ट्रैफिक जाम में फंसी एक कार में फिल्माया गया है। टीजर के अंत में वाणी फवाद से पूछती हैं, 'क्या तुम मुझसे फ्लर्ट कर रहे हो?' जवाब में फवाद कहते हैं, 'क्या तुम चाहती हो?'

मलाइका अरोड़ा के घर अनजान लड़की, बैग में कैंची

एक्ट्रेस बोलीं- डर गई थी, फैन का तरीका अजीब था, समझ नहीं आया कैसे पहुंची

बॉलीवुड में एक्ट्रेस के दीवाने फैंस होना आम बात है, लेकिन क्या हो जब कोई अजनबी बिना बताए आपके घर के अंदर पहुंच जाए?

ऐसा ही कुछ मलाइका अरोड़ा के साथ हुआ। जब वह अचानक अपने लिविंग रूम में एक अनजान लड़की को बैठा देखकर हैरान रह गईं। सबसे डरावनी बात यह थी कि उसके बैग में एक कैंची भी थी। इस इंसिडेंट को मलाइका ने खुद साझा किया।

लिविंग रूम में बैठी मिली अनजान लड़की

बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में मलाइका ने बताया, 'मैं ऊपर कमरे में तैयार हो रही थी। जब नीचे आई तो देखा कि एक लड़की मेरे लिविंग रूम में बैठी थी। मुझे समझ ही नहीं आया कि ये कौन है और यहां तक कैसे पहुंची। कोई अंदाजा नहीं था, कुछ पता नहीं था, बस वो बैठी थी।'

बैग में निकली कैंची, डर गईं मलाइका

आगे उन्होंने कहा, 'जब मैंने गौर किया, तो देखा कि उसके बैग में कैंची जैसी कोई चीज थी। मुझे सच में थोड़ा डर लगा। फिर समझ आया कि यह मेरी बहुत बड़ी फैन है, लेकिन तरीका कुछ अजीब था। मैंने खुद को शांत रखा और हालात को संभालने की कोशिश की।'

अभी किन प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं मलाइका

फिल्मों से दूर रहने के बावजूद मलाइका लगातार सुर्खियों में बनी रहती हैं। वह रियलिटी शोज की पसंदीदा जज हैं और फिटनेस के फील्ड में भी बड़ी प्रेरणा मानी जाती हैं। इसके अलावा, वह फैशन और लाइफस्टाइल से जुड़े कई ब्रांड्स का हिस्सा हैं। हाल ही में उनका नया रेस्टोरेंट शुरू हुआ, जिससे वह बिजनेस की दुनिया में भी मजबूत पकड़ बना रही हैं।

मलाइका की पर्सनल लाइफ भी अक्सर चर्चा में रहती है। अर्जुन कपूर के साथ उनका रिश्ता काफी समय तक सुर्खियों में रहा, लेकिन अब दोनों के रास्ते अलग हो चुके हैं। फिलहाल, मलाइका अपनी जिंदगी और करियर पर पूरा ध्यान दे रही हैं।

वेटरन एक्टर धर्मेंद्र की आंखों की हुई सर्जरी

पट्टी लगाकर अस्पताल से निकलते हुए दिखे फैंस के लिए कहा- अभी मुझमें बहुत दम है

89 साल के दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र की आंखों की सर्जरी में हुई है। हाल ही में उन्हें मुंबई के एक अस्पताल से बाहर आते हुए देखा गया, जिसका एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो में धर्मेंद्र यह कहते हुए नजर आ रहे हैं, 'मुझमें बहुत दम है। अभी भी जान रखता हूं मैं।' हालांकि, इस वीडियो को देखने के बाद उनके फैंस अपने पसंदीदा एक्टर के लिए काफी परेशान हो गए हैं।

वायरल वीडियो में आप देख सकते हैं कि धर्मेंद्र एक बिल्डिंग से बाहर निकल रहे हैं। इस दौरान उनकी आंखों पर बंधी पट्टी ने हर किसी का ध्यान खींच लिया। इसी दौरान पैपराजी ने उनसे पूछा कि तबीयत कैसी है? इस पर उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि वह स्ट्रॉन्ग हैं।

धर्मेंद्र को आखिरी बार शाहिद कपूर, कृति सेनन स्टारर फिल्म 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' में देखा गया था। इसके अलावा 2023 में करण जौहर की कॉमेडी-रोमांटिक फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में भी अहम भूमिका में नजर आए थे।

अपने नाम में बदलाव करेंगे अल्लू अर्जुन ?

ज्योतिष के हिसाब से जुड़ेंगे नए अक्षर, क्या है पीछे की कहानी

साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन इन दिनों सुर्खियों में हैं। इसकी वजह है उनका नाम। खबरों के मुताबिक, एक्टर अपने नाम में बदलाव करने के बारे में सोच रहे हैं और वे अपने नाम में कुछ और अक्षर जोड़ना चाहते हैं। हालांकि, इस मामले में अब तक उनकी तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

कोइमोई और सिने जोश की रिपोर्ट्स के मुताबिक, अल्लू अर्जुन अंक ज्योतिष की सलाह पर अपने नाम में दो 'यू' और दो 'एन' जोड़ने पर विचार कर रहे हैं, ताकि उन्हें करियर में और भी ज्यादा सफलता मिले।

पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक, अल्लू अर्जुन जल्द ही डायरेक्टर एटली की फिल्म में नजर आएंगे। अस्थायी रूप से इस फिल्म का नाम एए22 रखा गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म की घोषणा अल्लू अर्जुन के जन्मदिन (8 अप्रैल) पर की जा सकती है। इसके अलावा एक्टर और निर्देशक त्रिविक्रम श्रीनिवास के साथ अल्लू अर्जुन एक पौराणिक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। यह उनकी साथ में चौथी फिल्म है और चर्चा है कि वे इस फिल्म में भगवान कार्तिकेय की भूमिका निभा सकते हैं।

आलु अर्जुन की फिल्म पुष्पा 2 साल 2024 की सबसे बड़ी हिट फिल्म साबित हुई है। दिसंबर में रिलीज हुई इस फिल्म ने अब तक 1700 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया है। आलु अर्जुन की इस फिल्म का बजट 400 करोड़ रुपए था।

एल 2 एम्पुरान को बैन करने की मांग खारिज

भाजपा नेता ने केरल हाईकोर्ट में दायर की थी याचिका, कोर्ट ने बताया पब्लिसिटी स्टंट

मलयालम एक्टर मोहन लाल और पृथ्वीराज सुकुमारन की फिल्म 'एल2 एम्पुरान' विवादों में घिर गई है। केरल हाईकोर्ट में बीजेपी नेता वीवी विजेश ने एक रिट याचिका दायर कर फिल्म को बैन करने की मांग की थी। हालांकि, कोर्ट ने उनकी याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने याचिका को खारिज करते हुए इसे पब्लिसिटी स्टंट बताया।

वीवी विजेश बीजेपी त्रिशूर जिला समिति के सदस्य हैं। उन्होंने फिल्म में गोधरा कांड के बाद हुए सांप्रदायिक दंगों के दिखाने आपत्ति जताई थी। याचिका में कहा कि इससे सांप्रदायिक हिंसा भड़कने का खतरा है। बता दें कि 27 मार्च को फिल्म के रिलीज हुई थी। उसी दिन संघ परिवार ने सोशल मीडिया पर फिल्म की कड़ी आलोचना की थी। इसके बाद मोहनलाल ने फेसबुक पोस्ट के जरिए खेद जताया और कहा कि आपत्तिजनक हिस्से हटा दिए जाएंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म को फिर से एडिट किया है। हालांकि याचिकाकर्ता ने मोहनलाल के बयान को जनता को फिल्म देखने के लिए मजबूर करने का एक मार्केटिंग एजेंडा करार दिया है।

याचिकाकर्ता ने कहा कि फिल्म में रक्षा मंत्रालय के बारे में ऐसी टिप्पणियां की गई हैं, जो इसकी विश्वसनीयता और अखंडता को नुकसान पहुंचाएंगी। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि फिल्म से सांप्रदायिक हिंसा भड़कने का खतरा है।

याचिकाकर्ता ने अपने आरोप में आगे कहा कि फिल्म के डायरेक्टर पृथ्वीराज को अपनी फिल्मों के जरिए एनडीए सरकार को निशाना बनाकर उसकी छवि खराब करने की आदत है। यह भी आरोप लगाया गया कि फिल्म के निर्माता एंटनी पेरुम्बवूर और गोकुलम गोपालन विदेशी फंडिंग के लिए ईडी की जांच के दायरे में हैं।

फिल्म के जिस सीन को लेकर विवाद चल रहा था, उसे फिल्म से हटा दिया गया है। कोच्चि में पत्रकारों से बात करते हुए फिल्म के प्रोड्यूसर पेरुम्बवूर ने कहा कि एडिट का फैसला मोहनलाल और पृथ्वीराज सुकुमारन सहित सभी प्रोड्यूसर का था। और यह किसी के डर से नहीं लिया गया था।

पेरुम्बवूर ने कहा- 'डरने की कोई बात नहीं है। हम एक समाज में रहते हैं। हमारा कभी भी ऐसा कुछ करने का इरादा नहीं था, जिससे किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचे। अगर कोई फिल्म से नाखुश है तो फिल्म के प्रोड्यूसर, डायरेक्टर और एक्टर होने के नाते हम सबकी जिम्मेदारी है कि हम उसकी शिकायत दूर करें।'

इंडियाज गॉट लेटेंट विवादः अलाहबादिया को नहीं मिलेगा पासपोर्ट

एससी ने कहा- ट्रैवल की परमिशन दी तो जांच पर असर, दो हफ्ते बाद अगली सुनवाई

इंडियाज गॉट लेटेंट विवाद में पॉडकास्टर रणवीर अलाहबादिया की याचिका पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। रणवीर ने अपने खिलाफ दर्ज अलग-अलग एफआईआर को एक जगह क्लब करने की मांग की थी।

इस पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की बेंच ने सुनवाई की। अलाहबादिया की तरफ से वकील अभिनव चंद्रचूड़ कोर्ट में उनका पक्ष रखा। चंद्रचूड़ ने कोर्ट से उनका पासपोर्ट जमा करने से जुड़ी शर्त में छूट देने की मांग की।

बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से जांच की स्टेट्स रिपोर्ट मांगी। इसके जस्टिस सूर्यकांत ने कहा अगर अलाहबादिया को जल्दी-जल्दी ट्रैवल करने की परमिशन दी जाती है तो इससे जांच प्रभावित होगी। जब जरूरत होगी तो आप वहां नहीं होंगे।

अलाहबादिया के वकील ने कहा कि देश-विदेश की बड़ी पर्सनैलिटी का इंटरव्यू करना ही उनकी आजीविका है। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि उम्मीद है जांच दो हफ्ते में पूरी कर लेंगे। इसलिए अगली सुनवाई दो हफ्ते बाद होगी।

समय रैना के शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' रणवीर अलाहबादिया ने पेरेंट्स पर अश्लील कमेंट किए थे। इसके बाद उनके ऊपर महाराष्ट्र, असम समेत कई जगहों पर एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके खिलाफ यूट्यूबर ने सुप्रीम कोर्ट में 14 फरवरी को याचिका दायर की थी।

रणवीर ने सुप्रीम कोर्ट में अपनी याचिका में 3 बातें कही थीं। पहली- देशभर में दर्ज एफआईआर पर एक जगह सुनवाई। दूसरा- गिरफ्तारी से राहत मिले। तीसरी बात यह थी कि उन्हें धमकाया जा रहा है। अलाहबादिया की तरफ से वकील अभिनव चंद्रचूड़ ने अपने मुवक्किल की याचिका पर जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। तब कोर्ट ने कहा था कि एक-दो दिन में उनकी याचिका पर सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अलाहबादिया को गिरफ्तारी से राहत दे दी थी, लेकिन उन्हें जमकर फटकार भी लगाई। अदालत ने कहा था कि आपके कमेंट की भाषा विकृत और दिमाग गंदा है। इससे अभिभावक ही नहीं, बेटियां और बहनें भी शर्मसार हुईं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह ने कहा कि अलाहबादिया के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की गई हैं, लेकिन अब उनके खिलाफ इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर रणवीर अलाहबादिया को अपने पॉडकास्ट 'द रणवीर शो ' को दोबारा शुरू करने की मंजूरी दे दी है। कोर्ट ने शर्त रखी कि वो अपने शो में कुछ भी अश्लील नहीं दिखाएंगे।

इंडिया गॉट लेटेंट शो कंट्रोवर्सी के बाद रणवीर गायब हो गए थे। लगभग दो महीने बाद उन्होंने सोशल मीडिया पर वापसी की है। 30 मार्च को अपने इंस्टाग्राम पर उन्होंने अपनी टीम और घरवालों के साथ फोटो शेयर की। अपने पोस्ट में उन्होंने लिखा- 'मुझे प्यार करने वालों का शुक्रिया, इस यूनिवर्स का शुक्रिया, एक नया चैप्टर शुरू हो रहा है। पुर्नजन्म।'

पीएम से सम्मानित हो चुके रणवीर

'द रणवीर शो' पॉडकास्ट हेल्थ, टेक्नोलॉजी, हिस्ट्री, स्पोर्ट्स और एंटरटेनमेंट से लेकर सक्सेस स्टोरी जैसे विषयों को कवर करता है। इसमें रोहित शेट्टी, अक्षय कुमार, विक्की कौशल, जॉनी लीवर और पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह जैसी कई हस्तियां शामिल हो चुकी हैं। इसके एक करोड़ से ज्यादा सब्सक्राइबर हैं।

गंगटोक में 'आशिकी 3' की शूटिंग का वीडियो वायरल

एक्शन और स्टेज परफॉर्मेंस करते दिखे कार्तिक आर्यन, फिल्म को लेकर फैंस उत्साहित

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म 'आशिकी 3' की शूटिंग में बिजी हैं। हाल ही में गंगटोक, सिक्किम से एक वीडियो सामने आया है, जिसमें फिल्म की शूटिंग की झलक देखी जा सकती है। इस वीडियो में दो सीन नजर आ रहे हैं - एक फाइट सीन और दूसरा स्टेज परफॉर्मेंस। वीडियो के पहले हिस्से में कार्तिक एक फाइट सीन की शूटिंग करते दिख रहे हैं। सिक्किम की वादियों में हो रही इस शूटिंग को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी बढ़ गई है। वहीं, वीडियो के दूसरे हिस्से में स्टेज परफॉर्मेंस की शूटिंग हो रही है। 'आशिकी' सीरीज अपनी म्यूजिक के लिए जानी जाती है, इसलिए इस सीन को लेकर भी चर्चा हो रही है। फिल्म का निर्देशन अनुराग बसु कर रहे हैं और संगीत प्रीतम का है। फिल्म में कार्तिक के साथ श्रीलीला नजर आएंगी, जो इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। इस बीच, कार्तिक और श्रीलीला को लेकर अफवाहें भी सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि दोनों के बीच दोस्ती बढ़ रही है, और कुछ रिपोर्ट्स में तो यह तक दावा किया गया कि वे एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हालांकि, इस मामले पर अब तक कार्तिक या श्रीलीला की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इस वीडियो के सामने आने के बाद फैंस सोशल मीडिया पर रिएक्ट कर रहे हैं। 'आशिकी 3' की शूटिंग फिलहाल जारी है और फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है।

'हेरा फेरी 3' को लेकर डायरेक्टर प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

बोले- फिल्म की स्क्रिप्ट लिखना किसी चुनौती से कम नहीं, अगले साल से करेंगे शुरू

फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। हर किसी के मन में सवाल है कि आखिर यह फिल्म कब आएगी। इसी बीच अब डायरेक्टर प्रियदर्शन ने एक बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि साल 2026 में हेरा फेरी 3 की स्क्रिप्ट पर काम किया जाएगा। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि यह कोई चुनौती से कम नहीं होगा।

प्रियदर्शन ने कहा, 'मैं अगले साल हेरा फेरी 3 पर काम शुरू करूंगा। इस फिल्म के तीसरे पार्ट को बनाना बहुत मुश्किल होगा, क्योंकि लोगों को इस फिल्म से बहुत उम्मीदें हैं।'

उन्होंने कहा कि दर्शकों को रुलाना या डराना आसान है, लेकिन लोगों को हंसाना उतना ही, बल्कि कहीं ज्यादा मुश्किल है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी बताया कि समय के साथ हंसी का तरीका बदलता है और लोगों की पसंद भी बदलती रहती है। इसलिए हमें इसके हिसाब से ढलना जरूरी है। सबसे बड़ी बात यह है कि फिल्म के किरदार भी बढ़ गए हैं, तो सबसे बड़ा टास्क यह है कि उनकी कहानी को इस तरह से दिखाया जाए ताकि वह असलियत लगे।

प्रियदर्शन ने कहा कि हेरा-फेरी 3 में कुछ घटनाएं बढ़ा-चढ़ा कर दिखाई जाएंगी, लेकिन दर्शकों को उन्हें देखकर ऐसा लगेगा कि यह भी हो सकता है। फिलहाल, जब मैं स्क्रिप्ट पर काम करूंगा, तभी यह क्लियर हो पाएगा कि क्या करना है। हालांकि, इस पर काम करना ही बहुत बड़ी चुनौती है।

प्रियदर्शन ने अक्षय कुमार के साथ अपने रिश्ते के बारे में बात करते हुए कहा कि मोहनलाल के बाद अक्षय कुमार ही ऐसे अभिनेता हैं, जिनके साथ उन्होंने सबसे ज्यादा काम किया है। डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अपने जन्मदिन पर फिल्म हेरा फेरी 3 का ऐलान किया था। अपने एक पोस्ट में उन्होंने परेश रावल, अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी को टैग किया था। हालांकि, फिल्म की रिलीज डेट को लेकर कोई भी ऑफिशियल बयान सामने नहीं आया है।

गलत तरीके से तरबूज खाने पर शरीर में भर जाएंगे विषाक्त पदार्थ

तरबूज एक सुपरफूड है जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने, इम्यूनिटी बढ़ाने, दिल की सेहत सुधारने में मदद करता है। इसे सही तरीके से और सही समय पर खाने से आपको ज्यादा से ज्यादा फायदे मिल सकते हैं। कहीं आप गलत तरीके से तो नहीं खा रहे?

गर्मियों का मौसम जारी है और इन दिनों ठंडा मीठा लाल तरबूज खाने में खूब मजा आता है। तरबूज न केवल स्वादिष्ट होता है, बल्कि यह शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन भी देता है। यह विटामिन, मिनरल और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद हैं।

तरबूज गर्मियों में सबसे ज्यादा पसंद किया जाने वाला फल है। यह सिर्फ स्वादिष्ट ही नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इसमें 90% पानी, विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो शरीर को हाइड्रेटेड रखने के साथ कई बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

तरबूज खाने के अनगिनत फायदे हैं लेकिन लेकिन अगर इसे गलत तरीके से खाया जाए, तो यह फायदे की जगह नुकसान भी पहुंचा सकता है। होलिस्टिक न्यूट्रिशनिस्ट प्रियांशी भटनागर बता रही हैं कि तरबूज खाने का सही तरीका क्या है और कौन-कौन सी सावधानियां बरतनी चाहिए।

तरबूज में नेचुरल शुगर और पानी की मात्रा ज्यादा होती है। इसे खाली पेट खाने से पेट में गैस, एसिडिटी और डाइजेशन प्रॉब्लम हो सकती है। इसलिए पहले हल्का-फुल्का नाश्ता कर लें। बहुत से लोग खाने के बाद मीठा ठंडा तरबूज खाना पसंद करते हैं। ध्यान रहे कि खाने के तुरंत बाद तरबूज खाने से पाचन में दिक्कत हो सकती है और पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इसे भोजन के कम से कम एक घंटे बाद खाएं।

ठंडा तरबूज अच्छा लगता है, लेकिन इसे तुरंत खाने से गले में खराश और सर्दी-जुकाम हो सकता है। पहले इसे कमरे के तापमान पर थोड़ी देर रखें, फिर खाएं। इसके अलावा तरबूज हमेशा थोड़ा-थोड़ा खाएं। एक बार में ज्यादा न खाएं। इसे छोटे-छोटे हिस्सों में बांटकर खाएं ताकि शरीर इसे अच्छे से पचा सके।

पत्नी बनते ही चुलबुली गर्लफ्रेंड गुस्सैल और चिड़चिड़ी क्यों हो जाती है

फैमिली की लाख मिन्नतें करने के बाद आखिरकार आपकी शादी हो गई है और आपके दोस्त के लिए घर वालों ने 'सुशील' सी पत्नी का चुनाव किया है। लेकिन दोनों ही मामलों में एक बात कॉमन है, पत्नियों के व्यवहार में अचानक से बदलाव देखने को मिल रहे हैं। कुछ समय से दोनों दोस्त अपनी वाइफ के गुस्सैल रवैए से परेशान हैं।

हमेशा हंसती मुस्कुराती रहने वाली वाइफ अब गुस्से में ही रहती हैं। इसके पीछे की वजह जानने की कोशिश में कपल फाइट घर का माहौल खराब कर देती है। शादी के बाद शारीरिक, सामाजिक और मानसिक बदलाव महिलाओं को आक्रामक या गुस्सैल बना देते हैं। असीमित अपेक्षाओं में उनकी जिंदगी ऐसी उलझती है कि फिर असर व्यवहार में नजर आने लगता है। जब लड़की नए घर में शादी करके आती है तो उसकी अपने पार्टनर, फैमिली रोल और दायित्वों को लेकर कुछ अपेक्षाएं होती हैं। जब उनकी यह चाहते नहीं पूरी होती हैं तो यह स्थिति उन्हें तनाव देती है। तनाव का नतीजा आक्रामकता और गुस्से में नजर आता है। अक्सर महिलाओं को मल्टीटास्कर माना जाता है। महिलाएं घर, बच्चे और नौकरी के बीच बैलेंस बना भी लेती हैं लेकिन इस मैनेजमेंट के चलते भी उन्हें तनाव का सामना करना पड़ता है। परिवार में सबको काम बंटे हों तो यह दिक्कत न हो लेकिन ज्यादातर भारतीय परिवारों में ऐसा नहीं होता है। आप मतलब पति की भूमिका भी पत्नी के व्यवहार को निर्धारित करती है। कई दफा पत्नी को पति की ओर से अटेंशन नहीं मिलती है। पति के घर में रहते हुए उनकी ओर से अवहेलना या निराशा महसूस करते हुए, महिलाएं एग्रेसिव हो सकती हैं। फिर इमोशनल दबाव और मल्टीटास्किंग उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर परेशान करते जाते हैं। परिणाम में आपको उनके मूड स्विंग का सामना करना पड़ता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाएं हार्मोनल बदलाव महसूस करती हैं। इन बदलावों का असर नेचर पर भी दिखता है। इसके अलावा डिलीवरी के बाद पोस्टपार्टम के दौरान तो भावनाओं की बड़ी उथलपुथल उनके सामने होती है। मेनोपॉज का दौर भी ऐसा होता है। इन सभी परिस्थितियों में महिलाओं को परिवार का सहयोग न मिले तो उनमें चिढ़चिढ़ापन, गुस्सा या आक्रामकता नजर आने लगती है।

कई परिवारों में 'कौन बेहतर' वाली लड़ाई चलती रहती है। महिलाएं अपने तय किए कामों में गलती कर दें तो भी मतभेद होने लगते हैं। खुद को बेहतर साबित करने की यह लड़ाई उनके व्यवहार में नजर आने लगती है। खुद अपने निर्णय लेने का विकल्प भी कई घर में महिलाओं को नहीं मिलता है। इन सबके बाद नौकरी में दिक्कतें आने लगें तो उन्हें महसूस होने लगता है कि उनके प्रयासों को वैल्यू नहीं दी जा रही है। एक समय के बाद यह सारी भावनाएं उलझन और फिर गुस्से में बदलने लगती हैं। आज भी हमारे समाज में महिलाओं को खासतौर पर शादी के बाद किसी की पत्नी के तौर पर ही पहचाना जाता है। इससे महिलाएं अपनी पहचान खो देती हैं। जबकि अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिश अब पुरुष ही नहीं महिलाएं भी खूब करती हैं। इसके बाद पति का नेचर हावी होने वाला हो या वो भावनात्मक तौर पर सहयोग न दें या फिर पत्नी को इग्नोर करें तो उनमें सेल्फ डाउट बढ़ता चला जाता है। फिर आक्रामकता सामने आने लगती है।

महिलाओं में शादी के बाद आए नाकारात्मक बदलाव को कम करने के लिए सेल्फ-केयर, इमोशनल सपोर्ट और कम्यूनिकेशन जरूरी होते हैं। खुद को रिलैक्स करने के साथ एक्सरसाइज और अपने शौक पर ध्यान देकर इन मानसिक झंझावतों से निकला जा सकता है। प्रोफेशनल काउंसलिंग या थैरेपी की मदद भी ली जा सकती है। पति और पत्नी में रिश्ता बेहतर करने के लिए ऊपर बताई गई दिक्कतों को समझना और सहयोगी माहौल बनाना अच्छा रहेगा।

प्रभावी कम्युनिकेशन, म्युचुअल सपोर्ट और अच्छा कोपिंग मैकेनिज्म महिलाओं की मानसिक स्थिति ठीक रखने के लिए जरूरी हैं।

कीवी के छिलकों से मटके जैसा पेट हो सकता है अंदर

आजकल हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने की दिशा में लोग सुपरफूड्स को अपनी डाइट में शामिल कर रहे हैं। उन्हीं में से एक है कीवी, जो न सिर्फ स्वाद में बेहतरीन है, बल्कि इसके छिलकों में भी कई चमत्कारी गुण छिपे हैं। हाल ही में एक अमेरिकन रिसर्च में यह खुलासा हुआ है कि कीवी के छिलकों का सेवन करने से पेट की चर्बी तेजी से कम हो सकती है और भूख की क्रेविंग भी कंट्रोल होती है।

ज्यादातर लोग कीवी के छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि इसमें मौजूद फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर को डिटॉक्स करने और मेटाबॉलिज्म को बूस्ट करने में मदद करते हैं। खासतौर पर, जो लोग अपने बढ़ते हुए पेट की चर्बी से परेशान हैं, उनके लिए यह एक आसान और असरदार उपाय हो सकता है। अगर आप भी लगातार बढ़ते वजन और भूख के कारण परेशान हैं, तो यह जानना जरूरी है कि कीवी के छिलकों को डाइट में कैसे शामिल करें और यह हमारे शरीर को किस तरह फायदा पहुंचाते हैं।

अगर आप अपनी डाइट में फाइबर की मात्रा बढ़ाना चाहते हैं, तो कीवी का छिलका बेहद फायदेमंद हो सकता है। रिसर्च के अनुसार, इसमें सामान्य फलों की तुलना में 3 गुना ज्यादा फाइबर पाया जाता है, जिससे डाइजेशन बेहतर होता है और मेटाबॉलिज्म तेज होता है। जब मेटाबॉलिज्म सही तरीके से काम करता है, तो शरीर में जमा अनावश्यक चर्बी तेजी से घटने लगती है।

कीवी के छिलके में मौजूद पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स शरीर में जमा फैट सेल्स को तोड़ने में मदद करते हैं। इससे पेट का फूलना और सूजन कम होती है और धीरे-धीरे वजन घटने लगता है। इसके अलावा, यह बॉडी के इंसुलिन लेवल को बैलेंस करता है, जिससे अचानक लगने वाली भूख कम हो जाती है। अगर आपको बार-बार भूख लगती है और क्रेविंग कंट्रोल नहीं हो पाती, तो कीवी के छिलके आपके लिए एक नेचुरल उपाय हो सकते हैं। इनमें मौजूद सॉल्युबल फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे अनहेल्दी स्नैक्स और ओवरईटिंग की संभावना कम हो जाती है। यही वजह है कि जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए यह एक बेहतरीन सुपरफूड बन सकता है।

दिन में खाएं ये चार छोटे मील, नवरात्र में वेट लॉस के साथ पायें हेल्थ भी

नवरात्र में व्रत रखना सिर्फ आध्यात्मिक कारणों से नहीं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होता है। सही खानपान अपनाने से न सिर्फ शरीर डिटॉक्स होता है, बल्कि वजन कम करने में भी मदद मिलती है। लेकिन कई लोग व्रत के दौरान या तो जरूरत से ज्यादा खाने लगते हैं या पूरे दिन भूखे रहते हैं, जिससे सेहत पर गलत असर पड़ता है। इसका सही तरीका है – दिनभर में चार छोटे मील लेना, जिससे शरीर को पर्याप्त पोषण भी मिले और वेट लॉस भी आसान हो जाए।

अगर आप नवरात्र में वजन घटाना चाहते हैं, तो फलों, नट्स, दही, साबूदाना, सामा चावल और हेल्दी ड्रिंक्स को अपनी डाइट में शामिल करें। छोटे-छोटे मील्स लेने से ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल में रहता है और एनर्जी लेवल बना रहता है, जिससे कमजोरी महसूस नहीं होती। सही डाइट के साथ अगर हल्की-फुल्की एक्सरसाइज भी की जाए, तो यह वजन घटाने की प्रक्रिया को और तेज कर सकता है। इस नवरात्र, अपने उपवास को सिर्फ धार्मिक अनुष्ठान तक सीमित न रखें, बल्कि इसे हेल्दी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाएं। सही प्लानिंग और संतुलित डाइट से आप न सिर्फ वेट लॉस कर सकते हैं, बल्कि खुद को ज्यादा एक्टिव और फ्रेश भी महसूस करेंगे।

कई लोग नवरात्र के दौरान पूरे दिन भूखे रहते हैं, जिससे शरीर में कमजोरी, सिरदर्द और थकान महसूस होने लगती है। इसकी वजह यह है कि लंबे समय तक खाली पेट रहने से ब्लड शुगर लेवल गिर जाता है और शरीर को पर्याप्त एनर्जी नहीं मिल पाती। इसका समाधान यह है कि दिनभर में चार छोटे-छोटे मील लें, जिसमें फाइबर, प्रोटीन और हेल्दी फैट मौजूद हो। इससे शरीर को लगातार ऊर्जा मिलती रहेगी और कमजोरी महसूस नहीं होगी।

अगर आप व्रत के दौरान वजन कम करना चाहते हैं, तो यह जरूरी है कि आप तली-भुनी चीजों की जगह हेल्दी ऑप्शंस चुनें। साबूदाना, सामा चावल, सिंघाड़े का आटा, दही, पनीर, फल और ड्राई फ्रूट्स जैसे न्यूट्रिशन से भरपूर फूड्स वजन घटाने में मदद करते हैं। वहीं, अधिक तली हुई चीजें और शक्कर से बनी मिठाइयों से बचना चाहिए, क्योंकि ये वजन बढ़ाने का कारण बन सकती हैं।

मैथ्स से जी चुराने वाला है बच्चा तो एक बार वैदिक ट्रिक अपनाएं

बहुत ही कम बच्चे ऐसे होंगे जिन्हें गणित का विषय पसंद होगा। ज्यादातर बच्चों को मैथ्स बिलकुल भी पसंद नहीं आती है और यह उनके लिए सबसे बोरिंग या कम नंबर लाने वाला सब्जेक्ट बनकर रह जाता है। हालांकि, इसे शिक्षा में एक अहम विषय माना जाता है लेकिन कई बच्चों के लिए यह मुश्किल और तनाव से भरा होता है। क्या हो अगर मैथ्स आसान, फन और जल्दी हो जाए तो?

जी हां, वैदिक मैथ्स एक ऐसा तरीका है जिसमें बच्चे मजेदार तरीके से गणित को पढ़ और समझ सकते हैं। यह गणित का एक प्राचीन तरीका है जिसमें कैलकुलेशन जल्दी और आसानी से हो जाती है। इससे बच्चे अपनी प्रॉब्लम को जल्दी हल कर सकते हैं। वैदिक मैथ्स ट्रेडिशनल मैथ्स को हटाने नहीं बल्कि उसे सपोर्ट करने और उसकी समझ को बढ़ाने के लिए है। यह गणित के सवालों को हल करने के लिए

बच्चों के लिए एक सुपरपॉवर की तरह काम कर सकती है। ?

बच्चे बिना कैलकुलेटर के तेजी से कैलकुशन कर सकते हैं। वैदिक गणित सीखने से जटिल गणितीय अवधारणाएं समझना आसान हो जाता है। तुरंत कैलकेलुशन की जरूरत वाली परीक्षाओं में समय बचाने में मदद मिलती है। यह दिमाग को तेज बनाता है और ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को बढ़ाता है। बच्चों में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास आता है। इससे बच्चे सवाल को जल्दी हल कर पाते हैं।। वैदिक मैथ्स की स्मार्ट ट्रिक्स इस विषय को बच्चों के लिए मजेदार बना देती हैं।। मेंटल कैलकुलेशन से बच्चों का मदगा तेज होता है और उनका फोकस बेहतर होता है। इससे बच्चे के प्रॉब्लम सॉल्विंग स्किल्स भी बेहतर होते हैं। वैदिक शब्द वेद से आया है और इसका अर्थ होता है ज्ञान। प्राचीन काल में ही वैदिक गणित की तकनीक की खोज की गई थी लेकिन 20वीं शताब्दी में स्वामी भारती कृष्ण तीर्थजी ने इसे दोबारा लाने का काम किया। उन्होंने पुराने भारतीय ग्रंथों का अध्ययन किया और गणित की समस्याओं को हल करने के लिए इन स्मार्ट और कुशल तरीकों को खोजा।

प्राचीन भारतीय शास्त्र से वैदिक गणित की उत्पत्ति हुई है और गणित को पढ़ने एवं समझने की एक प्रणाली है। यह 16 सूत्रों पर आधारित होती है जिससे गणित के सवाल को आसानी और जल्दी से हल किया जा सकता है। पारंपरिक गणित में लंबे स्टेप्स होते हैं और उन्हें याद रखना पड़ता है लेकिन वैदिक मैथ्स में मेंटल कैलकुशन और स्मार्ट ट्रिक्स पर ध्यान दिया जाता है।

स्लिम ट्रिम बॉडी के लिए डाइट में लें चॉकलेट स्मूदी

हर कोई फिट और आकर्षक दिखना चाहता है, लेकिन भागदौड़ भरी जिंदगी और गलत खानपान के कारण वजन बढ़ना आम समस्या बन गई है। घंटों वर्कआउट करना या सख्त डाइट फॉलो करना हर किसी के लिए आसान नहीं होता। ऐसे में अगर कोई ऐसा टेस्टी और हेल्दी विकल्प मिल जाए, जो बिना ज्यादा मेहनत के वजन घटाने में मदद करे, तो इसे कौन नहीं अपनाना चाहेगा? चॉकलेट स्मूदी एक ऐसा ही सुपरफूड है, जो स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट बैलेंस बनाए रखता है।

चॉकलेट स्मूदी में मौजूद न्यूट्रिएंट्स न सिर्फ आपके मेटाबॉलिज्म को तेज करते हैं, बल्कि शरीर को लंबे समय तक एनर्जी भी देते हैं। यह आपकी क्रेविंग्स को कंट्रोल करने में मदद करती है, जिससे आप अनहेल्दी स्नैक्स खाने से बच सकते हैं। सही तरीके से बनाई गई स्मूदी फाइबर और प्रोटीन से भरपूर होती है, जो डाइजेशन को बेहतर बनाती है और वजन घटाने की प्रक्रिया को तेज करती है।

अगर आप भी हेल्दी और टोन बॉडी पाना चाहते हैं, तो आज से ही अपनी डाइट में चॉकलेट स्मूदी को शामिल करें। इसे बनाने के लिए आप डार्क चॉकलेट, बादाम दूध, चिया सीड्स, केला और ओट्स जैसी हेल्दी चीजों का इस्तेमाल कर सकते हैं। यह सिर्फ वेट लॉस में ही मदद नहीं करेगी, बल्कि आपकी ओवरऑल हेल्थ को भी बेहतर बनाएगी। अब देर किस बात की? अपनी डाइट में एक छोटा लेकिन प्रभावी बदलाव लाएं और अपने फिटनेस गोल्स को आसानी से हासिल करें!

अक्सर लोग सोचते हैं कि चॉकलेट सिर्फ मीठे और अनहेल्दी फूड्स का हिस्सा होती है, लेकिन सही सामग्री के साथ बनाई गई चॉकलेट स्मूदी सेहत के लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। यह न सिर्फ स्वादिष्ट होती है, बल्कि शरीर को ज़रूरी पोषण भी देती है। अगर आप वजन घटाना चाहते हैं और अपनी डाइट में कुछ हेल्दी जोड़ना चाहते हैं, तो चॉकलेट स्मूदी एक बेहतरीन विकल्प हो सकती है।

वजन घटाने की प्रक्रिया में मेटाबॉलिज्म की भूमिका सबसे अहम होती है। जब शरीर का मेटाबॉलिज्म तेज होता है, तो कैलोरी जल्दी बर्न होती है और फैट कम होने लगता है। चॉकलेट स्मूदी में मौजूद फाइबर, प्रोटीन और एंटीऑक्सिडेंट्स मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देते हैं, जिससे वजन घटाने की प्रक्रिया तेज हो जाती है।

फालतू चर्बी कम करने के लिए सही डाइट और सही लाइफस्टाइल का होना बहुत ज़रूरी है। चॉकलेट स्मूदी में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो न केवल आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं, बल्कि शरीर से टॉक्सिन्स को भी बाहर निकालते हैं। यह अनावश्यक कैलोरी इनटेक को कम करने में मदद करती है, जिससे चर्बी धीरे-धीरे घटने लगती है।

एक हेल्दी और असरदार चॉकलेट स्मूदी बनाने के लिए सही सामग्री का चुनाव बेहद ज़रूरी है। इसमें आप डार्क चॉकलेट, कोको पाउडर, बादाम दूध, केला, चिया सीड्स, ओट्स और शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। ये सभी चीज़ें मिलकर आपकी स्मूदी को स्वादिष्ट बनाने के साथ-साथ इसे सेहतमंद भी बनाती हैं।

अगर आप इसे अपनी डेली डाइट में शामिल करते हैं, तो यह सिर्फ वजन घटाने में ही नहीं, बल्कि ओवरऑल हेल्थ में भी सुधार लाती है।

नवरात्रि पर खूबसूरत रंगोली बनाएं

साल 2025 की चैत्र नवरात्रि 30 मार्च, रविवार यानी की आज से शुरू हो रही हैं। अब 9 दिन, 7 अप्रैल तक माता के 9 रूपों की पूजा की जाएगी। पहली दिन कलश स्थापना, ज्वारे बोने के साथ ही रंगोली भी बनाई जाएगी। हालांकि कुछ लोग तक 9 दिन तक ही माता को खुश करने और पॉजिटिव माहौल कर के लिए रंगोली बनाते हैं। क्योंकि हिंदू धर्म में मान्यता है कि रंगोली बनाने से घर में पॉजिटिव एनर्जी आती है। वैसे किसी भी त्योहार पर रंगोली रंगोली बनाने से घर की खूबसूरती में भी चार-चांद लग जाते हैं। लेकिन हर त्योहार पर अलग रंगोली बनाना भी जरूरी होता है तभी तो पता चलेगा कि कौसना फेस्टिवल है। अब नवरात्रि के दिन रंगोली बनाते वक्त लोग बेहतर और खूबसूरत रंगोली बनाने के चक्कर में जरूरी रंगोली बनाना ही भूल जाते हैं। जबकि इन रंगोली के बिना नवरात्रि का त्योहार अधूरा ही रहता है।

नवरात्रि पर रंगोली बनाने के लिए माता के चरण से अच्छी कोई डिजाइन नहीं हो सकती है। रंगोली के तौर पर माता के चरण बनाना बहुत शुभ माना जाता है। अब आप चाहें तो सिंपल तरीके से माता के चरण बनाकर उनके आस-पास एक दो फूल बना दीजिए। इस तरह की रंगोली में वक्त कम लगता है। या माता के चरण के साथ खूबसूरत डिजाइन बनाने के लिए पहले किसी चीज से गोल सर्कल बनाए। मनपसंद कलर से भरने के बाद अंदर माता के चरण बनाएं। रंगोली को बढ़ाने के लिए सर्कल के लेयर बढ़ाकर इनमें फ्लावर पैटर्न की डिजाइन बना सकते हैं।

'पूंजीगत व्यय में नहीं की गई कटौती'

वित्त मंत्री बोलीं-एफवाई26 के लिए यह बढ़कर 11.21 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पूंजीगत व्यय में कटौती नहीं की गई है, बल्कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए इसे बढ़ाकर 11.21 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया है और इसी वर्ष पूंजीगत व्यय के लिए राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में भी आनुपातिक वृद्धि की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राज्यसभा में एक सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। राज्यसभा में प्रश्नकाल के दौरान जवाब देते हुए सीतारमण ने कहा कि 2024-25 में पूंजीगत व्यय 11.11 लाख करोड़ रुपये होगा। उन्होंने कहा, ''वास्तव में, इस साल बजट में यह 11.21 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसलिए, पूंजीगत व्यय में बिल्कुल भी कटौती नहीं की गई है।'' पूंजीगत व्यय के लिए ब्याज मुक्त 50 वर्षीय विशेष सहायता योजना के अंतर्गत राज्यों को दिए जाने वाले ऋण में आनुपातिक वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, इसलिए, पूंजीगत व्यय में कटौती करना हमारे लिए संभव नहीं है। सीतारमण वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के एक सवाल का जवाब दे रही थीं। चिदंबरम ने वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में पूंजीगत व्यय को 11.11 लाख करोड़ रुपये से घटाकर 10,18,429 करोड़ रुपये करने का कारण पूछा था। इसी तरह, उन्होंने बताया कि राज्यों को मिलने वाली विशेष सहायता को वित्त वर्ष 2025 के लिए संशोधित बजट अनुमान में 3,90,778 करोड़ रुपये से घटाकर 2,99,891 करोड़ रुपये कर दिया गया था। एक पूरक प्रश्न का उत्तर देते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र इस बात की निगरानी करता है कि राज्य पूंजीगत व्यय या किसी अन्य चीज के लिए धन का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, जब धन भेजा जाता है, तो मुझे तुरंत पता नहीं चलता कि इसका उपयोग पूंजीगत व्यय के लिए किया गया है या नहीं। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे समय बीतने के साथ, विभिन्न डिजिटल तरीकों से जब व्यय के लिए विशिष्ट नोडल खातों में धनराशि डाली जाती है, तो केंद्र को पता चलता है कि पैसा कहां खर्च हुआ।

सोना पहली बार 91 हजार के पार : 91 दिनों में 14,953 महंगा, 94 हजार तक जाने का अनुमान; महंगाई और मार्केट उतार-चढ़ाव का असर

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सोना ने आज यानी 1 अप्रैल को ऑल टाइम हाई बनाया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,951 रुपए बढ़कर 91,115 रुपए के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया है। इससे पहले सोना 89,164 रुपए पर था। हालांकि चांदी के दाम में आज गिरावट है। एक किलो चांदी की कीमत 1,251 रुपए गिरकर 99,641 रुपए प्रति किलो पर आ गई है। इससे पहले चांदी का भाव 1,00,892 रुपए प्रति किलो पर था।

महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,250 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,990 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 85,100 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 92,840 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,840 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 85,150 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 92,890 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 89,850 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 82,360 रुपये है।

ट्रंप ने अपनी इस धमकी पर किया अमल तो खतरे में पड़ जाएगी दुनिया, क्यों दिल थामकर बैठा है भारत?

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चेतावनी के बावजूद बीते रोज अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में गिरावट आई। ट्रंप ने कहा था कि अगर रूस यूक्रेन में युद्ध को खत्म करने के उनके प्रयासों में बाधा डालता है तो वह रूसी तेल के खरीदारों पर अतिरिक्त शुल्क लगा सकते हैं। ब्रेंट क्रूड वायदा 0.3% गिरकर 72.55 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.4% टूटकर 69.09 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ब्रेंट क्रूड और c दोनों में इस महीने थोड़ी गिरावट आई है। दो तिमाहियों में यह पहली तिमाही गिरावट है। बाजार के जानकारों का मानना है कि ट्रंप के धमकी भरे बयानों का असर तेल की कीमतों पर नहीं हुआ क्योंकि उन्हें नहीं लगता कि ट्रंप ऐसा करेंगे। हालांकि, अगर ऐसा होता है यानी ट्रंप अपनी धमकी को अमलीजामा पहनाते हैं तो यह ट्रेड वॉर की ओर एक और कदम होगा। इससे वैश्विक विकास और कच्चे तेल की मांग पर असर पड़ेगा। ओपीईसी+ समूह अप्रैल में तेल उत्पादन में मासिक बढ़ोतरी का कार्यक्रम शुरू करने वाला है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव का भारत पर सीधा असर पड़ता है। वह अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने लिए दूसरे देशों पर निर्भर है। अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में बीते रोज थोड़ी नरमी देखी गई। ब्रेंट क्रूड और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड का भाव टूटकर बोला गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर रूस यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मदद नहीं करता तो वह रूसी तेल खरीदने वालों पर भारी टैक्स लगा सकते हैं। हालांकि, बाजार के जानकारों को ट्रंप की इस धमकी पर ज्यादा भरोसा नहीं है। उनका मानना है कि ट्रंप शायद ही ऐसा कोई कदम उठाएंगे। अगर ट्रंप ऐसा करते हैं तो दुनिया में व्यापार युद्ध छिड़ सकता है। इससे तेल की मांग में कमी आ सकती है। यूबीएस के विश्लेषक जियोवानी स्टॉनोवो ने कहा कि तेल बाजार के प्रतिभागी ट्रंप की ओर से रूस और ईरान पर लगाए जाने वाले संभावित अतिरिक्त शुल्कों पर नजर रख रहे हैं। हालांकि, ट्रंप ने अभी तक यह साफ नहीं किया है कि वह इन शुल्कों को कब लागू करेंगे। लेकिन, भविष्य में सप्लाई को लेकर जोखिम बढ़ रहा है। ट्रंप ने रविवार को कहा था कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 'नाराज' हैं। उन्होंने यह भी कहा था कि अगर रूस यूक्रेन में युद्ध को खत्म करने के उनके प्रयासों में बाधा डालता है तो वह रूसी तेल खरीदने वालों पर 25% से 50% तक का अतिरिक्त शुल्क लगा सकते हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति	
सूर्य-	मीन में
चंद्र-	वृष में
मंगल	मिथुन में
बुध-	मीन में
गुरु-	वृष में
शुक्र-	मीन में
शनि-	मीन में
राहु-	मीन में
केतु-	कन्या में

लग्नारंभ समय	
मीन....	05-15 बजे
मेष---	06-52 बजे
वृष---	08-36 बजे
मिथुन...	10-37 बजे
कर्क....	12-48 बजे
सिंह---	15-04 बजे
कन्या---	17-06 बजे
तुला----	19-12 बजे
वृश्चिक...	21-22 बजे
धनु......	23-36 बजे
मकर....	01-44 बजे
कुंभ....	03-33 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 06-13
सूर्यास्त - 18-26
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल = उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 23:49 तक उपरान्त षष्ठी
मास - चैत्र शुक्ल , बुधवार 02 April
नक्षत्र - कृत्तिका 08:49 तक उपरान्त रोहिणी
योग - आयुष्मान 02:49 तक उप सौभग्य
करण- बव 13-07 तक उप बालव
विशेष:- श्री पंचमी
व्रत त्योहार - हय व्रत

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:20 से 13:52 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ.	06:13 - 07:43	शुभ	उत्पात	18:26 - 19:56	अशुभ
अमृत	07:43 - 09:15	शुभ	शुभ.	19:56 - 21:24	शुभ
काल.	09:15 - 10:48	अशुभ	अमृत.	21:24 - 22:52	शुभ
शुभ	10:48 - 12:20	शुभ	चंचल	22:52 - 00:19	शुभ
रोग.	12:20 - 13:52	अशुभ	रोग.	00:19 - 01:47	अशुभ
उत्पात	13:52 - 15:24	अशुभ	काल	01:47 - 03:15	अशुभ
चंचल	15:24 - 16:56	शुभ	लाभ	03:15 - 04:43	शुभ
लाभ	16:56 - 18:26	शुभ	उत्पात	04:43 - 06:13	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) आप अपने कैरियर की शुरुआत में हैं, इसलिए आपको सीढ़ी पर अगला कदम रखने और पीछे चले गए पथ को देखने की जरूरत है। इन स्थानों में की गई कोई गलती का भुगतान आपको बाद में करना पड़ सकता है । खुद के लिए कुछ प्रस्ताव बनाने के लिए समय निकालें । आपको विरासत में मिला धन का कुछ हिस्सा या पैसा प्राप्त हो सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) जैसे जैसे दिन आगे की और बढ़ेगा ये और बेहतर होता चला जाएगा। आपने पिछले कुछ दिनों में जो निराशाओं का अनुभव किया है , उनका अंत हो जाएगा और आप आशावादिता की ताजा हवा में सांस ले सकते हैं। आपके वरिष्ठ अधिकारी आपकी क्षमता के अनुरूप कठिन मुद्दों से निपटने के लिए आपको पुरस्कृत भी कर सकते है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) आप यात्रा और सामाजिकता से जुड़े व्यवसायों से जुड़े हो सकते हैं। आप अपने आप को आगे बढ़ाये क्यों की आप महान महत्व के लोगों के साथ बहुत अच्छा जाल या संवाद स्थापित करने में सक्षम हो सकते है । आप के आसपास क्या हो रहा है इस पर भी ध्यान दे। आपके प्रतियोगी आपके करियर में आगे बढ़ने के लिए एक कड़ी प्रतिस्पर्धा आपके समक्ष प्रस्तुत करेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति हैं और अपने सपनों का पीछा करने के साथ , आप सुनियोजित तरीके से अपनी चीजो को रखते है । दूसरे इस तरह नहीं है लेकिन दूसरों को ये न बताये और समय पर सब छोड़ दे । इस भावना को त्याग दे अन्यथा लोगों को ये गलतफहमी होगी की आप उनके जीवन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहे है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आप में लोगों के जीवन में एक फर्क लाने एवं उनकी सहायता का भाव रहेगा । आप धर्मार्थ कार्य में शामिल हो सकते है जो की आपका समय और प्रतिबद्धता को छीन सकता है । आपको ये निर्णय लेना होगा की धर्मार्थ कार्यो से जुड़े रहकर कुछ करना चाहते है , जिससे आपके वित्तीय स्थिति पर प्रभाव पड़े या वापस अपने कार्य क्षेत्र से जुड़कर धन की वृद्धि करना चाहते है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आज जहा तक पैसे की बात है तो आप के लिए एक भाग्यशाली दिन है। अगर अतीत में आपने किसी को धन उधार दिया है तो आपको अपने पैसे वापस मिल सकते हैं।आपकी किस्मत चिट फंड या जुए के किसी अन्य रूप में आपको वितीय लाभ पंहुचा सकती है । छात्रों का करियर सही दिशा में आगे बढेगा या किसी भी परीक्षा में अगर वे बैठेंगे तो उन्हें अच्छा परिणाम मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) आप चुस्त , विश्वसनीय , दृढ़ और सक्रिय हैं। ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे । आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे । आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे । आज आप संपत्ति खरीदने की योजना भी बना सकते है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आपकी भलाई इसी मैं है की , यदि आवश्यक हो तो आप सतर्क या यहां तक कि विद्रोही हो जाये । जो लोग अपने आपको ज्यादा जानकर या जानकारियों से पूर्ण मानते है वे आज के दिन ऐसी गलतिया कर सकते है , जिससे पार पाना मुश्किल साबित हो सकता है । उनके आदेश का पालन करना आपको मुसीबत में ला सकता है । आपके व्यय अब नियंत्रण में है जिसके लिए आप लंबे समय से तरस रहे थे ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आज आपको लगेगा की कुछ चीजों पर आपका नियंत्रण नहीं हैं और उनकी वजह से आप अपना सर्वश्रेष्ट प्रदर्शन नहीं कर पा रहे है । लेकिन विश्वास रखे । आप ईमानदार और मेहनती है। यहां तक की आपके मालिक आपकी बाधा और परेशानी को समझते हैं, इसलिए आप ईमानदार रहे और हमेशा की तरह काम करते रहे ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) आज आपको अपना कठोर और मजाकिया दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है, बेहतर होगा कि आप लोगों की भावनाओं से सम्बन्ध स्थापित करे और साथ ही साथ ये जानने की भी कोशिश करे कि वे क्या चाहते हैं और कौन सा रास्ता उन्होंने अपनाया है ! ध्यान देने योग्य बात ये है की आपको समझना होगा की चीज़े कैसे कार्य कर रही है बजाय की आप अपना तरीका अपने सहकर्मियों पर थोपे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

लोगों को महंगाई की मार से मिलेगी राहत

एलपीजी गैस सिलेंडर हुआ सस्ता ; 41 रुपये की कटौती

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। महीने की पहली तारीख कुछ लोगों के लिए राहत लेकर आई है। दरअसल, एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती का एलान किया गया है। तेल कंपनियों की कीमतों में 41 रुपये की कटौती की गई है। महंगाई की मार के बीच इसे राहत के तौर पर देखा जा रहा है। जानकारों के मुताबिक, तेल विपणन कंपनियों ने वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में संशोधन किया है। 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में आज से 41 रुपये की कटौती की गई है। दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत आज से 1762 रुपये हो गई है।इससे पहले पिछले महीने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफा हुआ था।

तब यह दरें 25 रुपये बढ़ाई गई थीं। तब दिल्ली में 19 किलोग्राम वाले वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की खुदरा कीमत 1795 रुपये प्रति सिलेंडर हो गई थी। इससे भी पहले फरवरी में केंद्रीय आम बजट से पहले लोगों के लिए एक राहत भरी खबर आई थी। तब तेल विपणन कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में सात रुपये की कटौती की थी। तब दिल्ली में इस सिलेंडर की खुदरा बिक्री कीमत 1797 रुपये हो गई थी।

सार्वजनिक क्षेत्र की इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) हर महीने की पहली तारीख को बेंचमार्क अंतरराष्ट्रीय ईंधन की औसत कीमत और विदेशी विनिमय दर के आधार पर एटीएफ और रसोई गैस की कीमतों में संशोधन करती हैं।

एलन मस्क का ट्रिलियनेयर बनने का सपना चकनाचूर!

रोजाना गंवा रहे 10,000 करोड़, अब कितनी रह गई नेटवर्थ

नई दिल्ली,1 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क के लिए यह साल अच्छा नहीं रहा है। साल के पहले तीन महीने में वह 116 अरब डॉलर गंवा चुके हैं। इस तरह उन्होंने रोजाना करीब 1.2 अरब डॉलर यानी करीब 10,000 करोड़ रुपये गंवाए हैं। मस्क इस साल सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने वाले अरबपति हैं। सोमवार को टेस्ला के शेयरों में 1.67% गिरावट आई। इससे मस्क की नेटवर्थ में 13.9 अरब डॉलर गिर गई। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक उनकी नेटवर्थ अब 316 अरब डॉलर रह गई है। जिस तरह हाल के वर्षों में उनकी नेटवर्थ बढ़ी थी उससे माना जा रहा था कि वह 2027 तक दुनिया के पहले ट्रिलियनेयर बन सकते हैं। लेकिन हाल में जिस तरह से उनकी नेटवर्थ में गिरावट आई है, उससे उनका ट्रिलियनेयर बनने का सपना लंबा खिंच सकता है। वैसे दुनिया के टॉप 20 अरबपतियों की लिस्ट पर नजर डालें तो 14 की नेटवर्थ में गिरावट आई है। केवल वॉरेन बफे, बिल गेट्स, मुकेश अंबानी, कार्लोस स्लिम, फांसुआ बेटनकोर्ट मायज और जूलिया फ्लेशर कोच की नेटवर्थ में तेजी आई है। अमेरिका के जाने माने इन्वेस्टर बफे की नेटवर्थ में इस साल सबसे ज्यादा 24.3 अरब डॉलर की तेजी आई है। वह 166 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में छठे नंबर पर हैं। गेट्स की नेटवर्थ 2.03 अरब डॉलर, अंबानी की 84.7 करोड़ डॉलर, स्लिम की 1.4 अरब डॉलर, मायज की 3.28 अरब डॉलर और कोच की 2.59 अरब डॉलर बढ़ी है। दूसरी ओर सबसे ज्यादा नेटवर्थ गंवाने में मस्क के बाद लैरी एलिसन दूसरे नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ में इस साल 30.3 अरब डॉलर की गिरावट आई है। लैरी पेज ने 27.2 अरब डॉलर, जेफ बेजोस ने 27.1 अरब डॉलर, सर्गेई ब्रिन ने 25.4 अरब डॉलर, माइकल डेल ने 24.5 अरब डॉलर, एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग ने 19.2 अरब डॉलर, स्टीव बालमर ने 14.5 अरब डॉलर, बर्नार्ड आरनॉल्ट ने 9.20 अरब डॉलर गंवाए है। दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 21वें नंबर पर मौजूद गौतम अडानी ने 4.60 अरब डॉलर गंवाए हैं।

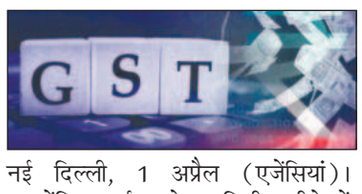

ट्रंप के टैरिफ से पहले चीन ने अपने बड़े बैंकों को कर दिया टाइट, आखिर क्या है ड्रैगन का प्लान

नई दिल्ली,1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजनाओं से दुनियाभर में उथलपुथल मची हुई है। जिस तरह वह एक के बाद एक टैरिफ घोषित करते जा रहे हैं, उससे ट्रेड वॉर का और गहराना तय है। इस बीच चीन ने अपनी इकॉनमी में जान फूंकने के लिए बड़ा फैसला लिया है। उसने अपने चार सबसे बड़े सरकारी बैंकों को निवेशकों से 520 अरब युआन (लगभग 71.60 अरब डॉलर) जुटाने को कहा है। यह रकम प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए जुटाई जाएगी। इसका मतलब है कि बैंक सीधे तौर पर निवेशकों को शेयर बेचेंगे। इस फैसले में चीन का वित्त मंत्रालय भी शामिल होगा। इसका मकसद है यह सुनिश्चित करना है कि बैंकों को अर्थव्यवस्था को सहारा देने में मदद मिल सके। चीन की सरकार ने पहले ही कहा था कि वह बैंकों को 500 अरब युआन की मदद देगी। इससे बैंक और ज्यादा लोन दे पाएंगे और अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। सरकार के इस फैसले के बाद बैंकों के शेयरों में सोमवार को उछाल आया। बैंक ऑफ चाइना ने कहा है कि वह 165 अरब युआन तक जुटाने का लक्ष्य बना रहा है। इसी तरह चाइना कंस्ट्रक्शन बैंक भी 105 अरब युआन तक के प्राइवेट प्लेसमेंट की योजना बना रहा है। बैंक ऑफ कम्युनिकेशंस ने कहा कि वह 120 अरब युआन तक के शेयर बेचेगा। पोस्टल सेविंग्स बैंक ऑफ चाइना 130 अरब युआन तक जुटाएगा। इन चारों बैंकों में चीन का वित्त मंत्रालय एक बड़ा शेयरधारक है। मंत्रालय भी इन चारों बैंकों की पूंजी जुटाने की प्रक्रिया में शामिल होगा। बैंक ऑफ कम्युनिकेशंस ने अपनी फाइलिंग में कहा है कि शेयर जारी होने के बाद वित्त मंत्रालय उसका सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा। चीन के बड़े बैंकों का सालाना मुनाफा स्थिर रहा है लेकिन उनकी कमाई में कमी आई है। ऐसा इसलिए हुआ है क्योंकि अर्थव्यवस्था धीमी हो गई है और प्रॉपर्टी सेक्टर भी मुश्किलों का सामना कर रहा है। चीन की इकॉनमी में रियल एस्टेट का एक तिहाई हिस्सा है। रियल एस्टेट के डूबने से बैंकिंग सेक्टर पर भी खतरा मंडरा रहा है। विश्लेषकों ने चीन के अधिकारियों से कहा है कि वे बैंकों को जल्दी से पूंजी दें।

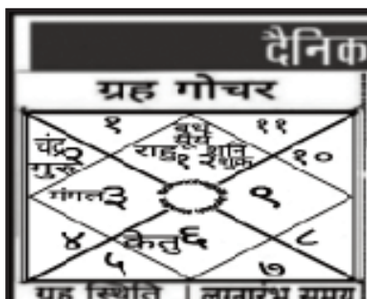

केवल आपके लिए ही नहीं इन कंपनियों के लिए भी खास है 1 अप्रैल का दिन, ये है कारण

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। 1 अप्रैल यानी वित्त वर्ष का पहला दिन जो कई मायनों में काफी अहम है। इस दिन से आपकी जेब से जुड़े कई अहम बदलाव होने जा रहे हैं। लेकिन आज का दिन जितना आपके लिए खास है उतना ही नौकरी.कॉम के संस्थापक संजीव बिखचंदानी के लिए भी खास है। नौकरी.कॉम के संस्थापक संजीव बिखचंदानी ने एक्स पर एक मजेदार फैक्ट शेयर किया है। उन्होंने बताया कि कुछ शुरुआती भारतीय स्टार्टअप- नौकरी, इंडियामार्ट और मेकमायट्रिप- ने अपना लॉन्च के लिए 1 अप्रैल की तारीख चुनी थी। उन सभी कंपनियों को एनिवर्सरी की बधाई.

नौकरी की शुरुआत 1 अप्रैल, 1997 को हुई थी

संजीव बिखचंदानी ने एक्स पर बताया कि नौकरी की शुरुआत 1 अप्रैल, 1997 को हुई थी. आज इन्फो एज के पहले इंटरनेट बिजनेस की शुरुआत की 28वीं एनिवर्सरी है. अगर मुझे सही से याद है तो इंडिया मार्ट की शुरुआत एक साल पहले 1 अप्रैल, 1996 को हुई थी और मेकमायट्रिप की शुरुआत तीन साल बाद 1 अप्रैल, 2000 को हुई थी. यह मेकमाईट्रिप की पच्चीसवीं एनिवर्सरी है-बधाई.

1 अप्रैल को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया जाना चाहिए

इस पोस्ट के कुछ ही घंटों के बाद लोगों ने अपने रिएक्शन देने शुरू कर दिए . जिनमें से कुछ लोगों ने कई कंपनियों को लम्बे समय तक टिके रहने के लिए बधाई दी. एक यूजर ने कहा, "तीनों कैटेगरी के क्रिएटर 2 दशकों से अधिक समय तक जीवित रहे और सफल रहे, यह अपने आप में एक शानदार उपलब्धि है. एक ने कहा, "ऐसी स्थिति में 1 अप्रैल को राष्ट्रीय स्टार्टअप दिवस मनाया जाना चाहिए.

भाई, बहनें, दोस्त, नौकर, पेट्स: रतन टाटा ने अपनी प्रॉपर्टी में किसे क्या दिया? हो गया है खुलासा

नई दिल्ली,1 अप्रैल (एजेंसियां)। दिवंगत उद्योगपति रतन टाटा की वसीयत का खुलासा हो गया है। उन्होंने अपनी संपत्ति का बड़ा हिस्सा दान कर दिया है। उनकी संपत्ति लगभग 3,800 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसमें टाटा संस के शेयर और दूसरी चीजें शामिल हैं। यह सब रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को दिया गया है। ये दोनों कंपनियां दान और परोपकार के काम करती हैं।

रतन टाटा के पास कुछ और भी संपत्ति थी। इसमें बैंक में जमा पैसे, कुछ कागजात और घड़ियां-पेंटिंग जैसी चीजें शामिल थीं। इसकी कीमत लगभग 800 करोड़ रुपये थी। इसका एक तिहाई हिस्सा उन्होंने अपनी दो सौतेली बहनों, शिरीन जेजेभोय और डीना जेजेभोय को दिया है।

बाकी का एक तिहाई हिस्सा मोहिनी एम दत्ता को मिला है। मोहिनी टाटा ग्रुप में काम करती थी और रतन टाटा के करीब थे। रतन टाटा के जुहू वाले बंगले का एक हिस्सा उनके भाई जिमी नवल टाटा को मिलेगा। जिमी 82 साल के हैं। रतन टाटा ने अपने एक करीबी दोस्त मेहली मिस्त्री को अलीबाग वाली प्रॉपर्टी दी है। साथ ही टाटा की तीन बंदूकें भी उन्हें मिलेंगी।

इसमें एक .25 बोर की पिस्तौल भी है, जो उन्हें बहुत पसंद थी। वसीयत को लागू करने वालों ने बॉम्बे हाई कोर्ट में एक अर्जी दी है। वे चाहते हैं कि कोर्ट वसीयत को सही माने। वसीयत में कुछ बदलाव भी किए गए हैं, जिन्हें कोडिसिल कहा जाता है। कोर्ट के कागजात के अनुसार यह अर्जी इसलिए दी गई है ताकि वसीयत के अनुसार संपत्ति का बंटवारा किया जा सके।रतन टाटा ने 23 फरवरी, 2022 को एक वसीयत बनाई थी। इसमें चार कोडिसिल हैं।

आखिरी कोडिसिल में यह बताया गया है कि रतन टाटा ने कुछ कंपनियों के शेयर खरीदे थे। इनमें लिस्टेड और अनलिस्टेड दोनों तरह की कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावा, कुछ ऐसी संपत्ति भी थी जिसके बारे में वसीयत में कुछ नहीं लिखा था। यह सब रतन टाटा एंडोमेंट फाउंडेशन और रतन टाटा एंडोमेंट ट्रस्ट को बराबर-बराबर दिया जाएगा।

वसीयत का प्रोबेट एक कानूनी प्रक्रिया है। इसमें कोर्ट यह देखता है कि वसीयत असली है या नहीं। इसके बाद, वसीयत को लागू करने वाला व्यक्ति टाटा वसीयत के अनुसार संपत्ति का बंटवारा कर सकता है। वकील डेरियस खंबाटा, मेहली मिस्त्री, शिरीन और डीना जेजेभोय वसीयत को लागू करने वाले।

इस प्रक्रिया में लगभग छह महीने लग सकते हैं।रतन टाटा का पिछले साल 9 अक्तूबर को निधन हो गया था। उनकी इच्छा के अनुसार उनके पालतू जानवरों के लिए 12 लाख रुपये का फंड बनाया जाएगा। हर जानवर को हर तीन महीने में 30,000 रुपये मिलेंगे।

इसके अलावा उनके करीबी शांतनु नायडू को दिया गया स्टूडेंट लोन माफ कर दिया जाएगा। साथ ही टाटा के पड़ोसी जेक मालिटे को दिया गया ब्याज-मुक्त एजुकेशन लोन भी माफ कर दिया जाएगा।

अप्रैल के पहले ही दिन सरकार को मिला बंपर तोहफा, खजाने में आए 1.96 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। फाइनेंशियल ईयर के आखिरी महीने में जीएसटी कलेक्शन 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 1.96 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। जीएसटी का घरेलू लेनदेन से राजस्व 8.8 प्रतिशत बढ़कर 1.49 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयातित वस्तुओं से राजस्व 13.56 प्रतिशत बढ़कर 46,919 करोड़ रुपये रहा। मार्च के दौरान कुल रिफंड 41 प्रतिशत बढ़कर 19,615 करोड़ रुपये हो गया। रिफंड समायोजित करने के बाद मार्च, 2025 में शुद्ध जीएसटी राजस्व 1.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो एक वर्ष पहले इसी महीने की तुलना में 7.3 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले फरवरी के महीने में भी सरकार को जीएसटी से अच्छी खासी कमाई हुई थी, फरवरी में जीएसटी कलेक्शन से सरकार के पास 1.84 लाख करोड़ रुपए आए। वहीं जनवरी की बात करें तो इस महीने में सरकार को 1.96 लाख करोड़ रुपए जीएसटी कलेक्शन में मिले थे। अगर 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 तक के बीच के जीएसटी कलेक्शन की बात करें तो सरकार को 21.72 लाख करोड़ रुपए की कमाई हुई है। पहले बिजनेस करने वालों के पास कॉमन आईटीसी को अपने अपने जीएसटी रजिस्ट्रेशन में आवंटित करने के लिए दो ऑप्शन थे। इसमें दो ऑप्शन यह थे कि आईएसडी मैकेनिज्म या क्रॉस-चार्ज मेथड, लेकिन अब 1 अप्रैल 2025 से आईएसडी का इस्तेमाल न करने पर रेसिपिएंट लोकेशन के लिए आईटीसी नहीं दी जाएगी। अगर आईटीसी का गलत वितरण होता है तो टैक्स अथॉरिटी ब्याज सहित राशि वसूल करती है। इसके साथ ही अनिवार्य वितरण के लिए जुर्माना भी लगेगा, जो आईटीसी की राशि या 10 हजार रुपए से भी अधिक होगा।

सैफअली खान अटैक केस, युवक ने मांगा 1 करोड़ का मुआवजा

महाराष्ट्र गृह मंत्रालय के खिलाफ मानहानि का केस कहा–शादी टूटी–नौकरी गई, अब आत्महत्या ही रास्ता

भिलाई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आकाश कनौजिया को बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान की हत्या की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसकी वजह से उनकी नौकरी और शादी दोनों चली गई। अब उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट में महाराष्ट्र के गृह मंत्रालय के खिलाफ 1 करोड़ रुपए का मानहानि का मुकदमा दायर किया है।

मुंबई के समाजसेवी और वकील फैजान अंसारी ने आकाश का साथ दिया है। उन्होंने हाईकोर्ट से अपने मुवक्किल के लिए न्याय की गुहार लगाई है। आकाश ने अपनी याचिका में दावा किया है कि, मुंबई पुलिस ने उसके पकड़े जाने की खबर मीडिया में दी थी।

मीडिया में फोटो-वीडियो आने से उसकी बदनामी हुई। अब रिश्तेदारों ने भी उससे दूरी बना ली है। वह नौकरी के लिए दर-दर भटक रहा है। मानसिक और आर्थिक रूप से टूट गया है। उसके सामने आत्महत्या करने के सिवाय कोई रास्ता नहीं बचा है।

अधिवक्ता फैजान अंसारी ने होम मिनिस्ट्री से मानहानि के एवज में 1 करोड़ रुपए की राहत राशि की मांग की है। उसने अपनी दलील में बताया कि, आकाश कनौजिया को सैफ अली के घर में घुसकर चाकू से हमला करने के संदेह में दुर्ग रेलवे स्टेशन पर पकड़ा गया था।

इसके बाद मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम वहां पहुंची थी। पुलिस ने रातभर आकाश से पूछताछ की। उसके बाद अगले दिन उसे छोड़ दिया गया। आकाश अपने मुंबई स्थित घर लौट गया था। इसके बाद उसने 3 मार्च 2025 को बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की है।

मंबई में बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खाने के घर में 15 जनवरी 2025 की रात दो बजे एक चोर घुसा था।

वहां उसने सैफ पर चाकू से हमला किया। इसमें उसके गले, पीठ, हाथ और सिर में चोट आई थी। सैफ को 6 जगह पर चाकू लगा था।

सैफ पर हमला करने वाला आरोपी मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद उर्फ विजय दास है। पुलिस ने उसकी जगह पर आकाश को संदेही के रूप में हिरासत में लिया था। जब शरीफुल पकड़ा गया तो आकाश को छोड़ दिया गया।

शरीफुल के पास से पुलिस को बांग्लादेशी आईडी और ड्राइविंग लाइसेंस मिला था। वो अपना नाम विजय दास रखकर अवैध रूप से मुंबई में रह रहा था। आरोपी 5 महीने से मुंबई में रह रहा था। हाउस कीपिंग का काम करता था।

इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने संदिग्ध आकाश की फोटो रेलवे पुलिस से शेयर की थी। संदिग्ध की तलाश में रेलवे पुलिस उस फोटो को सभी जगह सर्कुलेट किया।

इस दौरान आकाश भी 18 जनवरी को मुंबई-हावड़ा ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस से अपनी नानी के घर जांजगीर-चांपा जा रहा था, लेकिन रेलवे पुलिस ने हिरासत में लिया।

अकाश ने बताया था कि, उसकी शादी तय होने वाली है। वो लड़की देखने जांजगीर-चांपा जा रहा है। वहां उसके रिश्तेदार भी रहते हैं। आकाश ने पुलिस को बताया था कि, वो मूलतः यूपी का रहने वाला है, लेकिन अपने माता-पिता के साथ कोलाबा में रहता है। यहां रहकर वो ड्राइवरी करता है।

धमतरी में पुलिस कस्टडी में मौत के बाद बवाल

किसानों से ठगी का था आरोपी, मां बोली–पुलिस वालों ने मार दिया, किसानों और परिजन में भी झड़प

धमतरी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। धमतरी में पुलिस कस्टडी में एक आरोपी की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मंगलवार को अस्पताल के बाहर परिजन रोते-बिलखते रहे। मां ने रोते हुए कहा कि, पुलिस वालों ने मेरे बेटे को मार दिया। मामला अर्जुनी थाने का है, एसपी ने थाना प्रभारी सनी दुबे को निलंबित कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी का नाम दुर्गेश कठौलिया है जो ग्राम भवरमरा, जिला दुर्ग का रहने वाला था। दुर्गेश पर किसानों से 7 करोड़ 73 लाख रुपए ठगने का आरोप था। इसके बाद 31 मार्च को आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शन के बौदान किसानों और परिजन की भी झड़प हुई है। मौत की सूचना पर मृतक आरोपी दुर्गेश कठौलिया का परिवार जिला अस्पताल परिसर पर धरने पर बैठ गया। इसी दौरान पीड़ित किसान भी पहुंचे और धरना दे रहे परिजन के पास ही पुलिस प्रशासन जिंदाबाद के नारे लगाते दिखे। इसे देख मृतक के परिजन भड़क गए और धक्का-मुक्की हो गई। मृतक के परिजनों ने आरोप लगाते हुए कहा कि, नारे लगा रहे किसानों की ओर से ही दुर्गेश को मरवाया गया है। जैसे-तैसे पुलिस ने किसानों को तत्काल जिला अस्पताल परिसर से हटाया। मृतक के पिता ने बताया कि, बेटे को दुर्ग से गिरफ्तार कर लाया गया था।

घर पहुंचते ही पुलिस और किसानों ने घर में रखें कागजात को तहस-नहस कर दिया। बेटे को संकल (लोहे की चैन) से बेदर्दी से मारा गया। उनका बेटा पानी पी रहा था, पुलिस ने पानी को फेंक दिया। मृतक आरोपी दुर्गेश कठौलिया की पत्नी दुर्गा ने भी पुलिस पर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि, पुलिस ने कार्रवाई को लेकर किसी भी तरह की जानकारी नहीं दी। साथ ही पुलिस ने उनके पति को बेरहमी से मारा है। हत्यारों को सजा मिलनी चाहिए। पुलिस का कहना है कि, आरोपी को न्यायालय से रिमांड पर थाने लाया गया था। इस दौरान उसकी तबीयत अचानक खराब हो गई। पुलिस तुरंत उसे अस्पताल ले गई। अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के मुताबिक, प्रार्थी रोहित सिन्हा समेत 50 किसानों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि धान को ज्यादा कीमत पर बेचने के नाम से दुर्गेश ने उनसे करोड़ों रुपए ठगे।

घर में घुसकर महिला सरपंच की हत्या

जशपुर में धारदार हथियार से वार, गला भी रेता घर के आंगन में नहा रही थी तभी मार डाला

जशपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जशपुर जिले के ग्राम पंचायत डोंगादरहा की महिला सरपंच की हत्या कर दी गई है। मंगलवार को प्रभावती सिदार जब अपने घर के आंगन में नहा रही थी तभी कुछ हमलावर अचानक घुसे। फिर हथियार से मारा और लगा रेतकर मौत के घाट उतार दिया। मामला तुमला थाना क्षेत्र का है। घटना दोपहर करीब 12 बजे की है। हमले में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। हमलावर वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

घटना के बाद उत्तम सिदार के भतीजे ने प्रभावती को कोतबा स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बता दे प्रभावती के पति पूर्व सरपंच और सरपंच संघ के अध्यक्ष रहे है। प्रभावती हाल ही में चुनाव जीतकर सरपंच बनी थी।

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने घटना की पुष्टि की है। तुमला पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल सोनी भी घटनास्थल का जायजा ले रहे हैं। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

यज्ञ के लिए भिक्षाटन पर निकलीं महिलाओं पर पत्थरबाजी

दो पक्षों में तनाव, पुलिस तैनात

कोडरमा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के कोडरमा जिले के छतरबर गांव में मंगलवार को धार्मिक अनुष्ठान के लिए माथे पर कलश लेकर भिक्षाटन पर निकलीं महिलाओं पर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर सैकड़ों लोग मौके पर इकट्ठा होकर पथराव की घटना का विरोध जताने लगे। इससे इलाके में टकराव और तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस-प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

घटना के बाद छतरबर और आसपास के इलाके में बड़ी तादाद में पुलिस बलों की तैनाती की गई है। बताया गया कि कोडरमा थाना क्षेत्र के चेचाई गांव में 9 अप्रैल से 17 अप्रैल तक सामुदायिक सहयोग से यज्ञ अनुष्ठान का आयोजन किया जाना है। इसके लिए गांव की लगभग 60 महिलाएं कलश लेकर गीत गाती हुई आसपास के सात गांवों में भिक्षाटन पर निकली थीं। यह कलश यात्रा छतरबर गांव से गुजर रही थी, तो कुछ लोगों ने छतों से पथराव कर दिया। इससे कई महिलाओं का कलश क्षतिग्रस्त हो गया।

महिलाओं ने इस घटना की सूचना अपने गांव के लोगों को दी तो बड़ी संख्या में लोग लाठी-डंडे के साथ मौके पर पहुंच गए। वे लोग पथराव की घटना पर विरोध जताने लगे। दूसरे पक्ष के लोग भी इस पर उनके सामने आ गए। दो पक्षों के बीच टकराव की स्थिति बन गई।

इसी बीच घटना की सूचना पाकर कोडरमा जिला मुख्यालय से पुलिस बल के साथ कई अधिकारी पहुंचे। कलश यात्रा पर निकली महिलाओं को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। छतरबर गांव के चौक के पास इकट्ठा लोगों को पुलिस ने वहां से हटाया।

चेचाई गांव के लोगों का कहना है कि धार्मिक अनुष्ठान के आयोजन में बाधा डालने और महिलाओं पर पथराव करने वाले तत्वों की पहचान कर अविलंब उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। यह धार्मिक आस्था और परंपरा पर हमला है। पथराव की घटना को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने ड्रोन के जरिए इलाके में निगरानी शुरू कराई है।

घटनास्थल पर पहुंचे एसडीपीओ अनिल कुमार सिंह ने चेतावनी दी है कि सौहार्द्र बिगाड़ने की कोशिश करने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पथराव करने वाले लोगों की पहचान की जा रही है।

एक ही परिवार के 3 लोगों की मिली लाश

गिरिडीह में मां–बेटे का शव फंदे से लटका था बेटी की लाश तालाब में मिली, पिता हिरासत में

गिरिडीह, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। गिरिडीह में मंगलवार को एक ही परिवार के तीन सदस्यों का शव एक तालाब के पास से बरामद किया गया। मां और बेटे की लाश पेड़ से बने फंदे से लटकी मिली। जबकि बेटी का शव तालाब में उपलाता मिला। पिता पुलिस हिरासत में है। घटना तिसरी के लोकाई थाना क्षेत्र स्थित बर्दानी गांव की है। मृतकों की पहचान चारो हेंब्रम की पत्नी रेणु टुडू (28), पुत्र सचित हेंब्रम (8) और पुत्री सरिता हेंब्रम (6) के रूप में की गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, चारो हेंब्रम और रेणु टुडू के बीच सोमवार रात किसी बात पर विवाद हुआ था। मंगलवार की सुबह कुछ ग्रामीण लोकाय थाना क्षेत्र के पनियाय गांव स्थित तालाब की ओर गए थे। इसी बीच उन्हें एक महिला और बच्चे का शव पेड़ से झूलता दिखाई दिया। वहीं, एक बच्ची का शव तालाब में उपलाता नजर आया। इसके बाद उन्होंने इसकी सूचना अन्य ग्रामीण, मुखिया और पुलिस को दी। लोगों का कहना है कि पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद ही चारो हेंब्रम ने अपनी पत्नी ओर बेटे-बेटी की हत्या कर दी होगी। वहीं, घटना की सूचना मिलने के बाद लोकाई थाना की पुलिस के साथ साथ खोरीमहुआ एसडीपीओ राजेंद्र प्रसाद भी घटनास्थल पर पहुंचे और पूरे मामले की जांच में जुट गए हैं। पुलिस चारो हेंब्रम से पूछताछ कर रही है।

रेप केस में उम्रकैद वाले बजिंदर का छत्तीसगढ़ कनेक्शन

विधायक कविता लहरे ने पादरी को दंडवत प्रणाम किया था, बोलीं–पप्पाजी के प्रेयर से बनी एमएलए

रायपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। येशु-येशु वाले जालंधर के चर्चित बजिंदर सिंह को रेप केस में मोहाली कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। 3 दिन पहले बजिंदर को कोर्ट ने दोषी करार दिया था। बजिंदर का छत्तीसगढ़ कनेक्शन भी सामने आया है। बिलाईगढ़ से कांग्रेस विधायक कविता प्राण लहरे ने कहा था कि, पप्पाजी के प्रेयर से एमएलए बनी हूं।

दरअसल, भाजपा ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पर बिलाईगढ़ से कांग्रेस विधायक कविता प्राण लहरे का एक पुराना वीडियो शेयर किया था। जिसमें कविता प्राण लहरे बजिंदर सिंह को दंडवत प्रणाम करती नजर आ रही हैं। विधायक बनने का श्रेय बजिंदर सिंह को देती दिख रही हैं।

इस पर बीजेपी ने कहा कि, धर्मांतरण गिरोह के सरगना और एक बलात्कारी की समर्थक, छत्तीसगढ़ की अस्मिता को तार-तार करने वाली बिलाईगढ़ विधायक कविता प्राण लहरे को छत्तीसगढ़ वासियों से माफी मांगनी चाहिए। वहीं विधायक के मुताबिक वो सबसे पहले जनप्रतिनिधि हैं। सभी धर्मों के लोगों और समाज के बीच जाती हूं। मैंने कोई गलत नहीं किया। दरअसल, विधायक कविता प्राण लहरे का एक वीडियो बीजेपी ने शेयर किया था, जिसमें विधायक कह रही हैं कि वह इसी पादरी की वजह से चुनाव जीतकर विधायक बनी हैं। वीडियो में बजिंदर सिंह दिख रहे हैं। ये वही पादरी हैं जो सभाएं लेते हैं। पंजाबी ढोल में मेरा यशु-यशु गीत पर वायरल हुए थे। जालंधर में इनकी सभा में कांग्रेस विधायक कविता गईं। वीडियो में दिख रहा है कि वो बजिंदर के करीब खड़ी हैं।

बरहेट में मालगाड़ियां टकराईं

2 की मौके पर ही मौत, भयानक हादसा

साहेबगंज, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड के बरहेट में एक दुखद घटना हुई है। यहां कोयला ढोने वाली दो मालगाड़ियां आपस में टकरा गईं। यह हादसा मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। इस दुर्घटना में दो लोगों की जान चली गई। दोनों गाड़ियां गलती से एक ही पटरी पर आ गईं, जिसके कारण यह हादसा हुआ।

जानकारी के अनुसार, फरक्का से ललमटिया जा रही एक मालगाड़ी बरहेट में खड़ी थी। तभी ललमटिया से एनटीपीसी का कोयला लेकर फरक्का जा रही दूसरी मालगाड़ी ने उसमें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों इंजन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें आग लग गई।

दुर्घटना के बाद तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी गई। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग को बुझाया। हादसे में मारे गए दो लोगों में से एक का शव अस्पताल भेज दिया गया है। जबकि दूसरे व्यक्ति का शव अभी भी इंजन में फंसा हुआ है। इस घटना के कारण उस रेलवे लाइन पर मालगाड़ियों का परिचालन रोक दिया गया है। अधिकारियों का कहना है कि लाइन को ठीक करने में दो से तीन दिन लग सकते हैं। इस बीच, रेलवे विभाग घटना की जांच कर रहा है। वे यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि दोनों गाड़ियां एक ही पटरी पर कैसे आ गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोग और रेलवे कर्मचारी तुरंत राहत और बचाव कार्य में जुट गए। दुर्घटना के कारण आसपास के इलाकों में भी अफरा-तफरी का माहौल है। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि इस घटना की उच्च स्तरीय जांच की जाएगी। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। रेलवे ने मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने की भी घोषणा की है।

कोरिया के सरकारी पोल्ट्री फार्म में फैला बर्ड फ्लू

9998 चूजों, 2487 मुर्गियों को मारा गया, 19095 अंडे किए नष्ट, सूरजपुर–सरगुजा में भी अलर्ट

कोरिया/सरगुजा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में बर्ड फ्लू की पुष्टि हुई है। जानकारी के मुताबिक बैकुंठपुर के प्रेमाबाग स्थित शासकीय कुक्कुट पालन केंद्र में 12 मुर्गियों में बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लूएंजा) की पुष्टि हुई। इसके बाद पोल्ट्री फार्म में 19 हजार से ज्यादा अंडे, करीब 10 हजार चूजे नष्ट किए गए। इसके अलावा 2 हजार 487 मुर्गियां और 2 हजार 448 बटेरों को भी मारा गया है। इधर सूरजपुर और सरगुजा जिले में भी अलर्ट जारी किया गया है।

भोपाल स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाई सिक्योरिटी एनिमल डिजीज से ये रिपोर्ट मिली है। इसके बाद कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने सोमवार को आपातकालीन बैठक बुलाई। उन्होंने आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही कलेक्टर ने एक किलोमीटर तक के क्षेत्र को इंफेक्टेड जोन घोषित किया है। वहीं 10 किलोमीटर के क्षेत्र को सर्विलांस जोन पर रखा गया है। इस क्षेत्र में मुर्गे-मुर्गियों और अंडों की बिक्री को बैन किया गया है।

प्रशासन ने रातभर अभियान चलाकर कुक्कुट पालन केंद्र में मौजूद अंडे, चूजे, मुर्गियां और बटेरों को नष्ट किया। पूरा अमला पीपीई किट पहनकर इस काम में जुटा रहा। सभी पक्षियों को केंद्र के भीतर ही खोदे गए गड्ढों में दफनाया गया। ताकि संक्रमण को फैलने से रोका जा सके।

पशु चिकित्सा सेवाओं की उप संचालक विभा सिंह बघेल के नेतृत्व में आगे की कार्रवाई की जा रही है। पक्षियों को नष्ट करने के बाद अब केंद्र को पूरी तरह से सैनिटाइज किया जा रहा है। मौके पर अपर कलेक्टर अरुण मरकाम, एसडीएम दीपिका नेताम, तहसीलदार अमृता सिंह और पशु चिकित्सा सेवाओं के अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने सोमवार को आपातकालीन बैठक बुलाई। प्रशासन की ओर से बर्ड फ्लू को लेकर ऐहतियात।

1 किलोमीटर तक का क्षेत्र इंफेक्टेड जोन और 10 किमी का क्षेत्र सर्विलांस क्षेत्र रहेगा। इस क्षेत्र में आस पास के लोगों से अपील की गई है कि, अपनी मुर्गियां बाहर चरने न छोड़ें।

इस क्षेत्र में मुर्गे-मुर्गियों, अंडे, मांस और मुर्गीदाना बेचना बैन किया गया है। पशु चिकित्सा विभाग ने 5 रैपिड रिस्पॉन्स टीम बनाई हैं। स्वास्थ्य विभाग ने डोर टू डोर सर्वे के लिए 5 टीम गठित की है।

सब्जी लेकर नहीं आया पति तो डांसर ने दी जान

शव के पास रोती मिली 2 साल की बेटी, 3 साल पहले की थी लव मैरिज

आरा (भोजपुर), 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भोजपुर में पति से परेशान होकर डांसर पत्नी ने रविवार की रात जहर खाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह 2 साल की बेटी की रोने की आवाज सुनकर मृतका की मौसी कमरे में पहुंची तो देखा उसकी मां का शव बेड पर पड़ा है। उसके मुंह से झाग आ रहा था और बच्ची रो रही थी। मृतका की मौसी ने दामाद पर जहर देने का आरोप लगाया है। घटना आयर थाना क्षेत्र के श्रीपुर गांव की है। मृतका की पहचान प्रियंका देवार (18) के रूप में की गई, जो छत्तीसगढ़ के भलपहाड़ी के रहने वाले सिकंदर देवार की बेटी थी।

प्रियंका ने तीन साल पहले आयर थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव के रहने वाले लक्ष्मण शर्मा से शादी की थी।

घटना की सूचना मिलने के बाद आयर थाने की पुलिस मौके पहुंची और शव का पोस्टमॉर्टम करवाया। इसके साथ ही मामले की जांच में जुट गई। वहीं, प्रियंका की मौत के बाद पति लक्ष्मण फरार है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

प्रियंका की मौसी कौशिला ने बताया कि 'हमलोग श्रीपुर के रहने वाले अशोक राम की पत्नी के नाम से मुस्कान थिएटर चलाते हैं। पांच साल पहले यानी 2020 में प्रियंका छत्तीसगढ़ से डांस प्रोग्राम करने के लिए श्रीपुर आई थी। यहां किराए के मकान में रहकर बिहार, दिल्ली समेत अन्य राज्यों में डांस करने जाती थी। 2020 में श्रीपुर गांव में एक डांस प्रोग्राम कर रहे थे। इस प्रोग्राम में लक्ष्मण आया है और प्रियंका को पसंद किया था।'

कई दिनों तक जहां भी प्रियंका

डांस करने जाती थी, वहां लक्ष्मण पहुंच जाता था। एक दिन लक्ष्मण ने प्रियंका को प्रपोज कर उसका नंबर मांगा, फिर दोनों एक साल तक फोन पर बात करते रहे। 2022 में दोनों शादी की। दोनों एक साल तक काफी खुशी थे। हालांकि, लक्ष्मण का पूरा परिवार इस शादी के खिलाफ था। उसका परिवार बार-बार बोलता था कि तुमने नचनिया से शादी की है, उसे कभी घर लेकर मत आ जाना। इस बात को लेकर भी प्रियंका काफी दुखी रहती थी।

महिला का हाथ उखाड़ा, कमिश्नर ऑफिस के प्यून को कुचला

बलरामपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में हाथियों का उत्पात नहीं थम रहा है। बलरामपुर जिले में दंतैल हाथी के हमले से 2 लोगों की मौत हो गई। इसमें एक महिला और कमिश्नर ऑफिस का प्यून है। हाथी ने सोमवार की शाम हमला करते हुए महिला का हाथ उखाड़ दिया था। वहीं तड़के सुबह प्यून को कुचल दिया।

2 लोगों की मौत से भड़के ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। छतवा में डिप्टी रेंजर ऑफिस के सामने चक्काजाम कर सुरक्षा बढ़ाने की मांग की गई। पुलिस और वन विभाग के अधिकारियों की समझाइश के बाद चक्काजाम खत्म हुआ।

जानकारी के मुताबिक, रामचंद्रपुर क्षेत्र में विचरण कर रहे 10 हाथियों के दल से एक दंतैल अलग हुआ था। दंतैल हाथी सोमवार शाम 7 बजे फुलवार गांव पहुंच गया। हाथी ने गेंहू के खेत में पत्नी के साथ काम कर रहे उस्मान अंसारी (50 साल) पर हमला कर दिया। हाथी को पति पर हमला करते हुए देख उसकी पत्नी अस्मीना अंसारी (45 साल) हाथी से भिड़ गई। हाथी ने अस्मीना का बायां हाथ उखाड़ दिया।

महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। उस्मान का शोर सुनकर ग्रामीण पहुंचे और दोनों घायलों को हॉस्पिटल पहुंचाया।

रामानुजगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से दोनों को अंबिकापुर रेफर कर दिया। दोनों को अंबिकापुर के मिशन हॉस्पिटल में दाखिल कराया। मिशन हॉस्पिटल में इलाज के दौरान अस्मीना अंसारी की मौत हो गई। वहीं पति उस्मान का उपचार किया जा रहा है।

डायन के शक में पोते ने की दादी की हत्या

दोस्त संग मिल वारदात को दिया अंजाम, शव बाइक से रेलवे ट्रैक पर फेंका

जमशेदपुर (पूर्वी सिंहभूम), 1 अप्रैल (एजेंसियां)। सरायकेला में एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां अंधविश्वास में एक पोते ने अपनी दादी की हत्या कर दी। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गम्हरिया थाना क्षेत्र के यशपुर रेलवे फाटक के पास 30 मार्च को एक महिला का क्षत-विक्षत शव मिला था। पुलिस ने जांच में पाया कि यह शव नारायणपुर की रहने वाली 60 वर्षीय भवानी कैवर्त का है। एसडीपीओ समीर सवैया के अनुसार, एसपी के निर्देश पर विशेष जांच दल का गठन किया गया। जांच में भौतिक और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतका के पोते लक्ष्मण कैवर्त और उसके दोस्त चंदन कैवर्त को गिरफ्तार किया गया।

जेल से बेटे को छुड़ाने का झांसा

कोरबा में बुजुर्ग से 1.25 लाख रुपए की ठगी, खेत गिरवी रखकर दिए थे पैसे

कोरबा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कोरबा में जेल में बंद व्यक्ति के पिता से लाखों रुपए की ठगी हुई है। पीड़ित व्यक्ति घसिया (74) का बेटा पॉक्सो एक्ट मामले में जेल में बंद है, जिसे छुड़ाने के नाम से एक शातिर ठग ने उनसे 1.25 रुपए ले लिए।

मामला करतला थाना क्षेत्र का है। अगस्त 2024 में शहजादा खान उर्फ राजू नाम का एक व्यक्ति घसिया के घर पहुंचा। उसने खुद को बिलासपुर के चिल्हाटी हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी का रहने वाला बताया।

आरोपी ने घसिया को बताया कि वह उनके बेटे के साथ जेल में था। उसने कहा कि उसकी पुलिस अधिकारियों और न्यायालय कर्मचारियों से अच्छी पहचान है। वह दाऊलाल को जेल से छुड़वा देगा, जिसके लिए 1.25 लाख रुपए खर्च होंगे। जिसके बाद घसिया ने अपना खेत बेचकर उसे पैसे दिए।

घसिया ने आरोपी की बातों में आकर 11 अगस्त को अपना खेत गिरवी रखकर 50 हजार रुपए दिए।

एक सप्ताह बाद 40 हजार और फिर 35 हजार रुपए और दे दिए। आरोपी ने कुछ दिनों में दाऊलाल के रिहा होने का आश्वासन दिया और चला गया। बाद में घसिया को पता चला कि उनके बेटे को सजा हो गई है। तब उन्हें ठगी का एहसास हुआ। बता दें कि ग्राम सुखरीखुर्द निवासी घसिया के बेटे दाऊ लाल उर्फ कुसवा को पॉक्सो एक्ट में जेल भेजा गया था। पीड़ित घसिया ने एसपी से शिकायत की है।

हूतियों के खिलाफ हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक वे समुद्री परिवहन के लिए खतरा बने रहेंगे: ट्रम्प

शिया मुल्क ईरान को होगा दर्द

वॉशिंगटन, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि यमन में हूतियों के खिलाफ हमले जारी रखने की धमकी दी है। ट्रंप ने कहा कि हूतियों पर हमले तब तक जारी रहेंगे, जब तक वे समुद्री परिवहन के लिए खतरा नहीं रह जाते। हूतियों और तेहरान को चेतावनी देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि असली दर्द आना अभी बाकी है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर ट्रंप ने कहा,' हूतियों के विकल्प स्पष्ट हैः अमेरिकी जहाजों पर गोलीबारी बंद करो और हम तुम पर गोलीबारी बंद कर देंगे।'

अमेरिकी हमलों को बताया शुरुआत

ट्रंप ने अमेरिकी हमलों को अभी शुरुआत बताया और कहा, हूतियों और ईरान में उनके प्रायोजकों दोनों के लिए असली दर्द आना अभी बाकी है। ट्रंप की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को धमकी दी है कि अगर वह परमाणु कार्यक्रम पर कोई समझौता नहीं करता है तो उसके ऊपर बमबारी की जाएगी।

ट्रंप ने पोस्ट में दावा किया कि 15 मार्च से जारी लगातार हमलों से हूतियों को खत्म कर दिया गया है और 'अमेरिकी सेना हर दिन और रात उन पर और जोर से हमला कर रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारे हमले तब तक जारी रहेंगे जब तक वे नेविगेशन की स्वतंत्रता के लिए खतरा नहीं रह जाते।'

यमन हमला लीक पर घिरा ट्रंप प्रशासन

डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन यमन पर हमलों को लेकर वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों की बातचीत को लेकर आलोचना से जूझ रहा है। यह बातचीत गलती से एक पत्रकार को लीक हो गई थी, जिसे सिग्नल ऐप पर एक ग्रुप चैट में किया जा रहा था। अटलांटिक पत्रिका के संपादक ने खुलासा किया था शीर्ष अधिकारियों के बीच चर्चा के दौरान उन्हें गलती से ग्रुप में शामिल कर लिया था और वे पूरी बातचीत के दौरान ग्रुप में मौजूद थे। रिपोर्ट के अनुसार, चैट पर डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार माइक वॉल्ट्ज और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने हवाई हमले और खुफिया जानकारी का विवरण साझा किया था।

ट्रंप ने इस मामले में अपने रक्षा मंत्री की छोटी और पहली गलती बताते हुए उन्हें क्लीनचिट दे दी थी। वॉइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस बारे में कहा कि यह मामला वॉइट हाउस में बंद हो चुका है।

जिनपिंग ने भारत की ओर बढ़ाया दोस्ती का हाथ

कहा- ड्रैगन-हाथी टैंगो के रूप में मजबूत हों रिश्ते

बीजिंग, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन ने एक बार फिर भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को कहा कि चीन और भारत को और अधिक निकटता से मिलकर काम करना चाहिए। दोनों देशों रिश्ते को ड्रैगन-हाथी टैंगो का रूप लेना चाहिए। यह हमारे प्रतीकात्मक जानवरों के बीच नृत्य है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चीन-भारत के राजनयिक संबंधों की शुरुआत की 75वीं वर्षगांठ पर बधाई संदेश में चीनी राष्ट्रपति ने यह बात कही। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने भी चीनी राष्ट्रपति को बधाई दी।

शी जिनपिंग ने कहा कि पड़ोसियों को शांतिपूर्ण ढंग से सह-अस्तित्व के तरीके ढूंढने चाहिए। वह प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मामलों में संचार और समन्वय को बढ़ाने, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति की रक्षा करने के लिए तैयार हैं। इसके अलावा चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग और प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बधाई संदेशों का आदान-प्रदान किया।

पिछले साल सुधरे दोनों देशों के रिश्ते

भारत और चीन ने पिछले साल बातचीत के बाद एक समझौते के तहत पूर्वी लद्दाख के अंतिम दो टकराव बिंदुओं, देपसांग और डेमचोक से सैनिकों की वापसी सुनिश्चित की। जिससे पिछले चार साल से अधिक समय से दोनों देशों के बीच चल रहा तनाव बहुत हद तक कम हो गया। समझौते को अंतिम रूप देने के बाद मोदी और शी ने 23 अक्तूबर को कजान में वार्ता की। बैठक में दोनों पक्षों ने विभिन्न स्तरों पर बातचीत फिर से शुरू करने का निर्णय लिया। इसके बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और वांग ने 18 दिसंबर को बीजिंग में 23वीं विशेष प्रतिनिधि (एसआर) वार्ता की।

दोनों देशों के बीच सकारात्मक दिशा में हुई वार्ता

बता दें कि विगत 25 मार्च को भारत और चीन के कूटनीतिक अधिकारियों ने आपसी संबंधों को बेहतर बनाने और सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाने पर विचार-विमर्श किया। यह बैठक दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण मौका थी, जिसमें एलएसी पर तनाव को कम करने और भविष्य में ऐसे वार्तालापों को और मजबूत करने पर चर्चा की गई।

म्यांमार भूकंप- मरने वालों का आंकड़ा 2 हजार के पार

270 लोग अभी भी लापता, 40 टन राहत सामग्री लेकर पहुंचे तीन भारतीय जहाज

नेपीदा, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। म्यांमार में आए भीषण भूकंप में मरने वालों की संख्या बढ़कर 2,056 हो गई है। सैन्य सरकार ने सोमवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक घायलों की संख्या 3900 से ज्यादा हो गई है। वहीं, 270 लोग अभी भी लापता हैं।

आपदा के बाद सोमवार को 7 दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गई है। सैन्य सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि हादसे में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 6 अप्रैल तक देशभर में राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे।

म्यांमार और थाईलैंड में 28 मार्च को 7.7 तीव्रता का भूकंप आया था। यह 200 साल का सबसे बड़ा भूकंप था। यूनाइटेड स्टेट जियोलॉजिकल सर्वे (यूएसजीएस) ने यह आशंका जताई है कि मौत का आंकड़ा 10 हजार से ज्यादा हो सकता है।

मंगलवार को भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री लगभग 40 टन राहत सामग्री लेकर यांगून पहुंचे। इससे पहले 30 मार्च को आईएनएस कर्मुक और एलसीयू 52 श्रीविजयपुरम से 30 टन राहत सामग्री के साथ रवाना हुए थे। ये भी आज यांगून पहुंच गए। राहत कार्यों को और मजबूत करते हुए, भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस घड़ियाल लगभग 440 टन राहत सामग्री लेकर भेजा जा रहा है, जिसमें चावल, खाद्य तेल और दवाइयां शामिल हैं।

म्यांमार में सबसे ज्यादा भूकंप प्रभावित इलाका मांडले है। यह देश का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, जहां 17 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक ज्यादातर लोगों ने लगातार तीसरी रात घर सड़कों पर रात गुजारी, क्योंकि ज्यादातर लोगों के घर टूट चुके हैं। लोग भूकंप के बाद आ रहे आफ्टर शॉक्स से घबराए हुए हैं। चीनी मीडिया और पेरिस विदेश मंत्रालय के मुताबिक, भूकंप में मारे गए लोगों में 3 चीनी और 2 फ्रांसीसी नागरिक भी शामिल हैं। अभी भी म्यांमार के ज्यादातर हिस्से में कम्युनिकेशन ठप रहने की वजह से नुकसान की पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बताया कि भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस सतपुड़ा और आईएनएस सावित्री ऑपरेशन ब्रह्मा के तहत 30 टन रिलीफ सामग्री म्यांमार के यांगून बंदरगाह भेजे गए।

मलेशिया के गैस पाइपलाइन में आग लगने से भयानक हादसा

परमाणु बम फटने जैसा धमाका, हवा में बना 'मशरूम क्लाउड'

कुआलालंपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर के पास ही स्थिति सेलंगोर राज्य में गैस पाइपलाइन फटने से भयानक हादसा हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक पुत्रा हाइट्स में मंगलवार को एक गैस पाइपलाइन में आग लगने से भीषण विस्फोट हुआ है, जिसके बाद अधिकारियों ने आसपास के आवासीय क्षेत्रों को खाली कराने का आदेश दे दिए हैं। मलेशियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सेलंगोर राज्य के बीच में स्थिति पुट्रा हाइट्स में एक गैस स्टेशन के पास लगी आग कई। आग की इस गुबार को कई किलोमीटर दूर से ही देखा जा सकता है। गैस में लगी आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल को भेजा गया है। वहीं मेडिकल टीम कों भी घटनास्थल के पास रवाना कर दिया गया है। स्थानीय अधिकारियों के हवाले से मलेशियाई मीडिया ने धमाके में अभी 12 लोगों के गंभीर घायल होने और 82 लोगों को बचाने की बात कही है। इस धमाके का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें आग का एक विशाल बादल आसमान में उठता हुआ देखा जा सकता है। द स्टार अखबार ने अग्निशमन विभाग के डायरेक्टर वान मोहम्मद रजाली वान इस्माइल के हवाले से बताया है कि दर्जनों अग्निशमन कर्मियों को फौरन बचाव कार्य के लिए घटनास्थल की तरफ भेजा गया है। टीम ने आग लगने की वजह फटी हुई पाइपलाइन को बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये धमाका मलेशिया की समय के मुताबिक 8 बजकर 10 मिनट पर हुआ है। आग लगने और धमाके की वजह पेट्रोनास गैस पाइपलाइन में लीक होने को बकाया गया है। पाइपलाइन का लगभग 500 मीटर हिस्सा आग की चपेट में आ गया है। पाइपलाइन में आग लगने के बाद कई घरों में आग लग गई है और कुछ लोग आग की लपटों में फंस गए है। रिपोर्ट लिखे जाने तक पता नहीं चल पाया है कि कितने लोग आग में फंसे हुए हैं या कितने लोगों की जान गई है।

दुर्घटना के पीड़ितों को पुत्रा हाइट्स मस्जिद मल्टीपर्पज हॉल में एक अस्थायी राहत केंद्र में मेडिकल ट्रीटमेंट दी जा रही है।

इमरान खान दूसरी बार नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट

ह्यूमन राइट्स को बढ़ावा देने के लिए हुआ नामांकन, 2023 से जेल में बंद हैं

इस्लामाबाद, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को एक बार फिर नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया है। पाकिस्तान में मानवाधिकारों और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए इमरान खान का नामांकन किया गया है। नॉर्वे की राजनीतिक पार्टी पार्टियेट सेंट्रम से जुड़े पाकिस्तान वर्ल्ड अलायंस (पीडब्ल्यूए) ने इसकी घोषणा की है। ये नॉमिनेशन ऐसे समय में आया है जब इमरान खान राष्ट्रीय खजाने में गड़बड़ी करने के आरोप में 2023 से जेल में बंद हैं।

इससे पहले 2019 में भी उन्हें भारत के साथ तनाव कम करने के लिए नोबेल पीस प्राइस के लिए नॉमिनेट किया गया था।

पार्टियेट सेंट्रम ने रविवार को X पर पोस्ट किया- हमें पार्टियेट सेंट्रम की ओर से यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि हमने नामांकन का अधिकार रखने वाले किसी व्यक्ति के साथ मिलकर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित किया है।

इमरान खान को 2019 में भी नोबेल पीस प्राइज के लिए नॉमिनेट किया गया था। 2019 में भारत के साथ तनाव कम करने के लिए यह नॉमिनेशन किया गया था। उनके समर्थन में पाकिस्तान की संसद में एक प्रस्ताव पेश किया गया था, जिसमें कहा गया था कि बालाकोट हवाई हमले के बाद इमरान खान ने भारत के साथ तनाव कम करने की कोशिश की थी। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए 338 नॉमिनेशन हैं। इनमें से 244 व्यक्ति और 94 संगठन हैं। पिछले साल इस पुरस्कार के 286 उम्मीदवार नामांकित थे। 2016 में सबसे अधिक 376 नॉमिनेशन हुए थे। 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 31 जनवरी थी।

नोबेल नामिनेट्स के नाम 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते

नोबेल प्राइज वेबसाइट के मुताबिक उनकी ओर से किसी भी फील्ड में नोबेल के लिए नॉमिनेट होने वाले लोगों के नाम अगले 50 साल तक उजागर नहीं किए जाते हैं। इमरान का नाम प्रस्ताव रखने वाली संस्था ने उजागर किया है। इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अडियाला जेल में बंद हैं। जनवरी 2025 में पाकिस्तान की एक कोर्ट ने इमरान खान को 14 साल की सजा सुनाई है। उन पर राष्ट्रीय खजाने को 50 अरब पाकिस्तानी रुपए का नुकसान पहुंचाने के आरोप है। इस मामले में इमरान को 9 मई 2023 को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद पूरे मुल्क में फौज के कई अहम ठिकानों पर हमले हुए थे।

चीन ने ताइवान के चारों तरफ मिलिट्री ड्रिल लॉन्च की

अमेरिका को चेतावनी दी

बीजिंग, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। चीन की सेना ने मंगलवार को बताया कि उसने ताइवान के चारों तरफ सेना, नेवी, एयर फोर्स और रॉकेट फोर्स की जॉइंट एक्सरसाइज लॉन्च की है। चीन ने ये ऐलान अमेरिका को चेतावनी देते हुए किया है। दरअसल अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बीते दिनों एशिया के अपने पहले दौरे पर चीनी आक्रामकता का जवाब देने की बात कही थी।

सोशल मीडिया पर जारी बयान में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के ईस्टर्न थिएटर कमांड ने कहा कि चीन की सेना युद्ध अभ्यास के दौरान कई दिशाओं से ताइवान के करीब पहुंचेगी। इस अभ्यास में समुद्री और जमीनी टारगेट पर हमले और अहम इलाकों और समुद्री रास्तों की नाकेबंदी जैसी रणनीतियां शामिल होंगी। इसका मकसद सैनिकों की जॉइंट ऑपरेशन क्षमता को परखना है।

बयान में चीन की सेना ने कहा कि यह 'ताइवान की आजादी' की समर्थक अलगाववादी ताकतों के खिलाफ हमारा कड़ा संदेश और शक्तिशाली चेतावनी है।

भारत और अमेरिका मिलकर भारत में परमाणु रिएक्टर बनाएंगे

2007 में हुए समझौते को 18 साल बाद अमेरिकी प्रशासन की मंजूरी मिली

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका एनर्जी डिपार्टमेंट (डीओई) ने अमेरिकी कंपनी को भारत में संयुक्त तौर पर न्यूक्लियर पावर प्लांट डिजाइन और निर्माण के लिए अंतिम मंजूरी दे दी है। भारत और अमेरिका के बीच 2007 में सिविल न्यूक्लियर डील हुई थी, जिसके तहत ही 26 मार्च यानी बुधवार को यह मंजूरी दी गई है। अब तक भारत-अमेरिका सिविल परमाणु समझौते के तहत अमेरिकी कंपनियां भारत को परमाणु रिएक्टर और इक्विपमेंट निर्यात कर सकती थीं, लेकिन भारत में न्यूक्लियर इक्विपमेंट के किसी भी डिजाइन कार्य या मैन्युफैक्चरिंग पर रोक थी। भारत लगातार इस बात पर जोर दे रहा था कि रिएक्टर्स का डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर से लेकर हर काम देश में ही होना चाहिए।

अमेरिका ने होल्टेक इंटरनेशनल नाम की कंपनी को यूएस न्यूक्लियर एनर्जी एक्ट 1954 के तहत मंजूरी दी है। यूएस अथारिटी ने होल्टेक इंटरनेशनल के एप्लिकेशन के आधार पर तीन भारतीय कंपनियों को अन-क्लासिफाइड स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएसएमआर) टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने की इजाजत दी है। इन तीन कंपनियों के नाम लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड, टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड और होल्टेक की रीजनल सहायक कंपनी होल्टेक एशिया है। होल्टेक इंटरनेशनल अब संयुक्त रूप से स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) का निर्माण करेंगी और इसके सभी कम्पोनेंट्स और पार्ट्स का भी को-प्रोडक्शन भी करेंगी। हालांकि, अमेरिका ने शर्त रखी है कि संयुक्त रूप से डिजाइन और निर्मित परमाणु रिएक्टर्स को अमेरिकी सरकार की पूर्व लिखित सहमति के बिना भारत या अमेरिका के अलावा किसी अन्य देश में किसी अन्य संस्था को रि-ट्रांसफर नहीं किया जाएगा। इसे भारत की एक बड़ी कूटनीति जीत के तौर पर देखा जा रहा है। अमेरिकी सरकार ने कहा कि भारत में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी की बहुत ज्यादा कॉमर्शियल संभावनाएं हैं।

दक्षिण कोरिया में फिर बवाल

यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व सांसद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

सियोल, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण कोरिया में एक के बाद एक बवाल से हाहाकार मचा हुआ है। अब यहां यौन उत्पीड़न के आरोपी पूर्व सांसद की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि दक्षिण कोरिया के एक पूर्व सांसद सियोल में मृत पाए गए हैं। उन पर 2015 में एक महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था।

सियोल मेट्रोपॉलिटन पुलिस एजेंसी ने कहा कि चांग जे-वोन सोमवार रात राजधानी के पूर्वी हिस्से में एक स्टूडियो में मृत पाए गए। पुलिस को घटनास्थल पर एक नोट मिला। पुलिस ने उनकी मौत की जांच का हवाला देते हुए आगे कोई जानकारी नहीं दी।

चांग ने लंबे समय तक सियासत में अपनी जड़ें जमाकर रखीं। उन्होंने एक रूढ़िवादी सांसद के रूप में तीन कार्यकाल पूरे किए। वे महाभियोग लगाए गए राष्ट्रपति युन सुक येओल के प्रमुख सहयोगी थे। उन पर नवंबर 2015 में एक होटल में महिला का यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया गया था। तब वे बुसान में एक विश्वविद्यालय में उपाध्यक्ष थे। चांग ने पिछले महीने एक फेसबुक पोस्ट में आरोपों से इनकार किया था। उन्होंने इसे एकतरफा दावे करार दिया था। उन्होंने अपने सम्मान की रक्षा के लिए कानूनी कार्रवाई करने की प्रतिबद्धता जताई थी। इस बीच महिला के वकील किम जे-रयून ने चांग की मौत की खबर के बाद मंगलवार को होने वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस रद्द कर दी।

बांग्लादेशी अंतरिम पीएम बोले- भारत के नॉर्थ ईस्ट राज्य लैंडलॉक्ड

उनके पास समुद्र तक पहुंचने का रास्ता नहीं, हमारे बैकयार्ड में समुद्र है

बीजिंग, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने भारत के सात पूर्वोत्तर राज्य को लैंड लॉक्ड (भूमि से घिरे हुए) बताया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश उस पूरे इलाके के समुद्र का एकमात्र गार्डियन (संरक्षक) है। हमारे बैकयार्ड में समुद्र है। मोहम्मद यूनुस हाल ही में चीन की चार दिन की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे थे। यहां उन्होंने चीन को बांग्लादेश में निवेश करने का न्योता दिया। यूनुस ने कहा कि भारत के नॉर्थ-ईस्ट राज्य जिन्हें सेवन सिस्टर्स कहा जाता है लैंड लॉक्ड हैं। उनके पास समुद्र तक पहुंचने का रास्ता नहीं है। बांग्लादेश उस रीजन में समुद्र का एकमात्र गार्डियन है। इससे निवेश का बड़ा अवसर मिलता है।

अर्थशास्त्री और प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने मोहम्मद यूनुस के इस बयान पर आपत्ति जताते हुए सवाल उठाए हैं। संजीव सान्याल ने कहा कि चीन बांग्लादेश में निवेश करने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन यूनुस की तरफ से भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लैंड लॉक्ड होने का हवाला देकर की गई अपील हैरान करने वाली है।

यूनुस ने कहा कि यहां चीनी अर्थव्यवस्था का विस्तार हो सकता है- इस इलाके में चीजों को बनाया जा सकता है, प्रोड्यूस किया जा सकता है और बेचा जा सकता है। यह एक प्रोडक्शन हाउस है, हमें इस मौके का पूरा इस्तेमाल करना चाहिए।

यूनुस के बयान में इस तथ्य को पूरी तरह से नजरअंदाज किया गया है कि भारत अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी के तहत नॉर्थ में कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए भारी निवेश कर रहा है। इसमें कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट जैसी परियोजनाओं के जरिए कनेक्टिविटी को बढ़ावा दे रहा है। इसके साथ ही पूर्वोत्तर भारत को म्यांमार और दक्षिण-पूर्व एशिया से जोड़ने वाले सड़क नेटवर्क का निर्माण कर रहा है।

यूनुस का यह बयान इसलिए भी हैरान करने का वाला है क्योंकि पूर्वोत्तर भारत में सिलिगुडी कॉरिडोर है। जिसे भारत का चिकन नेक माना जाता है। 60 किमी लंबा और 22 किमी चौड़ा यह कॉरिडोर नॉर्थ-ईस्ट के 7 राज्यों को भारत के साथ जोड़ता है। भारत इसके इलाके की सुरक्षा को लेकर काफी ज्यादा चौकन्ना रहता है।

युनूस बुधवार को चार दिन की चीन यात्रा पर पहुंचे थे। शुक्रवार को उन्होंने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की। इस मौके पर जिनपिंग ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अपना समर्थन देने का भरोसा दिलाया।

वेस्ट बैंक के किशोर की हिरासत में मौत

इजरायल की जेल में जान गंवाने वाला 63वां फलस्तीनी कैदी

तेल अवीव, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इजरायल की जेल में बंद वेस्ट बैंक के एक 17 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। यह किशोर बीते छह महीने से बिना किसी आरोप के जेल में बंद था। हिरासत में रहने के दौरान ही अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो गया। बाद में उसकी मौत हो गई। यह इजरायल की कैद में मरने वाला पहला किशोर फलस्तीनी नागरिक है। वहीं इजरायल की हिरासत में मरने वाला यह 63वां फलस्तीनी कैदी बन गया है।

मृतक किशोर की पहचान वालिद अहमद के रूप में हुई है, जो हाईस्कूल का छात्र था। वालिद अहमद के परिजनों का आरोप है कि उसे बीते साल सितंबर में कथित तौर पर इजरायली सैनिकों पर पथराव के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। मानवाधिकार संगठनों का आरोप है कि इजरायल की जेलों में 7 अक्तूबर 2023 के हमले के बाद से हजारों फलस्तीनी कैद हैं और वहां उनका उत्पीड़न किया जाता है। हालांकि इजरायली सरकार इन आरोपों को सिरे से खारिज कर चुकी है। वहीं वालिद अहमद के मामले में इजरायल की सरकार ने उसकी मौत की वजह का अभी तक खुलासा नहीं किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फलस्तीनी कैदी की मौत इजरायल की मेगिड्डो जेल में हुई है। इस जेल में पूर्व में भी फलस्तीनी कैदियों के उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। इजरायल की सरकार ने कहा है कि वे हिरासत में मरने वाले सभी कैदियों की मौत की जांच कर रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार, वालिद जेल में बेहोश होकर गिरा और इससे उसके सिर में गंभीर चोट लगी। इसके बाद उसकी मौत हो गई। चोट को ही उसकी मौत की वजह माना जा रहा है। वालिद के परिजनों का आरोप है कि जेल में मिलने वाले खराब खाने से उसे डायरिया की शिकायत हुई। माना जा रहा है कि इस बीमारी से आई कमजोरी से ही उसकी जान गई। इजरायल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद यह इजरायल कैद में फलस्तीनी कैदी की मौत की 63वीं घटना है। फलस्तीनी संगठनों का दावा है कि इजरायल की कैद में मध्य पूर्व युद्ध शुरू होने के बाद 300 फलस्तीनी कैदियों की मौत हुई है।

जालंधर के युवक की इटली में मौत

दिल का दौरा पड़ने से गई जान, परिवार के साथ 10 साल से विदेश में रहता था

जालंधर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जालंधर के रहने वाले एक 22 साल के वर्षीय युवक की दिल का दौरा पड़ने के कारण इटली में मौत हो गई। 22 साल का हर्ष गिर का परिवार जालंधर के आदमपुर के मुख्य बाजार का रहने वाला था। जिसका परिवार पिछले करीब दस साल से इटली में रह रहा था। बीते दिन हर्ष गिर को इटली में दिल का दौरा पड़ा।

परिवार हर्ष गिर को अस्पताल लेकर पहुंचा, जहां ले जाते तक उसकी मौत हो चुकी थी। हर्ष की मौत के बाद से जालंधर में पूरे परिवार और इलाके में शक की लहर है। परिवार के अन्य सदस्यों द्वारा इटली में अंतिम संस्कार की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

'जवाहर सिंह बेढ़म को अमित शाह तुरंत करें बर्खास्त'

हनुमान बेनीवाल की बड़ी मांग, मदन राठौड़ ने किया पलटवार

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के एसआई दामाद अनलि खटाना के मुद्दे पर प्रदेश की सियासत गरम हो गई है। पीसीसी सुप्रीमो गोवदि सहि डोटासरा, नेता प्रतपिक्ष टीकाराम जूली के बाद नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने भी जवाहर सिंह बेढ़म के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। हनुमान बेनीवाल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमति शाह से राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सहि बेढ़म को बर्खास्त करने की मांग कर मामले को 'हॉट' कर दिया है।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने अपने सोशल मीडयिा अकाउंट 'X' पर लखिा कि गृह मंत्री अमित शाह, आपका ध्यान राजस्थान में आपकी पार्टी भाजपा के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के दामाद और दिल्ली पुलिस में SI पद पर कार्यरत अनिल खटाना से जुड़े मामले की तरफ आकर्षित करूंगा। सीबीआइ अनिल खटाना को दो माह से ढूंढ़ रही है, चूंकि गृह राज्य मंत्री आपकी पार्टी से है और सत्ता के दबाव में कहीं न कहीं एजेंसी आपकी पार्टी की वजह से रिश्वत

की रकम लेकर भागे गृह राज्य मंत्री के दामाद को ढूंढ़ने में लचीलापन दिखा रही होगी।

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करें

हनुमान बेनीवाल ने आगे लिखा चूंकि एक तरफ आपकी पार्टी के नेता हर रोज सोनिया गांधी के दामाद व प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा पर लगे आरोपों को लेकर हर रोज कहीं न कहीं बोलते रहते हैं वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में आपकी पार्टी के ही गृह राज्य मंत्री के दामाद के मामले में भाजपा ने चुप्पी साध रखी है, इसलिए आप अविलंब राजस्थान के सीएम भजनलाल को निर्देशित करके राजस्थान के गृह राज्य मंत्री को बर्खास्त करावे,ताकि CBI पर अनुचित दबाव नहीं रहे और वो अपनी स्वायत्तता के साथ कार्य कर सके।

नैतिकता के नाते त्यागपत्र दे गृह राज्य मंत्री

हनुमान बेनीवाल ने लिखा कि राजस्थान के गृह राज्य मंत्री को भी नैतिकता के नाते त्याग पत्र दे देना चाहिए क्योंकि इस मामले के साथ गृह राज्य मंत्री और उनके निकट के लोगों पर कई गंभीर आरोप लग चुके है।

बेनीवाल क्या बोलते हैं, उन्हें खुद बाद में पता चलता है

नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल के गृह राज्य मंत्री को लेकर दिए गए बयान के बारे में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जोधपुर के सर्किट हाउस में कहा कि वे क्या बोलते हैं उसका जवाब तो वे ही देंगे। उन्हें बाद में पता चलता है कि वे क्या बोल गए हैं। मेरा तो मानना है कि किसी भी राजनेता पर बिना किसी पुष्टि के व्यक्तिगत आरोप नहीं लगाने चाहिए।

अनिल खटाना दिल्ली पुलिस में हैं सब इंस्पेक्टर, 2 माह से ढूंढ़ रही है सीबीआई

अनलि खटाना गृह राज्य मंत्री जवाहर सहि बेढम के दामाद हैं। वह दल्लिी पुलसि में सब इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं। वह दल्लिी लाहौरी गेट थाने में तैनात हैं। उन पर घूस लेकर फरार होने का आरोप है। बताया जा रहा है कि सीबीआई ने 29 जनवरी को अनलि खटाना को रश्वित लेते हुए रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बछिाया पर भनक लगने के बाद आरोपी फरार हो गया। सीबीआई उसे 2 महीने से ढूंढ़ रही है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई पुरानी दल्लिी के सैय्यद अनीस अहमद की शकियत पर हुई थी।

हां, अनिल खटाना मेरे दामाद हैं – जवाहर सिंह बेढम

राजस्थान के गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने मीडयिा को बताया था, हां, अनिल खटाना मेरे दामाद हैं, उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज हुआ है। एजेंसी जांच कर रही है, उसे करनी भी चाहिए। ये उसका अधिकार भी है। जांच में जो भी पाया जाएगा, एजेंसी उसके अनुसार आगे निर्णय करेगी।

डोटासरा बोले -मंत्री पद से इस्तीफा दें बेढ़म, जूली ने निष्पक्ष जांच की मांग की

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा मामले की निष्पक्ष जांच के लिए मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म को तुरंत मंत्री पद से इस्तीफा देना चाहिए। ताकि जांच प्रभावित न हो और पुलिस व एजेंसियां स्वतंत्र होकर अपनी कार्रवाई कर सके। वहीं नेता प्रतपिक्ष टीकाराम जूली ने भी कहा था कि निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

केमिकल फैक्ट्री में नाइट्रोजन गैस लीक

कंपनी मालिक सहित 3 की मौत 2 की हालात गंभीर

अजमेर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अजमेर के ब्यावर में एसिड टैंकर खाली करते समय हुई नाइट्रोजन गैस के लीक होने से कंपनी मालिक सहित 3 व्यक्तियों की मौत हो गई। इसमें 2 की हालत गंभीर है। गैस असर से इलाके के जानवर भी परेशान हो गए हैं। इस घटना के बाद जिला प्रशासन ने फैक्ट्री के नजदीक के कई घरों को खाली करवाया दिया है। मामला अजमेर शहर के ब्यावर के बलाड रोड सादों का बाडिया में तेजाब फैक्ट्री में सोमवार देर शाम को नाइट्रिक एसिड से भरे टैंकर को खाली करते समय गैस लीक हो गई। इसके बाद क्षेत्र के लोगों की आंखों में जलन, उल्टियां एवं सांस लेने में तकलीफ होने लगी। क्षेत्र में अफरा-तफरी का मच गई। इस घटनाक्रम से लोग घबराकर घरों से बाहर निकल आए। सांस लेने में तकलीफ होने पर करीब 60 से अधिक पीड़ितों को राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। जहां करीब 14 व्यक्तियों को ऑक्सीजन लगाई गई। अन्य पीड़ितों का भी उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है इस दर्दनाक हादसे में अभी तक तीन व्यक्तियों

की मौत हो गई। कंपनी मालिक सुनील सिंघल (47 वर्ष) भी इस दुर्घटना के शिकार हो गए। सुनील सिंघल पूरी रात गैस को नियंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। पर अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें अजमेर जेएलएन हॉस्पिटल रेफर किया गया था। इलाज के दौरान सोमवार रात को ही उनकी मृत्यु हो गई। इसके अतिरिक्त मंगलवार सुबह नरेंद्र सोलंकी (40 वर्ष) और दयाराम (52 वर्ष) की भी मृत्यु हो गई। जेएलएन में 2 मरीज अब भी गंभीर हालत में एडमिट हैं।

उधर प्रशासन ने तेजाब फैक्ट्री सीज कर लोगों का जीवन संकट में डालने को लेकर मामला दर्ज किया है, वहीं रिसाव पर काबू पा लिया गया। टैंकर चालक बाबूलाल ने बताया कि गुजरात से नाइट्रिक एसिड का टैंकर लाकर खाली कर रहे थे। इस दौरान अचानक टैंकर से गैस रिसाव शुरू हो गया। रिसाव रोकने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। कुछ ही देर में गैस आस-पास की कॉलोनियों तक पहुंच गई। लोगों की आंखों में जलन एवं सांस लेने में तकलीफ होने लगी।

सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे जिला कलक्टर व एसपी

सूचना मिलने पर पुलिस उपअधीक्षक राजेश कसाना मय जाप्ता एवं दमकल मौके पर पहुंच गई। गैस पर रिसाव काबू पाने का प्रयास शुरू किया। सूचना मिलने पर जिला कलक्टर महेन्द्र खडगावत, पुलिस अधीक्षक श्यामसिंह भी अस्पताल पहुंचे। पीड़ितों के उपचार को लेकर विशेष व्यवस्थाएं करवाई गईं।

रिसाव के कारण सांस लेने में तकलीफ होने पर 14 व्यक्तियों को ऑक्सीजन लगाई गई। इनमें 6 महिलाएं, 5 बच्चे एवं 3 पुरुष शामिल हैं। देर रात तक क्षेत्र के लोगों की आंखों में जलन व सांस लेने में तकलीफ के मामले सामने आ रहे थे।

नरेश मीणा मामले पर सांसद राजकुमार रौत ने दी कड़ी प्रतिक्रिया, बताया लोकतंत्र के लिए खतरा

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में नरेश मीणा से जुड़े घटनाक्रम को लेकर सांसद राजकुमार रौत ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो कुछ भी हुआ, वह बिल्कुल ठीक नहीं था। उनका मानना है कि नरेश मीणा को मानसिक रूप से इतना प्रताड़ित किया गया कि वह चुनाव के दौरान बौखला गया और यह पूरी घटना घटित हुई।

रौत ने कहा कि चौरासी विधानसभा उपचुनाव के दौरान उन्होंने भी ऐसी स्थिति का सामना किया था, जब पूरी सरकारी मशीनरी चुनाव को प्रभावित करने में लगी हुई थी लेकिन उन्होंने संयम बनाए रखा। वहीं नरेश मीणा अपने संयम को खो बैठे और अब पुराने मामलों को इकट्ठा

करके उसकी जमानत रोकी जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि ऐसा ही चलता रहा तो कोई भी उपचुनाव नहीं लड़ पाएगा और सारी सीटें सीधे सरकार को ही दे दी जाएंगी।

सांसद ने कहा कि नरेश मीणा ने जो किया उसका वे समर्थन नहीं करते लेकिन पुलिस की कार्रवाई भी सही नहीं थी। उन्होंने आरोप लगाया कि जब नरेश ने थप्पड़ मारा था, तब उसे दिन में ही गिरफ्तार किया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बजाय रात के समय जब लोग धरने पर बैठे थे और खाना बना रहे थे, तब पुलिस ने उन पर कार्रवाई की, उनकी गाड़ियों को जलाया गया। उन्होंने कहा कि धरने पर बैठा कोई व्यक्ति अपनी ही गाड़ी क्यों जलाएगा? इस घटना को लेकर कई लोगों के बयान आए हैं, जिनमें पुलिस पर बर्बरता का आरोप लगाया गया है।

उन्होंने इस पूरे घटनाक्रम को कुछ लोगों द्वारा अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश बताया। हालांकि उन्होंने इस मामले पर ज्यादा टिप्पणी करने से बचते हुए उन्होंने कहा कि वे इस मुद्दे पर ज्यादा बात नहीं करेंगे।

तेजाजी की मूर्ति तोड़े जाने की घटना पर भी सांसद ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इसे दुर्भाग्यपूर्ण करार देते हुए कहा कि ऐसा करने वाले समाज विरोधी तत्वों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे विचार समाज में क्यों पनप रहे हैं, इसे समझने और रोकने की जरूरत है। जो लोग इस तरह की भावना को भड़काते हैं या इसका समर्थन करते हैं, उन पर भी सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

किरोड़ी बोले, लम्बी राजनीति के लिए सभी को साथ लेकर चलने की जरूरत

झालावाड़, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने अपने मंत्री पद से इस्तीफे के बारे में कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार पर पूर्व घोषणा के आधार पर इस्तीफा दिया था। उन्होंने नौ माह काम नहीं किया, लेकिन वे अब काम पर लौट आए हैं। काम करके नौ माह की कसर निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार आपकी सेवा में तत्पर है, लेकिन कई बार जनता के लिए संघर्ष करते समय वे भूल जाते हैं कि हमारा ही राज है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हां जी के राज में ना जी का क्या काम। उन्होंने कहा कि आजकल राजनीति में पूंछ हिलाने वाले की पूछ होती है।

कृषि मंत्री डा. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि कोई भी जाति राजनीति में प्रवेश की सीढ़ी तो हो सकती है, लेकिन लम्बी राजनीति करने के लिए सभी समाज को साथ लेकर

चलना होगा। राजनीति में हिंसा का कोई स्थान नहीं होता। वे खानपुर में मीणा समाज की ओर आयोजित मत्स्य जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि समाज में नशे और सोशल मीडिया के कारण आ रही बुराई गलत रास्ते पर ले जा रही है। इससे समाज की नई पीढ़ी को बचाना होगा। मीणा ने समरावता प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि इस मामले में जेल में बंद नरेश मीणा से मिलने जाने पर कई लोगों ने मुझे टोका कि उनसे मिलना उचित नहीं है, लेकिन मैं गया। डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने अपने मंत्री पद से इस्तीफे के बारे में कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी की हार पर पूर्व घोषणा के आधार पर इस्तीफा दिया था। उन्होंने नौ माह काम नहीं किया, लेकिन वे अब काम पर लौट आए हैं। काम करके नौ माह की कसर निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि भजनलाल सरकार आपकी सेवा में तत्पर है, लेकिन कई बार जनता के लिए संघर्ष करते समय वे भूल जाते हैं कि हमारा ही राज है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि हां जी के राज में ना जी का क्या काम। उन्होंने कहा कि आजकल राजनीति में पूंछ हिलाने वाले की पूछ होती है।

उन्होंने पिछली बीजेपी सरकारों का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार वसुंधरा राजे ने मुझे बिना कारण पार्टी से निकाल दिया था, तब खानपुर वालों ने मेरा साथ दिया था। मीणा ने वसुंधरा सरकार के दस साल के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि राजे ने प्रदेश में भैरोसिंह शेखावत की सरकार जैसा शानदार विकास किया।

कार्यक्रम के बाद पत्रकार से चर्चा में राज्य सरकार में उचित पद नहीं मिलने के सवाल पर मीणा ने कुछ नहीं बोलते हुए अंगुली से सिर की तरफ इशारा कर कहा कि ये भाग्य की बात है। इससे पूर्व मीणा का खानपुर पहुंचने पर मीणा समाज के प्रमुख लोगों ने उनका स्वागत किया।

प्लास्टिक सर्जन से हुई अशोक गहलोत की बात

झुलसने के बाद कैसी है गिरिजा व्यास की हालत, सामने आया बड़ा अपडेट

उदयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में पूजा के दौरान अचानक आग लग जाने से झुलसी पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं कांग्रेस की वरिष्ठ नेता डॉ. गिरिजा व्यास की अहमदाबाद के एक अस्पताल में हालत स्थिर बनी हुई है। डॉ. व्यास को सोमवार को गणगौर पूजा के दौरान उनके कपड़ों में आग लग जाने के बाद उदयपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराने के बाद इलाज के लिए अहमदाबाद ले जाया गया, जहां उनकी हालत स्थिर है।

सीएम ने ली स्वास्थ्य की जानकारी

इस हादसे के बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने डॉ. व्यास के स्वास्थ्य की जानकारी ली और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। शर्मा ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और स्वास्थ्य मंत्री रुशिकेश पटेल से बात कर डॉ. व्यास के उपचार की प्रगति और उन्हें उपलब्ध कराई गई मेडिकल सुविधाओं पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों को अहमदाबाद स्थित अस्पताल के चिकित्सकों से समन्वय बनाकर शीर्षस्तरीय चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

गहलोत ने दिया हेल्थ अपडेट

पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी डॉ. व्यास के जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से बताया कि डॉ. व्यास के स्वास्थ्य को लेकर अहमदाबाद में उनका इलाज कर रहे अस्पताल के प्लास्टिक सर्जन डॉ. गिरीश अम्बलानी से बात हुई और उन्होंने बताया कि डॉ. गिरिजा व्यास की जलने से गंभीर स्थिति हुई हैं, लेकिन अभी उनकी हालत स्थिर है।

मेला देखने गए 2 दोस्तों की मौत

बाइक के उड़े परखच्चे

बूंदी, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ईद की खुशियां मातम में बदल गई जब बीती रात ईद की नमाज अदा करने के बाद दो युवक मेला देखने के लिए गए थे लेकिन सड़क हादसे का शिकार हो गए। कोटा-दोसा मेगा स्टेट हाईवे पर बीती रात लगभग 10 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ जिसमें बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक शहर के वार्ड 20 के निवासी थे। पप्पू पुत्र अंसार और शाहिद पुत्र सलीम, जिनकी उम्र लगभग 18 से 20 वर्ष के बीच थी। ईद की नमाज अदा करने के बाद बूंदी मेला देखने के लिए मोटरसाइकिल पर निकले थे। रास्ते में वे कोटा मेगा हाईवे स्थित गुडली के पास पेट्रोल पंप के सामने विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन से टकरा गए। टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों युवकों की मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची लेकिन तब तक दोनों युवकों की मौत हो चुकी थी। हादसे की सूचना मिलने के बाद से ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। कोटा मेगा हाईवे पर गुडली के पास गलत साइड से आ रहे भारी वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

पुलिस का मृत सिपाही ले रहा था पेंशन!

आरोपी का नाम जानकर चौंक गए जांचकर्ता

झुंझुनू, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस के एक मृत सिपाही के फर्जी दस्तावेज तैयार कर तीन साल तक उसे जीवित दिखाकर 8.20 लाख रुपए की पेंशन निकालने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पचेरीकलां थाने में मामला दर्ज किया गया है।

फर्जी दस्तावेज के आधार उठाई बेटे ने पेंशन

पुलिस जांच में स्पष्ट हुआ कि फर्जी दस्तावेज के आधार पर मृत सिपाही के बेटे ने पेंशन उठाई है। पुलिस के अनुसार, हरियाणा निवासी राहुल ने शिकायत दर्ज

कराई कि महेंद्रगढ़ निवासी भगवान सिंह राजस्थान पुलिस में सिपाही थे। उसकी मृत्यु 24 सितंबर 2021 को हो चुकी थी। इसके बावजूद, उसके बेटे प्रदीप ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर पिता को जीवित दर्शा पेंशन प्राप्त करता रहा।

फर्जी प्रमाण पत्रों का खुलासा

जांच में पाया कि मृत सिपाही का पहला जीवित प्रमाण पत्र राज. सी. से. स्कूल, कोरियावास के प्रिंसिपल अनिल कुमार द्वारा जारी किया गया। दूसरे वर्ष का प्रमाण पत्र एबीएम स्कूल, कुलताजपुर से प्राप्त किया गया, जबकि तीसरे वर्ष का प्रमाण पत्र जीएचके कारोता स्कूल के तथाकथित हेडमास्टर अमित यादव से बनवाया गया। जबकि स्कूल में अमित कुमार नामक कोई हेडमास्टर आज तक नहीं रहा है।

15 साल से कर रहे थे ये गंदा काम

पुलिस अगर स्पाई कैमरे नहीं लगाती तो किसी को नहीं होता यकीन, बड़ा खुलासा

जयपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस ने डीसीपी वेस्ट अमित कुमार के निर्देशन में बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक अवैध वसूली गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस गिरोह के चार बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो निजी बस चालकों से अवैध वसूली करते थे। पुलिस ने बदमाशों से एक स्कॉर्पियो भी बरामद की है। खुफिया कैमरों की रिकॉर्डिंग करके इस ग्रहण को उजागर किया गया है. यह गिरोह चौमूं पुलिया के आसपास सक्रिय था और जो बस चालक वसूली देने से इनकार करता था, उस पर पत्थर फेंकता था। पुलिस की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह पिछले 15 वर्षों से अवैध वसूली कर रहा था और प्रतिमाह 20 लाख रुपये की वसूली करता था। जान के डर से बस चालक पुलिस को शिकायत नहीं देते थे। डीसीपी वेस्ट अमित कुमार ने अपनी टीम भेजकर पहले इस गिरोह के ठिकानों पर नजर रखी और वसूली की पुष्टि होने के बाद कार्रवाई को अंजाम दिया। अब पुलिस गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ कर रही है। यह गिरोह चौमूं पुलिया के आसपास सक्रिय था और निजी बस चालकों से अवैध वसूली करता था। गिरोह के सदस्य बस चालकों को धमकाते थे और उनसे पैसे वसूलते थे।

दोस्तों ने गाली देने पर दोस्त का कर दिया मर्डर

ऐसे हुआ मामले का खुलासा, 3 दोस्तों को किया गिरफ्तार

अलवर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। अलवर के सदर थाना क्षेत्र के तूलेड़ा निवासी अनिल कुमार (30) की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी मृतक के दोस्त हैं। सदर थाना प्रभारी रमेश सैनी ने बताया कि मृतक की मां सन्तरा देवी ने युवक की मौत के मामले में उसके दोस्त तूलेड़ा निवासी मोहित पुत्र रमेश, दिलीप पुत्र किशोरी उर्फ खिल्लू और सुधांशु पुत्र शिवराम के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए उनके घर दबिश दी, लेकिन आरोपी फरार चल रहे थे। जिन्हें एक खेत से गिरफ्तार किया गया है।

मृतक की मां ने पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया था कि 26 मार्च की शाम को उसके बेटे अनिल को उसके दोस्त मोहित पुत्र रमेश, दिलीप पुत्र किशोरी उर्फ खिल्लू और सुधांशु पुत्र शिवराम निवासी तूलेड़ा घर से बुलाकर ले गए। फिर चारों ने बार में जाकर शराब पार्टी की। इसके बाद अनिल, मोहित, दिलीप और सुधांधु किसी बात को लेकर आपस में झगड़ने लगे। राहुल वहां पहुंचा तो मोहित, दिलीप एवं सुधांशु ने अनिल के साथ मारपीट शुरू कर दी। राहुल और गांव के अन्य लोगों ने बीच-बचाव का प्रयास किया, लेकिन आरोपी मारपीट करते रहे। आरोपी अनिल को घर पर पटक कर चले गए। गुरुवार सुबह अनिल नहीं उठा तो उसे अस्पताल लेकर गए। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मोबाइल लोकेशन के आधार पर किया गिरफ्तारः थाना प्रभारी सैनी ने बताया कि आरोपी घटना के बाद एक रेजीडेंसी के पीछे की तरफ एक खेत में छुपे हुए थे। जिन्हें मोबाइल लोकेशन के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गुलमोहर रेजीडेंसी के पास मृतक अनिल ने उनके साथ गाली-गलौच कर दी। इससे उत्तेजित होकर तीनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की थी। इसके बाद उसे घायल अवस्था में घर छोड़कर चले गए थे।

मृतक के शरीर पर चोट के निशान

पुलिस ने 27 मार्च को मृतक के शव का जिला अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया गया था। इसमें मृतक के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले थे। अस्पताल के मेडिकल ज्यूरिस्ट डॉ. पीसी सैनी ने बताया कि मृतक के शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान थे। इसके अलावा ललाट पर गंभीर चोट लगी हुई थी।

फर्जी नाम से घूम रहा इनामी तस्कर गिरफ्तार

जोधपुर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जोधपुर रेंज पुलिस की साइक्लोनर टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए ऑपरेशन कॉलिंग के तहत मादक पदार्थों की तस्करी के मामले में श्रीगंगानगर में वांछित चल रहे नशीली गोलियों के सप्लायर को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के बारे में बताते हुए आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी अशोक सिरोही पर श्रीगंगानगर जिले में नशीली गोलियों के सप्लाई के मामले मे 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आरोपी फर्जी नाम से बस का टिकट बनवाकर जोधपुर लौट रहा था, इसी दौरान टीम ने बीच रास्ते में उसे पकड़ लिया। आईजी विकास कुमार ने बताया कि अशोक नशीली गोलियों की सप्लाई के मामले में मुख्य सूत्रधार था। 9वीं फेल आरोपी दूध की डेयरी चलाता था और अधिक पैसे कमाने की चाह में टूरिस्ट फॉर्म में ड्राइविंग करना शुरू किया।

प्रेम विवाह किया तो पंचायत ने समाज से बाहर निकाला

12 लाख का जुर्माना भी लगाया, पंचों पर एफआईआर

जालोर, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। जालौर जिले के भीनमाल थाना क्षेत्र में प्रेम विवाह करने पर समाज के पंचों ने दंपती और उनके परिवार को समाज से बहिष्कृत कर दिया। साथ ही 12 लाख रुपये का जुर्माना भी लगा दिया। पीड़िता पिंका कुमारी ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की।

भीनमाल क्षेत्र के भागल भीम गांव की पिंका कुमारी ने श्रवण कुमार से 20 दिसंबर 2024 को आर्य समाज मंदिर में विवाह किया था। समाज के पंच इस विवाह से नाराज हो गए, उन्होंने पंचायत में फरमान सुनाते हुए दंपती, उनके परिवार और नासोली (पादरा) के परिवार को समाज से बहिष्कृत कर दिया। शिकायत में पीड़िता ने कहा- समाज के पंचों ने घोषणा की है कि कोई भी व्यक्ति उनके परिवार से किसी भी प्रकार का संबंध नहीं रखेगा। यदि, कोई उनका साथ देगा तो उसे भी समाज से बाहर कर दिया जाएगा। पीड़िता का कहना है कि उन पर समाज में वापस शामिल होने के लिए 12 लाख रुपये देने का दबाव बनाया जा रहा है। ऐसा नहीं करने पर जीवनभर बहिष्कृत रखने की धमकी दी गई है। पिंका कुमारी ने आरोप लगाया कि पंचगण उन्हें लगातार धमकियां दिलवा रहे हैं। उनके परिवार को सामाजिक कार्यक्रमों से दूर रखा जा रहा है। शादी-ब्याह और अन्य आयोजनों में शामिल होने पर भी पाबंदी लगा दी गई है, जिससे उनका जीवन कठिन हो गया है।

पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है और पंचों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर इस सामाजिक प्रताड़ना से मुक्त करने की मांग की है।

सरकार ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की जमीन का अधिग्रहण नहीं किया : भट्टी

400 एकड़ जमीन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद की नहीं

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर सचिवालय में आयोजित मीडिया सम्मेलन में डिप्टी सीएम भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि दस साल तक सत्ता में रहे पिछले शासकों ने इस जमीन को बचाने का मुद्दा उठाया था। हमने लोगों के लिए संपत्ति बनाने के लिए यह जमीन टीजीआईआईसी को सौंप दी। उपमुख्यमंत्री भट्टी खुलासा कि हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की एक इंच जमीन भी जनता सरकार द्वारा अधिग्रहीत नहीं की गई है। कांचा गच्चीबावली के सर्वे नंबर 25 में स्थित 400 एकड़ जमीन सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद की नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की संपत्ति, जो एक निजी व्यक्ति के हाथों में चली गई थी, अदालत में लड़ने और जीतने के बाद सार्वजनिक सरकार द्वारा लोगों की संपत्ति के रूप में वापस लाई गई। उन्होंने मंगलवार को राज्य सचिवालय में मंत्री श्रीधर बाबू और पोंगीलेटी श्रीनिवास रेड्डी के साथ आयोजित एक मीडिया सम्मेलन में कहा कि हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी को आवंटित 534.28 एकड़ जमीन 03 फरवरी 2024 को राजस्व अधिकारियों को सौंप दी गई और उन्होंने गोपनपल्ली गांव के सर्वे नंबर 36 में 191.36 एकड़ और सर्वे नंबर 37 में 205.20 एकड़ जमीन हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी को सौंप दी और भूमि हस्तांतरण के बाद तत्कालीन सरकार ने कहा कि कांचा गच्चीबावली के सर्वे नंबर 25 में तत्कालीन सरकार थी। उन्होंने कहा कि बिली राव के प्रतिनिधित्व वाली आईएमजी फ्लोरिडा की खेल प्रबंधन कंपनी आईएमजी भारत को 400 एकड़ जमीन आवंटित की गई थी और चूंकि सरकार ने समझौते के अनुसार उस जमीन पर कोई गतिविधि नहीं की, इसलिए राजशेखर रेड्डी के मुख्यमंत्री बनने के बाद, आईएमजी भारत को करोड़ों रुपये की 400 एकड़ जमीन का आवंटन लोक कल्याण के खिलाफ रद्द कर दिया गया। डब्ल्यूपी ने तत्कालीन मुख्यमंत्री द्वारा लिये गये निर्णय को आईएमजी भारत द्वारा उच्च न्यायालय में चुनौती दी। उन्होंने कहा कि नंबर 24781 के माध्यम से एक रिट याचिका दायर की गई थी। आईएमजी भारत द्वारा दायर रिट याचिका पर तत्कालीन मुख्यमंत्री राजशेखर रेड्डी, रोशैया और किरण कुमार रेड्डी ने अदालत में अच्छे वकील नियुक्त किए और सरकार के तर्कों को समझाया। उन्होंने आलोचना की कि तेलंगाना राज्य में सत्ता में आने वाले पिछले शासकों, जिन्होंने स्वामित्व और स्वाभिमान के लिए दशकों तक लड़ाई लड़ी थी, ने इस भूमि को एक निजी व्यक्ति के हाथों में लाने की परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि करोड़ों की यह जमीन अगर किसी निजी व्यक्ति के हाथ में है तो पूर्व के शासकों ने साजिश के तहत इसे अपने हाथ में लेने के लिए कोर्ट में कड़ी लड़ाई नहीं लड़ी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सहित पूरी मंत्रिपरिषद (जो एक निजी व्यक्ति के हाथों में 400 एकड़ भूमि को राज्य की संपत्ति और लोगों की संपत्ति मानते थे) ने बैठकर इस भूमि को किसी निजी व्यक्ति के हाथों में देने के बजाय लोगों को धन पैदा करने वाली संपत्ति के रूप में देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि यह विडंबना है कि विपक्ष को निजी लोगों के हाथों में चली गई हजारों करोड़ रुपये की जमीन को बचाने और लोगों को संपत्ति के रूप में देने के लिए लोगों की सरकार की प्रशंसा करनी चाहिए। उनसे पूछा गया कि यदि सार्वजनिक सरकार ने पिछले शासकों की तरह प्रतिक्रिया नहीं दी होती तो क्या हजारों करोड़ रुपये की 400 एकड़ जमीन एक निजी व्यक्ति के हाथों में चली जाती। उन्होंने कहा कि इसमें किसी का कोई व्यक्तिगत हित नहीं है, सिवाय इसके कि राज्य के लोगों के लिए संपत्ति बनाने और लाखों बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने की इच्छा से एक निजी व्यक्ति से लाई गई भूमि राजस्व विभाग द्वारा टीजीआईआईसी को सौंप दी गई थी। तत्कालीन कांग्रेसी मुख्यमंत्री नेदुरुमल्ली जनार्दन रेड्डी ने कहा कि हाई-टेक सिटी के चरण 1 और चरण 2 की नींव रखने के कारण, हैदराबाद एक वैश्विक शहर बन गया, कई आईटी कंपनियां शहर में आईं और कंपनियां स्थापित कीं, और लाखों युवाओं को नौकरियां मिलीं, इस प्रकार हैदराबाद शहर का विकास हुआ। इसी तरह कांचा गच्चीबावली में 400 एकड़ संपत्ति का विकास युवाओं को रोजगार देने के विचार से किया जा रहा है, लेकिन सरकार का इसमें कोई स्वार्थ नहीं है। टीजीआईआईसी द्वारा तैयार किए गए ड्राफ्ट लेआउट में, इन भूमियों में प्राकृतिक चट्टान सरंचनाओं और मशरूम रॉक की सुरक्षा के लिए विशेष उपाय करने के हिस्से के रूप में इन क्षेत्रों को लेआउट से बाहर रखा गया है। उन्होंने बताया कि हैदराबाद को प्रदूषण मुक्त शहर होना चाहिए और सरकार पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए कदम उठाएगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे इस भूमि को लोगों को संपत्ति के रूप में देने के सार्वजनिक सरकार के प्रयासों को समझें, जिसे उन्होंने निजी व्यक्तियों के हाथों में जाने से बचाने के लिए लड़ाई लड़ी है, और कुछ राजनीतिक दलों द्वारा अपने मीडिया संगठनों के माध्यम से बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया के माध्यम से किए जा रहे दुष्प्रचार को पलटने की अपील की है। उन्होंने उनसे कुछ व्यक्तियों के लाभ के लिए राज्य की संपत्ति को गिरवी रखने और लोगों की संपत्ति को उनके हाथों में आने देने के लिए कहा।

नाबालिग को बंधक बनाकर बलात्कार करने के आरोप में युवक को जेल

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर में बाल-संबंधी अपराधों के लिए एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने मंगलवार को 2023 में चैतन्यपुरी में एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार के मामले में एक युवक को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। दोषी के. महेश उर्फ बनी (20) (जो चैतन्यपुरी का एक निर्माण मजदूर है और सूर्यपेट जिले का मूल निवासी है) ने कथित तौर पर नाबालिग लड़की को उसके माता-पिता की अनुपस्थिति में उसी पड़ोस में उसके घर में बंधक बनाकर उसके साथ बलात्कार किया था। पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर चैतन्यपुरी पुलिस ने मामला दर्ज कर महेश को गिरफ्तार कर लिया। अदालत ने दोषी पर 5,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया तथा पीड़ित लड़की को 5 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-टेंडर नोटिस नं. 461/डीआरएम/ड ब्ल्यू/जीएनटी दि. 01/04/2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यों हेतु दि.23-04-2025 को 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.-1, टेंडर आवडी: 2%61, सीनि.डीइएन/डीइएन सेक्शन: उत्तर, कार्य विवरण: गुंटूर डिवीजन: तेनाली-गुंटूर सेक्शन: एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल बाड़ या फेंसिंग लम्बाई 20.19 किमी के लिए, एनएचएआय एन्टि-क्रैश बैरियर प्रकार के ट्रैक के चहुं ओर सेफ्टी फेंसिंग/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिंग का प्रावधान। अनुमानित लागत: रु. 68848385/-, पूफरा(पूर्व धरोहर राशि) रु. 494300/-

क्रम सं.-2 टेंडर आवडी: 2%62, सीनि.डीइएन/डीइएन सेक्शन: उत्तर, कार्य विवरण: गुंटूर डिवीजन: तेनाली-गुंटूर सेक्शन: एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में कुल बाड़ या फेंसिंग लम्बाई 20 किमी के लिए, एनएचएआय एन्टि-क्रैश बैरियर प्रकार के ट्रैक के चहुं ओर सेफ्टी फेंसिंग/डब्ल्यू-बीम स्टील फेन्सिंग का प्रावधान। अनुमानित लागत: रु. 68200221/-, पूफरा(पूर्व धरोहर राशि) रु. 491000/-

क्रम सं.-3 टेंडर आवडी: 2763, सीनि.डीइएन/डीइएन सेक्शन: उत्तर, कार्य विवरण: एडीइएन/नार्थ/जीएनटी सेक्शन में, 12 महिनों की अवधि के लिए, अनधिकृत प्रवेश स्थानों पर सेक्युरिटी पेट्रोलिंग व रेल वैल्डिंग, बस्तात व सर्दियों में गश्त या पेट्रोलिंग, जलभराव या बाढ़तलाबड़ आरयूबीज पर स्टेशनरी वाचमैन या चौकीदार एवं रेग पिकिंग व्यवस्था। अनुमानित लागत: रु. 6861994/-, पूफरा(पूर्व धरोहर राशि) रु. 137200/-

क्रम सं.-4 टेंडर आवडी: 2764, सीनि.डीइएन/डीइएन सेक्शन: उत्तर, कार्य विवरण: एडीइएन/एनएलडीए सेक्शन में, 12 महिनों की अवधि के लिए, अनधिकृत प्रवेश स्थानों या ट्रेसपासिंग लोकेशनों पर सेक्युरिटी पेट्रोलिंग व रेल वैल्डिंग, मानसून व विन्टर पेट्रोलिंग, जलभराव या बाढ़तलाबड़ आरयूबीज पर स्टेशनरी वाचमैन एवं रेग पिकिंग व्यवस्था। अनुमानित लागत: रु. 5572309/-, पूफरा(पूर्व धरोहर राशि) रु. 111500/-

ई-बिड्स की आनलाईन प्रस्तुति की अंतिम तिथि 23-04-2025 के 15.30 बजे तक है। तत्संबंधित विस्तृत जानकारी हेतु वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर लागआन करें। किसी भी अधिक संशा/शुद्धिपत्र को ई-पोर्टल: www.ireps.gov.in पर सूचित किया जाएगा।

विभागीय रेल प्रबंधक(कार्य), गुंटूर

निविदा सूचना सं. इएलइ-टीआरएस-जीटीएल-24-25-ई-टीएल-12 दि.19.03.2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.10-04-2025 के 16.00 बजे तक निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-इएलइ-टीआरएस-जीटीएल-24-25-ई-टीएल-12, दि.19-03-2025, कार्य विवरण: लोकोमोटिव शेड गुंटकल द्वारा दो वर्ष की अवधि के लिए, कर्नलगत इलैक्ट्रिक लोकोमोटिव के मेजर ओवरहालिंग शेड्यूल या अनुसूची(टीओएच/आयओएच) हेतु मेंटेनेंस सेवाओं के लिए सभी सहायक मोटर्स की मरम्मत/पुनर्वास या रिहॅबिलिटेशन कार्य। अनुमानित लागत रु.31,35,577.15, पूफरा: रु. 62,800.00, ठेका अवधि: 2 वर्ष, बंद करने की तिथि व समय: 10-04-2025 के 16.00 बजे

टेंडर बिड्डिंग एवं अन्य जानकारी हेतु http://www.ireps.gov.in पर लागिन करें। यदि निविदा के प्रति कोई शुद्धिपत्र जारी करना हो तो, उसे केवल आनलाइन पर ही जारी किया जायेगा।

निविदादाताओं के लिए टिप्पणी:

इस ई-निविदा में सहभागिता/बिड्डिंग के लिए, ठेकेदार के पास वैध डीएससी (डीजीटल सिग्निचर सर्टिफिकेट) प्रमाणपत्र होना चाहिए।

निविदादाता(ओं) को सलाह दी जाती है कि, वे इस बात को नोट करें कि, उपरोक्त निविदाओं से संबंधित शुद्धिपत्र यदि कोई हो तो, उसे निविदा प्रस्तुति के पहले, केवल आनलाइन पर ही जारी किया जाएगा एवं तदनुसार ही कार्य करें।

निविदादाताओं को, केवल नेट-बैंकिंग द्वारा ही पूर्व धरोहर राशि के मूल्य का भुगतान करना चाहिए। उपरोक्त के बिना, तत्संबंधित प्रस्ताव या आफर को अनुपातयोग्य माना जायेगा तथा इसे अमान्य किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय यांत्रिक अभियंता, लोकोमोटिव शेड, गुंटकल

निविदा सं. -एन-एसजी-36-2024-25-इआय-एन-48, दि. 28-03-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता/नांदेड डिवीजन, दमरे, नांदेड द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-टेंडरिंग के माध्यम से दि.21-04-2025 के 15-00 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित हैं।

क्रम सं.1, निविदा सं.-एन-एसजी-36-2024-25-इआय-एन-48, दि.28-03-2025, कार्य विवरण: नांदेड डिवीजन में दो वर्षों की अवधि के लिए, नागरसोल (एनएसएल) पर मेधा मेक की इलेक्ट्रानिक इन्टरलाकिंग (इ.आय.) सिस्टम का वार्षिक रखरखाव ठेका। अनुमानित लागत: रु.15,31,640.00, बोली सुरक्षा राशि: रु.30,600.00, पूरा करने की अवधि: 24 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य: रु. शून्य

उपरोक्त निविदा दि.21-04-2025 के 15.00 बजे बंद होगी।

A0406 वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता, नांदेड

निविदा नियम/शर्तों की अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्स: www.ireps.gov.in अथवा http://www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

जल्द ही बंद हो जाएगी खदान

30 वर्षों से अधिक समय से चल रहा कोयला खनन हो जाएगा समाप्त

येल्लंदु, कोत्तागुडेम, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। येल्लंदु स्थित एससीसीएल की जवाहर खानी-5 खुली खदान में सायरन, डंपरों और शॉवल मशीनों की आवाजें जल्द ही शांत हो जाएंगी, क्योंकि खदान बंद होने वाली है। कोयला भंडार समाप्त होने के बाद सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) प्रबंधन ने कथित तौर पर खदान को बंद करने का फैसला किया है क्योंकि इसकी समय-सीमा 31 मार्च को समाप्त हो रही है, जिससे जवाहर खानी क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक समय से चल रहा कोयला खनन समाप्त हो जाएगा। जेके-5 ओसी ने एक दशक से अधिक पुरानी भूमिगत खदान जेके 29 डीप को परिवर्तित करने के बाद 2008 में कोयला उत्पादन शुरू किया था। एक पुरानी भूमिगत खदान 21 इनक्लाइन को कुछ समय पहले बंद कर दिया गया था।

जेके-5 ओसी के बंद होने से करीब 230 नियमित कर्मचारियों के साथ-साथ करीब 100 ठेका कर्मचारियों के भविष्य पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं, जो अब तक खदान में काम कर रहे थे।

सीएम रेवंत रेड्डी ने मंत्रियों के साथ की बैठक

यूओएच भूमि नीलामी विवाद

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय भूमि मुद्दे के बड़े विवाद में बदल जाने के बाद, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को यहां कमांड कंट्रोल सेंटर में कुछ कैबिनेट मंत्रियों के साथ एक आपातकालीन बैठक की। मंत्रियों को बैठक के बारे में बहुत कम समय में ही सूचित कर दिया गया। शुरू में कई लोगों ने सोचा कि बैठक मंत्रिमंडल विस्तार के बारे में होगी, लेकिन चर्चा मुख्य रूप से हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि के मुद्दे पर हुई। कांचा गच्चीबावली में विश्वविद्यालय की भूमि की प्रस्तावित नीलामी पर राजनीतिक दलों ने पार्टी लाइन से हटकर आपत्ति जताई है। इसी के तहत कुछ दलों के संबद्ध संगठनों ने सरकार की योजना के विरोध में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए।

इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ कुछ पहलुओं पर चर्चा की है। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान इस बात पर ध्यान केंद्रित किया गया कि विपक्षी दलों के बयानों का मुकाबला कैसे किया जाए और इस मुद्दे पर लोगों का विश्वास कैसे जीता जाए। मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल के कुछ सहयोगियों को कुछ खास निर्देश भी दिए हैं।

सोमवार को मुख्यमंत्री कार्यालय ने विश्वविद्यालय भूमि मुद्दे पर विस्तृत बयान जारी किया है। मुख्यमंत्री के आज शाम नई दिल्ली के लिए रवाना होने की उम्मीद है और वह इस मुद्दे पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व को भी जानकारी देंगे।

हरीश राव ने की रैतु भरोसा वितरित करने की समयसीमा चूकने पर सीएम की आलोचना

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा सभी किसानों को रैतु भरोसा निवेश सहायता वितरित करने की 31 मार्च की समय सीमा चूक जाने के बाद, पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने किसानों को बार-बार धोखा देने के लिए पूर्व पर निशाना साधा है। उन्होंने लगातार तीसरी बार समय सीमा के भीतर वादा किए गए निवेश सहायता को पूरा करने में विफल रहने के लिए मुख्यमंत्री की आलोचना की। हरीश राव ने बताया कि रेवंत रेड्डी ने 26 जनवरी और विधानसभा बजट सत्र में बड़ी घोषणाएं की थीं, जिसमें आश्वासन दिया गया था कि 31 मार्च तक किसानों के खातों में प्रति एकड़ 6,000 रुपये का निवेश समर्थन जमा कर दिया जाएगा। हालांकि, समय सीमा बीत चुकी है और किसान एक बार फिर निराश हैं।

बीआरएस विधायक ने कांग्रेस सरकार को किसान विरोधी बताते हुए सवाल किया कि पहले उन्होंने दशहरा तक काम पूरा करने का वादा किया था, लेकिन चूक गए, फिर संक्रांति तक और अब उगादि तक। वह कितनी बार किसानों को गुमराह करेंगे? पूर्व मंत्री ने इसकी तुलना पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के बीआरएस शासन से की, जिसने फसल की बुआई शुरू होने के तुरंत बाद रैतु बंधु निधि को समय पर जारी करना सुनिश्चित किया। उन्होंने कहा कि चंद्रशेखर राव ने किसानों को समय पर वित्तीय सहायता प्रदान की, रेवंत रेड्डी की सरकार ने उन्हें केवल झूठे आश्वासन दिए और कटाई के मौसम के दौरान भी धन जारी करने में विफल रही।

65 जब्तियां पूरी, 7 नकली डॉक्टर गिरफ्तार

तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन की मार्च में कार्रवाई

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने मार्च महीने में कुल 65 जब्ती/पता लगाने का काम पूरा किया जो दवाओं की गुणवत्ता से जुड़े विभिन्न अपराधों से संबंधित हैं।

जब्त की गई 65 वस्तुओं में नकली दवाइयों के रैकेट (1), भ्रामक विज्ञापन (50), बिना लाइसेंस वाली मेडिकल दुकानें/दवाओं का अवैध भंडारण और बिक्री (2), नीम हकीम (7), न्यूट्रास्युटिकल्स के रूप में गलत तरीके से बेची जाने वाली दवाएं (2) और एक्सपायर हो चुकी दवाएं, मानक गुणवत्ता के न होने वाली चिकित्सकों के नमूने और दवाओं का अनुचित भंडारण (3) शामिल हैं। मार्च 2024 में की गई छापेमारी के दौरान डीसीए ने 3.03 लाख रुपये की दवाओं का स्टॉक जब्त किया। मार्च में ड्रग कंट्रोल लेबोरेटरी ने 15 गैर-मानक गुणवत्ता (घटिया) दवाओं की रिपोर्ट दी।

टीएसडीसीए के महानिदेशक वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि डीसीए प्रयोगशाला द्वारा जिन दवाओं को मानक गुणवत्ता के अनुरूप नहीं घोषित किया गया था, उनमें एंटीबायोटिक्स, एंटीअल्सर दवाएं, एंटीहेल्मिंटिक और एंटीप्रोटोजोअल दवाएं आदि शामिल थीं। नमूने परख, विघटन और विवरण के परीक्षणों में विफल रहे, जिससे ये दवाएं रोगों के उपचार में अप्रभावी हो सकती हैं।

डीसीए की जिन टीमों ने 7 झोलाछाप डॉक्टरों/अयोग्य चिकित्सकों द्वारा संचालित की जा रही स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं का पता लगाया और उन्हें जब्त कर लिया, उनमें चिक्कड़पल्ली गांव, रुद्रूर मंडल, निज़ामाबाद जिले के कुर्मा मल्लेश, पल्ल्या राजू, बालाजी प्राथमिक चिकित्सा केंद्र शटर, कोथापेट रूपला थांडा, शिवमपेट मंडल, मेदक जिले, जी राशरुक्मिनी, एबीआरएस प्राथमिक चिकित्सा, पशमिलाराम, पाटनचेरु, शेख जानी बाशा, श्री साई फर्स्ट शामिल हैं।

डीसीए की विशेष औषधि प्रयोगशाला में परीक्षण के बाद, नियामक निकाय ने ब्रिट लाइफसाइंस, सैनवाला, काला अंब, जिला सिरमौर, हिमाचल प्रदेश द्वारा निर्मित पैनवल-40 टैबलेट (निर्माण तिथि: 02/2024, समाप्ति तिथि: 01/2026) को मानक गुणवत्ता का नहीं घोषित किया, क्योंकि नमूना परीक्षण में विफल रहा। डीसीए अधिकारियों ने मलकपेट में एक मेडिकल शॉप से पैनवल-40 टैबलेट के विशेष बैच को जब्त कर लिया।

वोंटीमिट्टा में कोइल अलवर तिरुमंजनम का आयोजन

तिरुपति, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। 5 से 15 अप्रैल तक चलने वाले वार्षिक ब्रह्मोत्सव के मद्देनजर मंगलवार को कडप्पा जिले के वोंटीमिट्टा में श्री कोडंडाराम स्वामी मंदिर में पारंपरिक मंदिर सफाई उत्सव, कोइल अलवर तिरुमंजनम मनाया गया। कोइल अलवर तिरुमंजनम एक आगमिक मंदिर सफाई अनुष्ठान है जो आमतौर पर किसी भी बड़े धार्मिक आयोजन से पहले मनाया जाता है। 'कोइल' का मतलब मंदिर, 'अलवर' का मतलब भक्त और 'तिरुमंजनम' का मतलब दिव्य सफाई गतिविधि है। कोइल अलवर तिरुमंजनम एक आगम अनुष्ठान है जिसका अर्थ है भक्तों द्वारा मंदिर परिसर की सफाई करना। मंगलवार को, परिमलम नामक एक सुगंधित मिश्रण को मुख्य मंदिर की दीवारों, छतों, उप-मंदिरों, पूजा के बर्तनों पर लगाया गया। यह अनोखा मिश्रण श्रीचूर्णम, नमकोपु, सिंदूर, हल्दी, किच्चिली गड्डा नामक कंद वाली सब्जी का मिश्रण है, जो ठंडक और सुखदायक प्रभाव प्रदान करता है। मंदिर के अधिकारियों ने सुबह 8 बजे से 11.30 बजे तक अत्यंत भक्ति भाव से यह आयोजन किया। बाद में भक्तों को दर्शन की अनुमति दी गई।

माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल का जागरण 5 अप्रैल को

जागरण हेतु भूमि पूजन संपन्न

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल, हैदराबाद के तत्वावधान में शनिवार, 5 अप्रैल को नुमाइश मैदान में होने वाले माँ वैष्णो देवी के विशाल जागरण हेतु भूमि पूजन विधि-विधान के साथ किया गया।

आज यहां नुमाइश मैदान में कार्यक्रम स्थल पर पंडाल का निर्माण करने हेतु भूमि पूजन पंडित संजय शर्मा के आचार्यत्व में पंडितों द्वारा किया गया। इसमें रामकिशन अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया सहित अन्य ने पूजन विधान को पूर्ण करवाया। मंडल द्वारा बताया कि हर वर्ष की तरह माँ वैष्णो देवी जागरण मंडल द्वारा माँ भगवती का विशाल जागरण 5 अप्रैल को नुमाइश मैदान में रात 8.21 से आयोजित किया जाएगा। अवसर पर माता का भव्य दरबार, छप्पन भोग, अखंड ज्योत, माता का खजाना एवं लंगर प्रसाद, तारारानी की कथा, आरती का आयोजन किया जाएगा। अवसर पर गायक अहमदाबाद की गीता रबारी, प्रयागराज की जूली सिंह, नगर के मुरारी दाहिमा भजनों की प्रस्तुति देंगे। मंडल ने सभी भक्तों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आग्रह किया है।

जागरण में अतिथि के रूप में पधारने हेतु गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह, महेश बैंक के डायरेक्टर गोविंद राठी, महेश बैंक के चेयरमैन रमेश कुमार बंग तथा आईसा चेयरमैन लक्ष्मीनारायण राठी एवं अन्य को निमंत्रण पत्र दे कर पधारने की अपील मंडल के राकेश नालपुरिया एवं कमल जाजू ने की है। अवसर पर रामकिशन अग्रवाल, ए.के. अग्रवाल, राकेश नरसिंगपुरिया, संजय अग्रवाल (राजस्थानी), अंजनी कुमार सारावगी, पुरुषोत्तम अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, राकेश जालान, सुर्यप्रकाश गुप्ता, धीरज कुमार अग्रवाल, प्रवीण नावंदर, हरिओम गर्ग, कमल आकाश जाजू, प्रदीप अग्रवाल, दिनेश टिबरेवाल, श्यामलाल गोयनका, राजेन्द्र अग्रवाल, त्रिलोक अग्रवाल, जोगीराम अग्रवाल, बिक्की सराफ, महेश कुमार अग्रवाल, मदन सिंह सांखला, रवि मित्तल, विकास अग्रवाल, ललित अग्रवाल, पुनीत गुप्ता, विकास कुमार, सजन कुमार सराफ, रमेश कुमार अग्रवाल, संदीप गोयल, वरुण कौशिक, नारायण चौधरी, नरेश अग्रवाल, आनंद अग्रवाल, शंकर पोद्दार, प्रमोद कुमार रूंगटा, नरेश अग्रवाल अनिल सुरेखा, जगदीश सारड़ा, पवन गुरु व अन्य उपस्थित थे।

प्रभु महाराज विश्वकर्मा ने राजस्थान के नवदुर्गा आश्रम, बैरा-कुड़ी, ग्राम झूंठा, जि. पाली में आगामी 15 मई से 21 मई को होने वाली भागवत कथा व रामदेव बाबा एवं देवनारायण भगवान की प्राण प्रतिष्ठा हेतु आप और हम के अध्यक्ष धर्मीचन्द कुमावत को निमंत्रण दिया। साथ में भँवरलाल अलोदिया, धन्नाराम गुगवाण, रामकिशोर भड़ेवाल, सुरेशकुमार घोड़ावड़।

पीने के पानी के लिए लोगों ने खाली बर्तन लेकर किया प्रदर्शन

संगारेड्डी, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले कुछ दिनों से संगारेड्डी शहर, कंडी मंडल और जिले के कई अन्य हिस्सों में पेयजल आपूर्ति में व्यवधान के बाद लोगों ने मंगलवार को पंचायत कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। स्थिति में कोई सुधार न होने पर, कंडी के लोग, विशेषकर महिलाएं, खाली बर्तन और बाल्टियां लेकर सड़कों पर उतर आईं और अधिकारियों पर उनकी शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि उगादि और रमजान के त्यौहारों पर भी उन्हें परेशानी उठानी पड़ी क्योंकि पानी की आपूर्ति नहीं थी।

जहां नगरपालिका अधिकारियों ने घरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए संगारेड्डी में कुछ स्थानों पर टैंकरों की व्यवस्था की, वहीं संगारेड्डी के पूर्व पार्षदों ने कुछ अन्य स्थानों पर अपने खर्च पर टैंकरों की व्यवस्था की। कंडी में पेयजल समस्या पर बोलते हुए, वहां के निवासियों में से एक पार्वती ने कहा कि वे संघर्ष कर रहे हैं, क्योंकि पिछले 10 दिनों से मंडल मुख्यालय में मिशन भागीरथ जलापूर्ति नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि कंडी गांव में चार बोरवेल भी खराब हो गए हैं, जिससे निवासियों को अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए पानी के टैंकर किराए पर लेने पड़ रहे हैं। पूर्व बीआरएस पार्षद जालंधर ने कहा कि नगर निगम के अधिकारी और मिशन भगीरथ के अधिकारी पानी की आपूर्ति बहाल करने के उनके बार-बार अनुरोधों को अनदेखा कर रहे हैं। मिशन भागीरथ के अधीक्षण अभियंता रघुवीर ने बताया कि संगारेड्डी और कंडी तक पानी ले जाने वाली पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) कंडी के पास सड़क का विस्तार कर रहा था।

150 करोड़ रुपये के कस्टम मिल्ड चावल के दुरुपयोग की जांच शुरू

निर्मल, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में 150 करोड़ रुपये मूल्य के कस्टम मिल्ड चावल (सीएमआर) के कथित डायवर्जन की जांच शुरू की गई है। भैंसा विधानसभा क्षेत्र के कुछ चावल मिलर्स ने कथित तौर पर 2020 से 2024 सीजन तक कस्टम मिलिंग के लिए राज्य सरकार द्वारा आवंटित सीएमआर का भुगतान नहीं किया। इसके बाद उन्होंने कथित तौर पर महाराष्ट्र की मिलों को अनाज बेच दिया, जिससे सरकार को भारी नुकसान हुआ। सरकार को अनाज की डिलीवरी सुनिश्चित करने में संबंधित अधिकारियों की लापरवाही को इस गड़बड़ी के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है।

पता चला कि अधिकारियों ने रिश्वत लेकर बिना फील्ड निरीक्षण किए ही धान की उपज मिलर्स को आवंटित कर दी। सरकारी रिकॉर्ड में बंद पड़ी मिलों को चालू चावल मिलों के रूप में दिखाया गया और धान को सीएमआर के लिए उनके पास भेज दिया गया।

इसी तरह, धान को कुछ ऐसे मिलर्स को दे दिया गया, जिन्होंने अनाज नहीं दिया और जिन पर पहले भी चावल की डिलीवरी में देरी करने का मामला दर्ज किया गया था।

राजभवन में उत्कल दिवस मनाया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। आज ओडिशा राज्य गठन की 90वीं वर्षगांठ के अवसर पर हैदराबाद के राजभवन में उत्कल दिवस मनाया गया। तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राज्य की सांस्कृतिक विरासत की सराहना की। इस अवसर पर डीजीपी जेल डॉ. सौम्या मिश्रा, पूर्व आईएएस अधिकारी बीपी आचार्य, राज्यपाल के प्रधान सचिव दाना किशोर और कई गणमान्य व्यक्ति, सेना के जवान और अन्य लोग मौजूद थे। बीपी आचार्य ने राज्यपाल को कार्टूनों की अपनी पुस्तक ऑक्टयूज एंगल का दूसरा संस्करण भेंट किया। बाद में इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

हैदराबाद विश्वविद्यालय ...

यूओएचएसयू ने रविवार को विवादित भूमि पर पुलिस और जेसीबी मशीनों की तैनाती देख विश्वविद्यालय परिसर में विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया था, जिसके बाद 50 से अधिक छात्रों को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि, बाद में उन्हें रिहा कर दिया गया।

पुलिस के अनुसार, जब टीजीआईआईसी (तेलंगाना राज्य औद्योगिक अवसंरचना निगम) ने 30 मार्च को सरकारी आदेश के अनुसार उक्त भूमि पर विकास कार्य शुरू किया, तो हैदराबाद विश्वविद्यालय से जुड़े लोगों का एक समूह और अन्य व्यक्ति वहां एकत्र हुए और जबरन काम रोकने की कोशिश की। पुलिस ने दावा किया कि इन लोगों ने अधिकारियों और कर्मचारियों पर लाठी-डंडों से हमला किया और उन पर पत्थर फेंके। उसने बताया कि हमले के सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

टीजीआईआईसी ने सोमवार को कहा था कि उसने अदालत में संबंधित भूमि पर अपना स्वामित्व साबित कर दिया है और हैदराबाद विश्वविद्यालय (एक केंद्रीय विश्वविद्यालय) के पास उक्त भूमि में किसी भी भूखंड पर कोई मालिकाना हक नहीं है। उसने कहा कि भूमि के मालिकाना हक को लेकर अगर कोई विवाद पैदा किया जाता है, तो यह अदालत की अवमानना होगी।

आज पेश होगा...

वो परेशान हैं, जिन्होंने वक्फ की करोड़ों की संपत्ति दशकों से कब्जा कर रखी है। इसमें राजनीति करने वाले मुस्लिम संगठन और एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी जैसे लोग हैं। इन्हें पता है कि विधेयक पारित होने के बाद इनकी कलई खुल जाएगी। यही कारण है कि इन लोगों ने भोले भाले मुसलमानों को पहले सीएए पर उकसाया और अब इस विधेयक के विरोध में इन्हें गुमराह कर रहे हैं।

इस बीच मौजूदा वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन का ईसाई व सूफी संगठनों ने समर्थन किया है। मौजूदा अधिनियम के कुछ प्रावधानों को अनुचित और असंवैधानिक बताते हुए इन संगठनों ने राजनीतिक दलों व सांसदों से संशोधन विधेयक में निष्पक्ष दृष्टिकोण अपनाने और समर्थन करने का आग्रह किया है। कैथोलिक बिशप कॉन्फ्रेंस ऑफ इंडिया (सीबीसीआई) ने सोमवार को बयान जारी कर कहा, वास्तविकता यह है कि मौजूदा केंद्रीय वक्फ अधिनियम के कुछ प्रावधान संविधान और देश के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ हैं। सांसदों से मोदी सरकार के प्रस्तावित संशोधन का समर्थन करने का आग्रह करते हुए सीबीसीआई ने कहा, केरल में, वक्फ बोर्ड ने मुनंबम क्षेत्र में 600 से अधिक परिवारों की पैतृक आवासीय संपत्तियों को वक्फ भूमि घोषित करने के लिए इन प्रावधानों को लागू किया है। केवल एक कानूनी संशोधन ही स्थायी समाधान प्रदान कर सकता है, और इसे जनप्रतिनिधियों की ओर से मान्यता दी जानी चाहिए।

स्वतंत्र वार्ता

Email : svaartha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaartha2006@yahoo.com

Epaper : epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement : swadds1@gmail.com

रोहित-विराट बीसीसीआई कॉंट्रैक्ट लिस्ट में ए-प्लस ग्रेड में ही रहेंगे

श्रेयस की इस लिस्ट में वापसी होगी, चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में 48 रन बनाए थे

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर्स विराट कोहली और रोहित शर्मा बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में A प्लस ग्रेड में ही रहेंगे। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड दोनों खिलाड़ियों को टी-20 से रिटायरमेंट के बावजूद ए प्लस ग्रेड में रखने पर विचार कर रहा है। इस ग्रेड में दोनों प्लेयर्स को सालाना 7 करोड़ रुपए मिलेंगे।

बोर्ड का मानना है कि इन दोनों खिलाड़ियों को वह सम्मान मिलना ही चाहिए, जिसके वे हकदार हैं। सूत्रों ने बताया कि टीम इंडिया के नंबर 4 बल्लेबाज और पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर की सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में वापसी हो सकती है। श्रेयस अय्यर को कुछ घरेलू मैच न खेलने की वजह से सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से हटा दिया गया था।

अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में करीब 49 की औसत से बनाए रन

अय्यर चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के 5 पारियों में 79.41 के स्ट्राइक रेट से 243 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने दो अर्धशतक भी लगए थे। उन्होंने फाइनल में 62 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली थी। वे टूर्नामेंट के दूसरे टॉप स्कोरर रहे थे।

रोहित, विराट और जडेजा ग्रेड ए+ में बरकरार

वनडे और टेस्ट टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा A+ में बरकरार रहेंगे। ये तीनों पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के बाद टी-20 फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वहीं, जसप्रीत बुमराह भी ए+ ग्रेड में बने रहेंगे।

घरेलू क्रिकेट में श्रेयस ने शानदार प्रदर्शन किया

पिछले साल श्रेयस और ईशान किशन को डोमेस्टिक क्रिकेट नहीं खेलने की वजह से बीसीसीआई के सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से हटा दिया गया था।

इसके बाद श्रेयस ने घरेलू क्रिकेट में वापसी की और आखिरी रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए पांच मैचों में 480 रन बनाए। नौ मैचों में 345 रन बनाकर श्रेयस सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। उन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 325.00 की शानदार औसत से पांच मैचों में 325 रन बनाए।

संन्यास जाए भाड़ में, विराट कोहली ने 15 सेकेंड के अंदर दी सबसे बड़ी खुशी

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। विराट कोहली ने 15 सेकंड के अंदर अपने चाहने वालों को सबसे बड़ी खुशी दी है. उन्होंने फैंस के दिलो-दिमाग में बैठे सबसे बड़ा सवाल का जवाब दे दिया है. मतलब अब ना तो कोई शक रहा और ना सवाल. आप सोच रहे होंगे कि विराट कोहली ने ऐसा किया या कहा क्या? दरअसल, इसके तार उनके संन्यास से नहीं बल्कि 2027 के वर्ल्ड कप में उनके खेलने और ना खेलने से जुड़े हैं. उस मसले पर 15 सेकेंड के अंदर विराट कोहली ने जो अब कहा है वो लाजवाब है.

कोहली के 'विराट' वचन

चैंपियंस ट्रॉफी के बाद विराट कोहली के भविष्य और 2027 वर्ल्ड कप तक उनके खेलने को लेकर तमाम बातें हो रही थी. लेकिन, अब उसे लेकर कोहली ने अपने इरादे साफ कर दिए हैं. उन्होंने सोशल मीडिया पर चल रहे 15 सेकेंड से भी कम समय के वीडियो में साफ-साफ कहा है कि वो 2027 का वर्ल्ड कप खेलना ही नहीं बल्कि जीतना चाहते हैं .

2027 वर्ल्ड कप जीतना होगा अगला बड़ा स्टेप- विराट

विराट कोहली से सवाल हुआ कि मौजूदा वक्त में क्या वो कोई संकेत दे सकते हैं कि उनका बड़ा स्टेप क्या होने वाला है? इस पर विराट कोहली ने कहा कि मुझे नहीं पता अगला बड़ा कदम मेरा क्या होगा? पर शायद वो ये हो सकता है कि मैं 2027 का वनडे वर्ल्ड कप जीतने की कोशिश कर सकता हूं.

वीडियो से साफ है कि विराट कोहली फिलहाल तो रिटायर होने की दूर-दूर तक नहीं सोच रहे. अभी वो कुछ अगर सोच रहे हैं तो 2027 का वर्ल्ड कप खेलने और उसे जीतने की.

आईपीएल 2025 में विराट कोहली का प्रदर्शन

2027 का वर्ल्ड कप जीतने का दम भरने वाले विराट कोहली फिलहाल आईपीएल 2025 में खेल रहे हैं. हमेशा की तरह वो आरसीबी का हिस्सा है, जिसने लीग में अबतक खेले अपने दोनों मैच जीते हैं. विराट कोहली ने उन दो मैचों में एक अर्धशतक के साथ 90 रन बनाए हैं.

सीएसके के कोच बोले- धोनी का घुटना-शरीर पहले जैसा नहीं

उनका 10 ओवर बैटिंग करना मुश्किल, इसलिए निचले ऑर्डर पर बैटिंग कर रहे

चेन्नई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। इंडियन प्रीमियर लीग में महेंद्र सिंह धोनी 8-9 नंबर पर बैटिंग करने उतर रहे हैं। इस पर कई क्रिकेट एक्सपर्ट सवाल उठा रहे हैं। उनका कहना है कि इतने निचले क्रम पर बल्लेबाजी का टीम को क्या फायदा है। इस सवाल पर चेन्नई सुपर किंग्स के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि धोनी की बॉडी और घुटना अब वैसा नहीं है, जैसा पहले हुआ करता था। उनके लिए 10 ओवर बल्लेबाजी करना मुश्किल है। फ्लेमिंग ने कहा कि यह समय की बात है। धोनी खुद इस बात का फैसला करते हैं। धोनी ठीक तरह से चल रहे हैं, लेकिन नुकसान की गुंजाइश अभी भी है।

फ्लेमिंग बोले- ज्यादा लंबी बल्लेबाजी नहीं दिखाई देगी

स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा, जिस दिन मैच होता है, धोनी ही यह अंदाजा लगाते हैं कि वे टीम के लिए क्या कर सकते हैं। अगर मैच बैलेंस है तो धोनी थोड़ा जल्दी बैटिंग के लिए उतर सकते हैं। जब भी मौका

मिलता है वे दूसरे खिलाड़ियों का समर्थन करते हैं। इस तरह से धोनी बैलेंस कर रहे हैं। मैंने पिछले साल भी कहा था कि वह हमारे लिए बेशकीमती हैं। टीम के लिए विकेटकीपिंग करने के साथ उनका 9-10 ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरना ठीक नहीं है।

2023 में आईपीएल फाइनल के बाद हुई थी घुटने की सर्जरी

धोनी ने आईपीएल 2023 के फाइनल के बाद 1 जून को मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में घुटने की सर्जरी कराई थी। धोनी का ऑपरेशन डॉक्टर दिनशॉ पारदीवाला ने किया था।

2023 का सीजन शुरू होने से पहले ही धोनी को घुटने में दर्द हो रहा था। गुजरात के खिलाफ आईपीएल 2023 के पहले ही मैच में चोटिल हो गए थे। गुजरात की पारी के 19वें ओवर में दीपक चाहर की गेंद को रोकने के लिए धोनी ने डाइव लगाई, जिसके बाद तुरंत ही अपना पैर पकड़ लिया था।

इस चोट के बाद वह किसी तरह खड़े हो गए। उसके बाद धोनी ने विकेट कीपिंग जारी रखी थी। वह 2023 में पूरे सीजन घुटने में पट्टी बांधकर ग्राउंड पर उतरे थे।

चेन्नई लगातार दो मैचों में चेज करते हुए हारी

चेन्नई को इस सीजन में चेज करते हुए लगातार दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा। दोनों ही मैचों में धोनी निचले क्रम में बल्लेबाजी करने आए। सीजन के पहले मैच में चेन्नई ने मुंबई को 4 विकेट से हराया था। इस मैच में भी धोनी आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए थे। 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में चेन्नई को 6 रनों से हार का सामना करना पड़ा। धोनी इस मैच में भी सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए और 11 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हो गए। अपनी पारी के दौरान उन्होंने एक चौका और एक छक्का भी लगाया।

चेपॉक में 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ चेन्नई को 17 साल बाद घर पर हार का सामना करना पड़ा था। इस मैच में टीम 197 रनों का पीछा कर रही थी। इस बार धोनी 9वें नंबर पर बल्लेबाजी करने के लिए आए थे। धोनी 16 गेंदों पर 30 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

2023 से पहले धोनी नंबर-3 और 4 पर आते थे बल्लेबाजी करने

2023 से पहले धोनी नंबर-3 और 4 पर बल्लेबाजी करने आते थे, लेकिन 2023 में आईपीएल के शुरुआत से पहले ही घुटने में चोट लगने से वह निचले क्रम में बल्लेबाजी करने के लिए आने लगे।

2023 से लेकर अब तक खेले गए मैचों में सीएसके ने रन चेज करते हुए जितने भी मैच जीते हैं, उनमें धोनी की बल्लेबाजी का योगदान न के बराबर रहा है। चेज के दौरान सीएसके की ओर से जीते गए तीन मैचों में धोनी का योगदान सिर्फ तीन रन है। इन मैचों में धोनी ने तीन पारियों में 9 गेंदों का सामना करते हुए तीन ही रन बनाए।

भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। भारत के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाली महिला हॉकी खिलाड़ी वंदना कटारिया ने मंगलवार को अपने शानदार 15 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया। उन्होंने कहा कि अपने चरम पर लिया गया यह फैसला उनके लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला दोनों था। 32 वर्षीय अनुभवी स्ट्राइकर ने 320 अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 158 गोल किए। वह 2020 टोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर रहने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा थीं।

वंदना ने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, 'आज भारी लेकिन आभारी दिल के साथ मैं अंतरराष्ट्रीय हॉकी से अपने संन्यास की घोषणा करती हूं। यह एक ऐसा फैसला है जो मेरे लिए कड़वा-मीठा और सशक्त बनाने वाला है। मैं इसलिए पीछे नहीं हट रही हूं क्योंकि मेरे अंदर की आग फीकी पड़ गई है या मेरी हॉकी की ताकत खत्म हो गई है, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं अपने चरम पर पहुंचकर खेल से विदा लेना चाहती हूं, जबकि मैं अभी भी अपने सर्वश्रेष्ठ स्तर पर हूं।'

वंदना ने लिखा, 'मैं थकान की वजह से हॉकी को अलविदा नहीं कह रही हूं, बल्कि मेरे पास अंतरराष्ट्रीय मंच को अपनी शर्तों पर छोड़ने का विकल्प था। मेरा सिर गर्व से ऊंचा है और मेरी स्टिक की आग अभी भी धधक रही है। भीड़ का उत्साह बढ़ाना, हर गोल का रोमांच और भारत की जर्सी पहनने का गर्व हमेशा मेरी आत्मा में गूंजता रहेगा।'

2009 में सीनियर टीम में डेब्यू के बाद से भारतीय हॉकी का स्तंभ रहीं वंदना ने खेल के लिए महत्वपूर्ण क्षणों को परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वह टोक्यो खेलों में हैट्रिक बनाने वाली पहली और एकमात्र भारतीय महिला बनीं। वंदना ने कहा, 'टोक्यो के बारे में सोचकर मेरे रोंगटे अभी भी खड़े हो जाते हैं। ओलंपिक खास होते हैं और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वह मैच मेरे जीवन के सबसे भावनात्मक खेलों में से एक था। मेरे लिए हैट्रिक खास था, लेकिन उससे भी अधिक यह साबित करने के लिए था कि हम उस मंच पर होने चाहिए।'

हालांकि, यह उनकी हॉकी यात्रा का अंत नहीं है क्योंकि वह महिला हॉकी इंडिया लीग में खेलना जारी रखेंगी। वंदना ने कहा, 'मैं हॉकी छोड़ नहीं रही हूं। मैं हॉकी इंडिया लीग और उसके बाद भी खेलती रहूंगी, स्कोर करती रहूंगी और प्रेरित करती रहूंगी। मैदान पर अभी भी मेरे कदमों की छाप रहेगी और इस खेल के प्रति मेरा जुनून कभी कम नहीं होगा।

वेस्टइंडीज क्रिकेट बड़े बदलाव की ओर

टेस्ट कप्तानी से हटे ब्रेथवेट, शाई होप को टी20 की कमान

सेंट जोंस, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। कई बड़े आईसीसी टूर्नामेंट्स से नदारद रहने के बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट अब बड़े बदलाव की ओर अग्रसर है। इसी कड़ी में क्रेग ब्रेथवेट ने चार साल बाद वेस्टइंडीज टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ दी है। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने बताया कि शाइ होप को टी20 टीम का कप्तान बनाया गया है।

32 वर्ष के ब्रेथवेट को मार्च 2021 में जेसन होल्डर की जगह कप्तान बनाया गया था। वहीं वनडे टीम के कप्तान होप को रोवमैन पॉवेल की जगह टी20 टीम की कप्तानी दी गई है। रोवमन पॉवेल मई 2023 से टी20 कप्तान थे। क्रिकेट वेस्टइंडीज ने एक बयान में कहा, 'ब्रेथवेट चाहते थे कि उनके खेल को अलविदा कहने से पहले टीम बदलाव के दौर से गुजर जाए। यही वजह है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले उन्होंने कप्तानी छोड़ दी ताकि नये कप्तान को खुद को स्थापित करने का समय मिल जाये।'

नए टेस्ट कप्तान का ऐलान जल्दी ही किया जाएगा। इस रेस में फिलहाल एलिक एथनाजे, मिकाइल लुईस, केसी कार्टी और जस्टिन ग्रीव्स जैसे खिलाड़ी हैं। इसके अलावा गुडाकेश मोती को भी हाल फिलहाल में शानदार प्रदर्शन का इनाम मिल सकता है।

शेन वॉर्न की कैसे गई थी जान? मौत के 3 साल बाद हुआ बड़ा खुलासा

खेल डेस्क, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज लेग स्पिनर शेन वॉर्न की मौत 4 मार्च 2022 को थाईलैंड में हुई थी. तब पोस्टमार्टम के बाद उनके निधन की वजह हार्ट अटैक को बताया गया था. लेकिन अब वॉर्न की अचानक हुई मौत के 3 साल बाद उस मामले में बड़ा खुलासा हुआ है. ये खुलासा ब्रिटिश मीडिया ने किया है. खुलासे के मुताबिक थाईलैंड के जिस आलीशान विला में वॉर्न की डेड बॉडी पाई गई थी, वहीं से एक सेक्स ड्रग भी पाया गया था. लेकिन मामला तूल ना पकड़े इसलिए वॉर्न के कमरे की जांच में जुटे पुलिस अधिकारियों ने उसे वहां से हटा दिया था.

तो क्या इस वजह से गई थी वॉर्न की जान?

डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, नाम ना छापने की शर्त पर एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वॉर्न के कमरे से उन्हें 'कामाग्रा' नाम का एक बेहद पावरफुल सेक्स ड्रग मिला था. रिपोर्ट के मुताबिक 'कामाग्रा' भारत में बनने वाली सेक्स दवा है और ये थाईलैंड में बिना डॉक्टर के पर्चे के भी उपलब्ध है. पुलिस अधिकारी के मुताबिक उस दवा का ओवरडोज शेन वॉर्न की मौत के लिए जिम्मेदार हो सकता है. पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें उस दवा को वॉर्न के मौत वाले कमरे से हटाने का आदेश दिया गया था.

डेली मेल ने पुलिस अधिकारी के हवाले से आगे लिखा कि जिस कमरे में वॉर्न की मौत हुई थी, वहां से सेक्स ड्रग को हटाने के आदेश दिया गया था। ऑस्ट्रेलिया के सीनियर अधिकारी भी शामिल लग रहे थे. ऑफिशिएली वॉर्न की मौत की वजह हार्ट अटैक है. लेकिन, उसके पीछे कामाग्रा का ओवरडोज़ भी हो सकता है. इसकी पुष्टि करने कोई नहीं आएगा.

वॉर्न की जान लेने वाली दवा का भारत कनेक्शन!

कामाग्रा एक इरेक्टाइल डिस्फंक्शन की दवा है. भारत में तैयार होने वाला ये सेक्स ड्रग ब्रिटेन में बैन है. लेकिन अवैध होने और राष्ट्रीय औषधि एजेंसी से मान्यता ना मिलने के बावजूद भी थाईलैंड में इस दवा का मिलना सामान्य है. ये वहां धड़ल्ले से मिलती है. हालांकि, वॉर्न ने इस दवा का कितना सेवन किया था, उसका नहीं पता. पुलिस अधिकारी के मुताबिक डेली मेल ने रिपोर्ट में लिखा कि घटनास्थल पर उल्टी और खून के निशान भी थे. लेकिन, हमें जो करने का आदेश मिला था, हमने वही किया. हमने कामाग्रा के अवशेषों को वहां से मिटा दिया.

'गरीबों को भी ऊपर रहने दे'

सहवाग ने उड़ाया आरसीबी का मजाक, भड़क गए फैंस

मुंबई, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम काफी शानदार फॉर्म में दिखाई दे रही है। टीम ने अभी तक 2 मैच खेले हैं और दोनों में ही जीत हासिल की है। 2 मैच जीतकर आरसीबी की टीम पॉइंट्स टेबल में पहले स्थान पर बनी हुई है, लेकिन आरसीबी का टॉप पर रहना भी पूर्व भारतीय दिग्गज वीरेंद्र सहवाग को रास नहीं आ रहा है। सहवाग को हाल ही में आरसीबी का मजाक उड़ाते हुए देखा गया। जिसका वीडियो भी सामने आया है, हालांकि सहवाग का आरसीबी का ऐसे मजाक उड़ाना फैंस को पसंद नहीं आ रहा है। आरसीबी की टीम आज तक एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाई है, लेकिन सीजन-18 में रजत पाटीदार की कप्तानी में टीम अच्छी लय में दिखाई दे रही है, लेकिन फिर भी वीरेंद्र सहवाग आरसीबी का मजाक उड़ाते दिखे। क्रिकबज पर बोलते हुए सहवाग ने कहा " गरीबों को भी तो रहने दे, फोटो ले ले थोड़ी देर। पता नहीं कितनी देर गरीब लोग ऊपर रहेंगे। उन्हें फोटो खींचने दो। कौन जानता है कि वे कितने समय तक शीर्ष पर रहेंगे।" आगे सहवाग ने कहा "आपको क्या लगता है, मैं पैसे के बारे में बात कर रहा था? नहीं। वे सभी पैसे के मामले में अमीर हैं। फ्रेंचाइजी हर सीजन में 400-500 करोड़ कमाती हैं। मैं उस बारे में बात नहीं कर रहा हूं। जिन्होंने एक भी ट्रॉफी नहीं जीती है, मैं उन्हें गरीब कह रहा हूं।" हालांकि सहवाग के इस बयान के बाद फैंस थोड़े भड़कते हुए नजर आए, जिसके बाद फैंस ने सहवाग के इस वीडियो पर कमेंट करना भी शुरू कर दिया है।

आईपीएल 2024 से 2025 का कम्पैरिजन: हाई स्कोरिंग पैटर्न में गिरावट आई

पिछले 6 मैचों में एक भी 200+ स्कोर नहीं बना

नई दिल्ली, 1 अप्रैल (एजेंसियां)। 2024 का आईपीएल टी-20 क्रिकेट के लिए गेमचेंजर साबित हुआ। 41 बार टीमों ने 200 प्लस स्कोर बनाए, जिनमें 6 बार स्कोर 250 को भी पार कर गया। इससे पहले के 16 सीजन में महज 2 बार 250+ रन बने थे। तेज स्कोरिंग का पैटर्न इस बार भी दिखा और शुरुआती 5 मैचों में ही 3 बार 240+ का स्कोर पार हो गया।

2024 में अकेली सनराइजर्स हैदराबाद ने 3 बार 265 से ज्यादा रन बनाए थे। इस साल का सबसे बड़ा स्कोर भी एसआरएच के नाम ही है। टीम ने राजस्थान के खिलाफ 286 रन बनाए हैं। हालांकि, 18वें सीजन के पिछले 6 मैचों में गेंदबाजों ने वापसी कर ली। स्पिनर्स ज्यादा विकेट ले रहे हैं, वहीं डेथ ओवर्स में रन बनाना मुश्किल हो गया है।

स्कोरिंग रेट में ज्यादा फर्क नहीं

2024 के शुरुआती 11 मैचों में रन रेट 9.52 का था। इस बार शुरुआती 5 मैचों में रन रेट 10.7 का हो गया, लेकिन पिछले मैचों में खराब प्रदर्शन ने इसे गिरा दिया। अब 11 मैचों में रन रेट 9.82 पर पहुंच गया। यानी पिछले साल के मुकाबले अंतर महज 0.30 का ही है।

डेथ ओवर्स में कम रन बने

इस बार डथ ओवर्स यानी 17 से 20 ओवर के बीच रन बनाने की स्पीड कम हुई। पिछले सीजन आखिरी 4 ओवरों में 11.82 के रन रेट से स्कोर हो रहा था। जो 18वें सीजन में गिर कर 11.35 पर पहुंच गया। पिछली बार 22 पारियों में 6 बार डेथ ओवर्स में 50 प्लस रन बने थे, इस बार महज 4 बार इतने रन बन सके।

दूसरे मैच में ही शतक लग गया

18वें सीजन में इंडिविजुअल बैटर्स की परफॉर्मेंस अच्छी रही। 135 प्लेयर्स ने 23 फिफ्टी और 1 शतक लगाया। सीजन की पहली सेंचुरी तो दूसरे ही मैच में सनराइजर्स के ईशान किशन ने लगा दी थी। 2024 में 134 प्लेयर्स 18 ही फिफ्टी लगा सके थे। तब किसी बैटर का बेस्ट स्कोर 84 रन ही था।

इस बार 7 ही छक्के ज्यादा लगे

पिछले साल बैटर्स की औसत 31.80 की थी। यानी करीब 32 रन पर 1 विकेट गिर जा रहा था। इस बार औसत गिर कर 28.3 पर पहुंच गया। वहीं छक्के मारने की

संख्या में महज 7 का अंतर है। पिछली बार 11 बार मैचों में 214 छक्के लगे थे, इस बार 221 छक्के लग गए। हालांकि, शुरुआती 5 मैचों में यह अंतर 32 छक्कों का था। पिछली बार 87 छक्के लगे थे, लेकिन इस बार 119 सिक्स पड़े गए थे। हालांकि, पिछली बार के मुकाबले इस बार 34 चौके जरूर ज्यादा लगे।

21 ओवर में 20+ रन बन गए

18वें सीजन के शुरुआती 5 मैचों में 20 ओवर ऐसे रहे थे, जिनमें 20 से ज्यादा रन बने। पिछले 6 मैचों में ऐसा 1 ही बार हो सका, यह ओवर दीपक चाहर का था, जिसमें 4 रन ओवरथ्रो से आए थे। 2024 के शुरुआती 11 मैचों में 22 ओवर में 20 से ज्यादा रन बने थे, यानी इस बार एक ओवर कम रहा।

स्पिनर्स ज्यादा विकेट ले रहे

2024 के शुरुआती 11 मैचों में गेंदबाजों ने 122 विकेट लिए। जिनमें महज 24.6% यानी 30 विकेट स्पिनर्स के नाम रहे थे। इस बार स्पिनर्स ने 45.3% विकेट लिए। 18वें सीजन के 11 मैचों में गेंदबाजों ने 137 विकेट लिए, जिनमें से 62 स्पिनर्स के नाम रहे।

स्पिन गेंदबाजों में भी रिस्ट स्पिनर्स जैसे नूर अहमद, वनिंदू हसरंगा ज्यादा कारगर रहे। जिन्होंने 39 विकेट लिए। रिस्ट स्पिनर्स ने औसतन 21 रन देकर 1 विकेट लिया। दूसरी ओर फिंगर स्पिनर्स ने औसतन 39 रन देकर 1 विकेट लिया। हालांकि, दोनों ही तरह के स्पिनर्स की इकोनॉमी 9.2 के करीब रही।

2025 में गेंदबाजों ने कमबैक किया

18वें सीजन के शुरुआती 5 मैचों में बहुत हाई स्कोरिंग मैच हुए। 6 बार 200 से ज्यादा के स्कोर बने, लेकिन उसके बाद के 6 मैचों में 196 रन ही हाईएस्ट स्कोर पहुंच सका। यानी पिछले 6 मैचों में गेंदबाजों ने कमबैक किया। हालांकि, पिछले 6 मैचों में 2 बार 165+ का टारगेट 17 ओवर से पहले ही हासिल हो गया।

शुरुआती 5 मैचों में रन रेट 10.7 का था। पिछले 6 मैचों में यह गिरकर 9.1 पर पहुंच गया।

शुरुआती 5 मैचों में 183 चौके लगे, पिछले 6 मैचों में 160 चौके ही लग पाए।

शुरुआती 5 मैचों में 119 छक्के पड़े, पिछले 6 मैचों में बैटर्स 102 छक्के ही लगा पाए।

शुरुआती 5 मैचों में 6 बार 200 प्लस स्कोर बने। पिछले 6 मैचों में 1 बार भी 200 रन नहीं बने।

शुरुआती 5 मैचों में 15 से ज्यादा गेंद खेलने वाले 13 बैटर्स का स्ट्राइक रेट 200 से ज्यादा रहा। पिछले 6 मैचों में ऐसा 3 ही बैटर कर सकें।

शुरुआती 5 मैचों में 20 ओवर ऐसे रहें, जिनमें 20+ रन बने। पिछले 6 मैचों में ऐसा 1 ही बार हो सका।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में जमीन विवाद गरमाया

पुलिस ने भाजपा नेताओं को किया गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी स्थित कांचा गच्चीबावली जमीन मामले को लेकर राजनीतिक घमासान जारी है।

भाजपा प्रतिनिधियों के एक समूह ने मंगलवार को हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी जाने की घोषणा की। इसके बाद हैदराबाद के विधायक क्वार्टर के पास पुलिस तैनात कर दी गई। पुलिस ने कई भाजपा नेताओं को नजरबंद कर दिया। हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी जा रहे भाजपा विधायकों को पुलिस ने रोक लिया। इससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई। भाजपा ने यह कहते हुए आंदोलन का आह्वान किया है कि कांग्रेस सरकार ने यूनिवर्सिटी की जमीन बेचने और सरकारी जमीन निजी लोगों को सौंपने का रास्ता खोल दिया है। पिछले दो दिनों से भाजपा और भाजयुमो ने हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी में आंदोलन का आह्वान किया है। मंगलवार की सुबह भाजपा विधायक हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के विधायक क्वार्टर से निकलकर हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी की जमीन पर पहुंचे और प्रभावित छात्रों, हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी प्रबंधन और सरकारी अधिकारियों से बात करने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, पुलिस ने भाजपा नेताओं को यह कहते हुए रोक दिया कि उनके पास ऐसा करने की अनुमति नहीं है।

इससे इलाके में तनाव की स्थिति पैदा हो गई। पुलिस ने भाजपा के शीर्ष नेताओं को नजरबंद कर दिया। इस दौरान भाजपा नेताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। तनावपूर्ण स्थिति के बीच पुलिस ने भाजपा नेताओं को गिरफ्तार कर थाने ले गई। दूसरी ओर, कांग्रेस सरकार ने साफ कर दिया है कि एचसीयू की जमीनों की बिक्री से पीछे हटने वाला नहीं है, चाहे इसके सामने कितनी भी बाधाएं और कठिनाइयां क्यों न आएं। छात्र संघों ने कक्षाओं का बहिष्कार किया। दूसरी ओर, छात्र संघों ने आज कक्षाओं के बहिष्कार का आह्वान किया है। उन्होंने विरोध प्रदर्शन तेज करने का फैसला किया है।

यूओएच में धरना देने वाले सीपीआई (एम) नेता गिरफ्तार

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। कांची गच्चीबावली में भूमि नीलामी वापस लेने और हिरासत में लिए गए सभी विश्वविद्यालय छात्रों की रिहाई की मांग को लेकर मंगलवार को हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में धरना देने वाले माकपा नेताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। एक बयान में, सीपीआई (एम) ने दावा किया कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर बर्बरता की और अपनी मांगों को लेकर हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) के मुख्य द्वार पर विरोध प्रदर्शन करने पर उन पर लाठीचार्ज किया। माकपा ने कहा कि न केवल भूमि नीलामी पर सवाल उठाने वालों की आवाज दबाई जा रही है, बल्कि उनका समर्थन करने वालों पर भी हमले किए जा रहे हैं। कम्युनिस्ट पार्टी ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने 'इंद्रमम राज्यम' के नाम पर राज्य में अघोषित आपातकाल लगा दिया है, जिससे सरकार के खिलाफ किसी भी विरोध को कुचल दिया जा रहा है। माकपा नेताओं ने भूमि नीलामी रद्द करने के अलावा विश्वविद्यालय से पुलिस बल हटाने की मांग की।

केटीआर ने बीआरएस नेताओं पर पुलिस प्रतिबंध को लेकर राहुल गांधी से किया सवाल

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने एक बार फिर कांग्रेस सरकार पर असहमति को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कांग्रेस के लोकसभा नेता राहुल गांधी से सरकार के पाखंड और इस मुद्दे पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। अपने आवास पर पुलिस बलों की तैनाती के बाद, रामा राव ने राहुल गांधी से बीआरएस नेताओं पर लगाए गए प्रतिबंधों पर सवाल उठाया, ताकि उन्हें हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) का दौरा करने से रोका जा सके, जहां छात्र कांचा गाचीबोवली में 400 एकड़ के वनों की कटाई के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने सभी को याद दिलाया कि जब राहुल गांधी रोहित वेमुला के लिए न्याय की मांग करने वाले छात्रों के विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दो बार विश्वविद्यालय आए थे, तब के चंद्रशेखर राव सरकार ने उन्हें हर तरह की सुरक्षा और संरक्षण प्रदान किया था। उन्होंने पूछा कि अब, तेलंगाना की कांग्रेस सरकार हमें हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के आस-पास कहीं भी जाने की अनुमति देने से इनकार कर रही है और हमें रोकने के लिए पुलिस तैनात कर रही है। राहुल जी, यह पाखंड क्यों? आपकी सरकार दुनिया से क्या छिपाने की कोशिश कर रही है?

नशे में धुत ऑडी कार चालक ने एसआई को मारी टक्कर

संगारेड्डी, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला सब इंस्पेक्टर को उस समय चोटें आईं, जब मंगलवार की सुबह कथित तौर पर नशे में धुत एक व्यक्ति ने कार को टक्कर मार दी। यह घटना उस समय हुई, जब वह जिन्नाराम मंडल मुख्यालय में नशे में गाड़ी चलाने वालों की जांच कर रही थीं। एसआई नागलक्ष्मी और उनकी टीम जिन्नाराम में नियमित जांच कर रही थी, तभी उन्होंने एक ऑडी कार को रोकने की कोशिश की। लेकिन कार चालक ने अपना नियंत्रण खो दिया और एसआई को टक्कर मार दी। अन्य पुलिसकर्मियों ने कार का पीछा किया और चालक को पकड़ लिया। पुलिस ने घायल नागलक्ष्मी को स्थानीय अस्पताल पहुंचाया। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया।

अग्निवीर पंजीकरण के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 10 अप्रैल

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अग्निपथ योजना के तहत अग्निवीर भर्तियां कर रही भारतीय सेना के भर्ती महानिदेशक ने कहा कि भर्ती वर्ष 2025-26 के लिए 12 मार्च 2025 को शुरू हुए पंजीकरण 10 अप्रैल 2025 तक जारी रहेंगे। प्रवेश का प्रकार पांच पदों के लिए होगा जिसमें जनरल ड्यूटी, तकनीकी, क्लर्क/स्टोर कीपर तकनीकी, ट्रेड्समैन (कक्षा 10 और कक्षा 8 पास) और सैन्य पुलिस कोर में महिला जनरल ड्यूटी शामिल हैं। अपनी पात्रता के आधार पर, अग्निवीर उम्मीदवार उपरोक्त श्रेणियों में से किसी भी दो के लिए आवेदन कर सकते हैं। भर्ती प्रक्रिया में ऑनलाइन पंजीकरण, ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा, स्थानीय भर्ती रैली, चिकित्सा और दस्तावेज़ीकरण शामिल है।

ऑनलाइन परीक्षा की तिथि संभवतः जून, 2025 में निर्धारित की गई है और अंतिम तिथि अलग से सूचित की जाएगी। ऑनलाइन कॉमन एंट्रेंस परीक्षा अंग्रेजी, हिंदी, मलयालम, कन्नड़, तमिल, तेलुगु, पंजाबी, उड़िया, बंगाली, उर्दू, गुजराती, मराठी और असमिया सहित 13 भाषाओं में आयोजित की जाएगी।

अग्निवीर की ट्रेनिंग अवधि 31 सप्ताह की होगी। अधिसूचना के अनुसार, चार वर्ष की सेवा पूरी होने पर, संगठन की आवश्यकताओं और प्रख्यापित नीतियों के आधार पर, अग्निवीरों के प्रत्येक विशिष्ट बैच के 25 प्रतिशत तक को नियमित कैडर के रूप में भारतीय सेना में भर्ती किया जाएगा।

अभिनेता प्रकाश राज ने की विश्वविद्यालय में तोड़फोड़ की निंदा

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। अभिनेता और कार्यकर्ता प्रकाश राज ने हैदराबाद विश्वविद्यालय (यूओएच) से सटी 400 एकड़ भूमि में पेड़ों की कटाई और हरियाली को नष्ट करने की निंदा की। उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों को अपना समर्थन दिया और कांग्रेस सरकार से वनस्पतियों और जीवों से भरपूर इस भूमि को बेचने की अपनी योजना को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया कि यह विनाश स्वीकार्य नहीं है। यह अच्छा नहीं है। मैं ऐसे क्रूर कृत्य के खिलाफ छात्रों और नागरिकों के साथ खड़ा हूं। उन्होंने लोगों से भविष्य की रक्षा के लिए विरोध को साझा करने और बढ़ाने का आग्रह किया।

काकतीय विश्वविद्यालय परिसर में पुतला दहन रोकने पर तनाव

हनमकोंडा, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय परिसर में मंगलवार को उस समय तनाव बढ़ गया जब पुलिस ने विभिन्न छात्र संगठनों द्वारा मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अंतिम संस्कार रैली निकालने के प्रयासों को विफल करने का प्रयास किया। यह रैली हैदराबाद के कांचा गच्चीबोवली में 400 एकड़ भूमि की नीलामी के सरकार के कदम के विरोध में निकाली जा रही थी।

बीआरएसवी, पीडीएसयू और एआईएसएफ से जुड़े छात्रों ने यूनिवर्सिटी गेट तक रैली निकाली, जहां पुलिस ने पुतला जलाने की उनकी कोशिशों को नाकाम कर दिया।

इसके बाद छात्र सड़क पर बैठ गए और नारे लगाने लगे और पुलिस से बहस करने लगे। बीआरएसवी काकतीय विश्वविद्यालय के प्रभारी जेट्टी राजेंद्र ने कहा कि यदि सरकार कांचा गाचीबोवली में हैदराबाद विश्वविद्यालय की 400 एकड़ भूमि की नीलामी का विचार नहीं छोड़ती है तो छात्रों का आंदोलन और तेज हो जाएगा।

एससीआर का माल ढुलाई व्यवसाय में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

13,825 करोड़ रुपये का रिकार्ड राजस्व दर्ज किया

हैदराबाद, 1 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान माल ढुलाई व्यवसाय में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दर्ज किया है, जो 2023-24 में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ आंकड़ों को पार कर गया है। जोन ने 144.140 मिलियन टन माल लदान दर्ज किया, जो वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ माल लदान यानी 141.120 मीट्रिक टन से 2 प्रतिशत अधिक है। इसी तरह, माल ढुलाई राजस्व के मामले में, जोन ने 13,825 करोड़ रुपये दर्ज किए, जो 2023-24 के दौरान दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ माल ढुलाई राजस्व 13,620 करोड़ रुपये से भी 2 प्रतिशत अधिक है। जोन द्वारा रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन एससीआर के कर्मचारियों द्वारा असाधारण टीम वर्क और सभी विभागों के बीच प्रभावी समन्वय का परिणाम था। जोन अपने मौजूदा माल ढुलाई बास्केट को मजबूत करते हुए माल ढुलाई व्यवसाय की नई धाराओं को आकर्षित करने की दिशा में एक बड़ा जोर दे रहा है। बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, माल टर्मिनलों पर काम के माहौल, गुड्स शेड में सुधार आदि पर विशेष ध्यान दिया गया।

साथ ही, एससीआर अधिकारियों द्वारा माल ग्राहकों के साथ नियमित संचार बनाए रखा जा रहा है ताकि निर्धारित समय के भीतर माल ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा किया जा सके। वर्ष 2024-25 के दौरान सभी कमोडिटी स्ट्रीम में ज़ोन की लोडिंग में उछाल देखा गया। ज़ोन की माल ढुलाई टोकरी में प्रमुख वस्तु कोयला, लोडिंग में 70.147 मीट्रिक टन का योगदान देता है (वित्त वर्ष 23-24 में 70.510 मीट्रिक टन बनाम)। सीमेंट (क्लिंकर के साथ) लोडिंग में 37.604 मीट्रिक टन का योगदान देने वाली दूसरी सबसे बड़ी वस्तु है (वित्त वर्ष 23-24 में 36.47 मीट्रिक टन बनाम)। अन्य प्रमुख वस्तुओं की माल ढुलाई जिसने अब तक की सर्वश्रेष्ठ लोडिंग में योगदान देने वालों में उर्वरक (7.343 मीट्रिक टन बनाम 7.400 मीट्रिक टन), खाद्यान्न (6.658 मीट्रिक टन बनाम 7.390 मीट्रिक टन), इस्पात संयंत्रों के लिए कच्चा माल (5.081 मीट्रिक टन बनाम 4.630 मीट्रिक टन), लौह अयस्क (5.892 मीट्रिक टन बनाम 3.750 मीट्रिक टन), कंटेनर (2.547 मीट्रिक टन बनाम 2.390 मीट्रिक टन), पीओएल (1.23 मीट्रिक टन बनाम 1.100 मीट्रिक टन) और अन्य सामान (7.638 मीट्रिक टन बनाम 7.48 मीट्रिक टन) शामिल हैं। एससीआर महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने इस शानदार उपलब्धि पर परिचालन और वाणिज्यिक टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें चालू वित्तीय वर्ष में इसी गति को बनाए रखने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड तोड़ लोडिंग और कमाई के जरिए एससीआर ने अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ माल ढुलाई प्रदर्शन हासिल किया है, जो उत्कृष्टता के लिए जोन की प्रतिबद्धता और इस महत्वपूर्ण सेगमेंट में विकास को बढ़ावा देने की दिशा में दिए गए विशेष जोर को रेखांकित करता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.